



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 76] प्रयागराज, शनिवार, 24 दिसम्बर, 2022 ई० (पौष 3, 1944 शक संवत्) [संख्या 52

### विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1— विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	1007—1034	3075	भाग 4— निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—क— नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	1041—1050	1500	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश		975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	..	975	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट		
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	..	975	भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		975
			भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		
			भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	..	
			भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	631—674	975
			स्टोर्स-पर्वेज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

**भाग 1**

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

**नियुक्ति विभाग**

अनुभाग-1

अधिसूचना

11 नवम्बर, 2022 ई०

सं० 02-1001(009)/2768/2020-1/I/234920/2022—श्री विकास गोठलवाल, आई०ए०एस० (यू०पी०-2003) द्वारा पत्र दिनांक 14 जुलाई, 2022 के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है।

2—श्री विकास गोठलवाल के अनुरोध एवं तदनुक्रम में राज्य सरकार के पत्र के क्रम में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा पत्र संख्या 24012/06/2022-AIS(II), दिनांक 07 नवम्बर, 2022 के माध्यम से निम्नवत् अवगत कराया गया है :

In this regard, Central Government has considered the proposal of State Government and the Competent Authority has accepted the voluntary retirement of Shri Vikas Gothwal, IAS (U. P.-2003) from service under Rule 16(2-A) of AIS (DCRB) Rules, 1958 with effect from November 04, 2022 by waiving off the condition of refunding the bond amount & interest thereupon, executed towards availing study leave in terms of Rule 9(4) of AIS (Study Leave) Regulations, 1960.

3—कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के पत्र संख्या 24012/06/2022-AIS(II), दिनांक 07 नवम्बर, 2022 के क्रम में श्री विकास गोठलवाल, आई०ए०एस० (यू०पी०-2003) को भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति एतद्द्वारा दिनांक 04 नवम्बर, 2022 से स्वीकृत किया जाता है।

आज्ञा से,  
डा० देवेश चतुर्वेदी,  
अपर मुख्य सचिव।

**सेवानिवृत्ति**

30 नवम्बर, 2022 ई०

सं० 1759/दो-1-2022-19/1(4)/2010—उत्तर प्रदेश संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर दिनांक 30 नवम्बर, 2022 को अपरान्ह में भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त होंगे :

1—सुश्री शालिनी प्रसाद, आई०ए०एस० (आर०आर०-1985), विशेष सचिव, नीति आयोग, नई दिल्ली।

2—श्री राजन शुक्ल, आई०ए०एस० (आर०आर०-1988), अपर मुख्य सचिव, नागरिक सुरक्षा एवं राजनीतिक पेंशन विभाग, उ०प्र० शासन।

3—श्री राधे श्याम मिश्रा, आई०ए०एस० (एस०सी०एस०-2008), विशेष सचिव, राजस्व विभाग, उ०प्र० शासन।

4—श्री दीप चन्द्र, आई०ए०एस० (एस०सी०एस०-2010), अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर।

आज्ञा से,  
धनन्जय शुक्ला,  
विशेष सचिव।

## अनुभाग-4

## कार्यालय -ज्ञाप

31 जनवरी, 2022 ई0

सं0 843/दो-4-2022-26/2(5)/2011—उप निबन्धक (एम0)/संयुक्त निबन्धक (एडमिन-1), मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के विभिन्न पत्रों के क्रम में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा के अधिकारियों द्वारा अर्जित की गई एल0एल0एम0 डिग्री/उपाधि को अधोलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार उनके सेवा सम्बन्धी अभिलेखों में रखे जाने की शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है :

क्र0 सं0	न्यायिक अधिकारी का नाम/पदनाम/तैनात स्थल	उप निबन्धक (एम0)/संयुक्त निबन्धक (एडमिन-1), मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद से प्राप्त पत्र संख्या एवं दिनांक	विश्वविद्यालय का नाम	डिग्री/उपाधि	वर्ष
1	2	3	4	5	6
	सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री—				
1	ज्योति वर्मा, यूडिशियल मजिस्ट्रेट, बरेली।	संख्या 161/IV- 4957/एडमिन (ए-1), दिनांक 05.01.2022	लखनऊ विश्वविद्यालय	एल0एल0एम0	2018
2	तारकेश्वरी सिंह, सिविल जज (सीनियर डिवीजन), झांसी	संख्या 14676/IV- 3835/एडमिन (ए-1), दिनांक 13.12.2021	महात्मा जयोतिबा फूले रुहेलखण्ड, विश्वविद्यालय, बरेली	एल0एल0एम0	2009
3	अवन्तिका प्रभाकर, अपर जिला जज (जू0 डि0), मिर्जापुर	संख्या 13127/IV- 4662/एडमिन (ए-1), दिनांक 30.10.2021	बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ	एल0एल0एम0	2018
4	दीप्ति सुमन, सिविल जज (जू0 डि0), भदोही, ज्ञानपुर	संख्या 13976/IV- 5037/एडमिन (ए-1), दिनांक 24.11.2021	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	एल0एल0एम0	2019
5	सौम्या पाण्डेय, ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, ज्ञानपुर	संख्या 13978/IV- 4875/एडमिन (ए-1), दिनांक 24.11.2021	डा0 राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय, विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ	एल0एल0एम0	2019
6	मोहम्मद साजिद, सिविल जज (सीनियर डिवीजन), इलाहाबाद	संख्या 13866/IV- 4320/एडमिन (ए-1), दिनांक 22.11.2021	इलाहाबाद विश्वविद्यालय	एल0एल0एम0	2016
7	नसीमा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आगरा	संख्या 14277/IV- 4718/एडमिन (ए-1), दिनांक 02.12.2021	कर्नाटका राज्य मुक्त विश्वविद्यालय	एल0एल0एम0	2013

आज्ञा से,  
मदन सिंह गर्ब्याल,  
विशेष सचिव।

अनुभाग-4  
प्रोन्नत/नियुक्ति  
28 नवम्बर, 2022 ई0

सं0 833/दो-4-2022—महानिबन्धक, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 265/एस0 एण्ड0 ए0/2022, दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 में प्राप्त संस्तुति के आधार पर सम्यक् विचारोपरान्त उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 1975 यथासंशोधित के नियम 18, 20 एवं 21 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा में निम्नलिखित अभ्यर्थियों/न्यायिक अधिकारियों को नियम 22 (1) की व्यवस्थानुसार प्रोन्नत/नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति एतद्वारा प्रदान करती हैं :

Sl. No.	Names of the Officer/direct recruits	
1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
1	Raghuvir Singh Rathore	Promotee
2	Anju Rajpoot	Promotee
3	Rakesh	Promotee
4	Meera Gothwal	Promotee
5	Rajmangal Singh Yadav	Promotee
6	Priti Singh-II	Promotee
7	Nand Kumar	Promotee
8	Karuna Singh	Promotee
9	Surendra Pratap Yadav	Promotee
10	Seema Singh	Promotee
11	Rakesh Singh	Promotee
12	Chir Kumaritva	Promotee
13	Ritu Nagar	Promotee
14	Piyush Siddhartha	Promotee
15	Sandeep Chaudhary	Promotee
16	Navneet Kumar Bharti	Promotee
17	Rajneesh Mohan Verma	Promotee
18	Yash Pal Singh Lodhi	Promotee

1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
19	Dilip Kumar Sachan	Promotee
20	Shamim Ahmad Ansari	Promotee
21	Atul Chaudhary	Promotee
22	Virat Kumar Srivastava	Promotee
23	Pradeep Kumar Singh-I	Promotee
24	Dhirendra Singh	Promotee
25	Harish Chandra	Promotee
26	Alaka Yadav	Promotee
27	Shikha Rani Jaiswal	Promotee
28	Devendra Nath Goswami	Promotee
29	Surendra Prasad	Promotee
30	Indra Jeet Singh-II	Promotee
31	Meraj Ahmed	Promotee
32	Shivanand	Promotee
33	Birendr Singh	Promotee
34	Ravi Kumar Gupta	Promotee
35	Swati	Promotee
36	Ashok Kumar Yadav-III	Promotee
37	Farrukh Inam Siddiqui	Promotee
38	Asifa Rana	Promotee
39	Raghvendra Mani	Promotee
40	Neelu Mainwal	Promotee
41	Ravi Prakash Sahu	Promotee
42	Harendra Nath	Promotee
43	Chinta Ram	Promotee

1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
44	Virat Shiromani	Promotee
45	Ravi Kant Yadav	Promotee
46	Vinay Prakash Singh	Promotee
47	Jyoti	Promotee
48	Hemant Kumar Kushwaha	Promotee
49	Smt. Sushil Kumari	Promotee
50	Sanjay Kumar-V	Promotee
51	Sumit Premi	Promotee
52	Anju Kamboj	Promotee
53	Mahendra Kumar Singh	Promotee
54	Bhartendra Singh	Promotee
55	Shushil Kumar Verma	Promotee
56	Kamala Pati-II	Promotee
57	Satyendra Singh	Promotee
58	Vijay Kumar Katiyar	Promotee
59	Sudesh Kumar	Promotee
60	Lovely Jaiswal	Promotee
61	Vishnu Deo Singh	Promotee
62	Vikas	Promotee
63	Hari Ram	Promotee
64	Alka Chaudhary	Promotee
65	Poonam Singh-II	Promotee
66	Nishant Maan	Promotee
67	Shailendra Yadav	Promotee
68	Richa Upadhyay	Promotee

1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
69	Prem Prakash Jaiswal	Promotee
70	Kamal Deep	Promotee
71	Ramesh Kushwaha	Promotee
72	Mohammad Firoz	Promotee
73	Vijay Kumar Singh	Promotee
74	Abha Pal	Promotee
75	Poonam Karanwal	Promotee
76	Vikash Singh	Promotee
77	Viresh Chandra	Promotee
78	Vijay Kumar Gupta-II	Promotee
79	Yashpal	Promotee
80	Vijay Kumar Vishwakarma	Promotee
81	Shyam Babu	Promotee
82	Tarkeshwari Singh	Promotee
83	Shradha Tripathi	Promotee
84	Vimal Verma	Promotee
85	Vimal Tripathi	Promotee
86	Anand Shukla	Promotee
87	Shiv Kumari	Promotee
88	Dibyanand	Promotee
89	Bhupendra Pratap	Promotee
90	Sunil Kumar-II	Promotee
91	Abhay Pratap Singh-II	Promotee
92	Kuldeep Singh-I	Promotee
93	Himanshu Kumar Singh	Promotee

1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
94	Kuldeep Singh-II	Promotee
95	Anil Kumar-XI	Promotee
96	Mahendra Kumar Rawat	Promotee
97	Manoj Kumar Jatav	Promotee
98	Harikesh Kumar	Promotee
99	Rachna	Promotee
100	Sanjay Kumar-VI	Promotee
101	Sunil Kumar-III	Promotee
102	Manoj Kumar-II	Promotee
103	Anand Priya Gautam	Promotee
104	Ravi Kumar Diwakar	Promotee
105	Satya Pal Singh Premi	Promotee
106	Anil Kumar-XII	Promotee
107	Aparna Dev	Promotee
108	Satyendra Singh Verma	Promotee
109	Prashant Kumar Singh	Promotee
110	Manoj Kumar Shasan	Promotee
111	Swatantra Prakash	Promotee
112	Satya Prakash Arya	Promotee
113	Kuldeep Singh-III	Promotee
114	Parvind Kumar	Promotee
115	Vijay Kumar-III	Promotee
116	Sushil Kumar-V	Promotee
117	Purnima Pranjali	Promotee
118	Ashok Kumar-XII	Promotee



1	2	3
	<i>S/Sri/Smt./Km./Ms.-</i>	
119	Sheelvant	Promotee
120	Sharad Kumar Chaudhary	Promotee
121	Yashwant Kumar Saroj	Promotee
122	Shri Pal Singh	Promotee
123	Dr. Suresh Kumar	Promotee
124	Dinesh Kumar Gautam	Promotee
125	Anupam Shaury	Promotee
126	Meenakshi Sonkar	Promotee
127	Mahendra Kumar-II	Promotee
128	Bhoola Ram	Promotee
129	Rahul Singh-II	Promotee
130	Vinay Kumar-II	Promotee
131	Prabodh Kumar Verma	Promotee
132	Vijay Kumar-IV	Promotee
133	Kamal Singh	Promotee
134	Prashant Kumar-II	Promotee
135	Reserved	Promotee
136	Mradanshu Kumar	Promotee
137	Arvind Verma	Promotee
138	Rajeev Saran	Promotee
139	Dinesh Kumar-II	Promotee
140	Jagannath	Promotee
141	Sudha	Promotee
142	Harish Kumar-II	Promotee
143	Sarvottama Nagesh Sharma	Promotee
144	Bhartendu Prakash Gupta	Promotee

2—सीधी भर्ती के 31 अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण, चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन के उपरान्त नियुक्ति के सम्बन्ध में पृथक से आदेश निर्गत किये जायेंगे।

3—उपर्युक्त अभ्यर्थियों/न्यायिक अधिकारियों की ज्येष्ठता सूची अनन्तिम मानी जायेगी तथा मा0 सर्वोच्च न्यायालय एवं मा0 उच्च न्यायालयों द्वारा समय-समय पर पारित विधिक व्यवस्थाओं के आधार पर मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा ज्येष्ठता सूची पृथक से निर्धारित की जायेगी।

4— उपर्युक्त प्रोन्नति/नियुक्ति मा0 सर्वोच्च न्यायालय/ मा0 उच्च न्यायालयों में योजित सम्बन्धित अन्य रिट याचिकाओं में पारित होने वाले अन्तिम निर्णयों के अधीन होगी। ऐसे समस्त न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति सतर्कता जांच के निष्कर्ष के अधीन होगी, जिनके विरुद्ध सतर्कता जांच लम्बित है।

आज्ञा से,  
देवेश चतुर्वेदी,  
अपर मुख्य सचिव।

अनुभाग-4  
विज्ञप्ति/नियुक्ति  
29 नवम्बर, 2022 ई0

सं0 941/दो-4-2022—महानिबन्धक, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 265/एस0 एण्ड0 ए0/2022, दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 में प्राप्त संस्तुति के आधार पर उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 1975 यथासंशोधित के नियम 18, 20 एवं 21 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा में कार्यालय ज्ञाप संख्या 833/दो-4-2022, दिनांक 28 नवम्बर, 2022 द्वारा न्यायिक अधिकारियों को नियम 22 (1) की व्यवस्थानुसार विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश निर्गत किया गया है।

2—उक्त विज्ञप्ति/नियुक्ति विषयक आदेश संख्या 833/दो-4-2022, दिनांक 28 नवम्बर, 2022 एतद्वारा निरस्त किया जाता है। कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

आज्ञा से,  
सुनील कुमार,  
विशेष सचिव।

## विधान परिषद् सचिवालय

स्थायीकरण

31 अक्टूबर, 2022, ई0

सं0 2629(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में उपसचिव के पद पर स्थायी निम्न कार्मिकों को संयुक्त सचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-13 (1,23,100—2,15,900) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में संयुक्त सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार संयुक्त सचिव के पद पर स्थायी किया जाता है :

- 1—श्री विनय कुमार सिंह,
- 2—श्री राजेश सिंह।

सं0 2630(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर स्थायी श्री राम सागर शुक्ल को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (78,800—2,09,200) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उप सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उप सचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2631(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी के पद पर स्थायी श्री राम नयन को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (78,800—2,09,200) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उप सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उप सचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2632(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव के पद पर स्थायी श्री ओम प्रकाश सिंह को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (78,800—2,09,200) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उप सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उप सचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2633(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर स्थायी श्री राकेश कुमार पाण्डेय को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (78,800—2,09,200) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उप सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उप सचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2634(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी निम्न कार्मिकों को अनुसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनु सचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुसचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

1—श्री तेज प्रताप सिंह,

2—श्री प्रताप नारायण द्विवेदी,

3—श्री राकेश मिश्र,

4—श्रीमती मालती शाक्य।

सं0 2635(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी श्री इरशाद हुसैन को अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2636(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी श्री रमेश चन्द्र जोशी को अनुसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुसचिव के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2637(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी श्री संजय कुमार को अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2638(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के पद पर स्थायी निम्न कार्मिकों को अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (56,100—1,77,500) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी एवं उससे उच्च पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

1—श्री संजय मेहरोत्रा,

2—श्री धनंजय सिंह,

3—श्री मुनेश कुमार,

4—श्री हरि प्रताप सिंह,

5—श्री सतीश कुमार यादव,

6—श्री धर्मेन्द्र कुमार मिश्र।

सं0 2639(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के पद पर स्थायी निम्न कार्मिकों को अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (56,100—1,77,500) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण

समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है :

उक्त स्थायीकरण इस सचिवालय द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप संख्या 1856/वि0प0-01/2002 (अधि0), दिनांक 29 सितम्बर, 2016 से पूर्णतः आच्छादित होगा।

- 1—श्री विकास अग्रवाल,
- 2—श्री विनोद कुमार यादव,
- 3—श्री रत्नेश्वर शुक्ल,
- 4—श्री रमैन्द्र भाई पटेल।

18 नवम्बर, 2022, ई0

सं0 2869(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में मुख्य प्रतिवेदक के पद पर स्थायी श्री नरेश जायसवाल को प्रमुख प्रतिवेदक के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-13 (1,23,100—2,15,900) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में प्रमुख प्रतिवेदक के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार प्रमुख प्रतिवेदक के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2870(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर स्थायी श्री अतुल कुमार सलूजा को मुख्य प्रतिवेदक के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (78,800—2,09,200) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में मुख्य प्रतिवेदक के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार मुख्य प्रतिवेदक के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2871(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में वृत्त लेखक के पद पर स्थायी श्री नीरज गर्ग को उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं0 2872(1)/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में वृत्त लेखक के पद पर स्थायी श्री संजीव कुमार शर्मा को उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (67,700—2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार उपमुख्य प्रतिवेदक के पद पर स्थायी किया जाता है।

उक्त स्थायीकरण इस सचिवालय द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप संख्या 1855/वि0प0-01/2002 (अधि0), दिनांक 29 सितम्बर, 2016 से पूर्णतः आच्छादित होगा।

आज्ञा से,  
डा0 राजेश सिंह,  
प्रमुख सचिव।

**वित्त विभाग  
(सामान्य)**

अनुभाग-2  
विज्ञप्ति/विविध  
30 नवम्बर, 2022 ई०

सं० 06-जी-2-222/दस-2022-59/81—जनरल प्राविडेंट फण्ड (उत्तर प्रदेश) रूल्स, 1985 के नियम 11 (1), कन्ट्रीब्यूटी प्राविडेंट फण्ड (उत्तर प्रदेश) रूल्स के नियम 11(1) तथा उत्तर प्रदेश कन्ट्रीब्यूटी प्राविडेंट फण्ड पेंशन इन्श्योरेंस रूल्स, 1948 के नियम 9 के प्राविधानों के अनुसार राज्यपाल महोदय घोषित करती हैं कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान जनरल प्राविडेंट फण्ड (उत्तर प्रदेश) कन्ट्रीब्यूटी प्राविडेंट फण्ड (उत्तर प्रदेश) तथा उत्तर प्रदेश कन्ट्रीब्यूटी प्राविडेंट फण्ड पेंशन इन्श्योरेंस फण्ड के अभिदाताओं (सब्सक्राइबर्स) की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर 01 अक्टूबर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022 तक 7.1 प्रतिशत (सात दशमलव एक प्रतिशत) होगी। यह दर 01 अक्टूबर, 2022 से लागू होगी।

आज्ञा से,  
प्रशान्त त्रिवेदी,  
अपर मुख्य सचिव।

**DEPARTMENT OF FINANCE**

**(General)**

Section-2

Notification/Miscellaneous

November 30, 2022

**No. 6/G-2-222/X-2022-59/81**—In accordance with the provisions of Rule 11(1) of the General Provident Fund (Uttar Pradesh) Rules, 1985 Rule 11(1) of the Contributory Provident Fund (Uttar Pradesh) Rules and Rule 9 of the Uttar Pradesh Contributory Provident Fund Pension Insurance Rules, 1948, the Governor is pleased to announce that the rate of interest on deposits and also on the balance of the credit of the subscribers to General Provident Fund (Uttar Pradesh) Contributory Provident Fund (Uttar Pradesh) and the Uttar Pradesh Contributory Provident Pension Insurance Fund shall be 7.1% (seven point one percent) with effect from 1<sup>st</sup> October, 2022 to 31<sup>st</sup> December, 2022 during the Financial year 2022-2023, on all accounts. This rate will be in force w.e.f. 1<sup>st</sup> October, 2022.

By order,  
PRASHANT TRIVEDI,  
Additional Chief Secretary.

**सूचना विभाग**

अनुभाग-1  
पदोन्नति  
29 नवम्बर, 2022 ई०

सं० 1085(1)/उन्नीस-1-2022-32/2003 टी०सी०-1—श्री सईद शारिब, जिला सूचना अधिकारी, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को सहायक निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100 पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10, ग्रेड वेतन रु० 5,400 में उपलब्ध वास्तविक रिक्ति के सापेक्ष कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

2—श्री सईद शारिब, सहायक निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के पद पर 02 वर्ष की परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

सं0 1086(1)/उन्नीस-1-2022-32/2003 टी0सी0-I—श्री सुरजीत सिंह, जिला सूचना अधिकारी, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को सहायक निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर वेतनमान रु0 15,600—39,100 पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10, ग्रेड वेतन रु0 5,400 में उपलब्ध वास्तविक रिक्ति के सापेक्ष कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

2—श्री सुरजीत सिंह, सहायक निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के पद पर 02 वर्ष की परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

सं0 1087(1)/उन्नीस-1-2022-32/2003 टी0सी0-I—श्री अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबन्धक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को निर्माता फिल्म, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर वेतनमान रु0 15,600—39,100 पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10, ग्रेड वेतन रु0 5,400 में उपलब्ध वास्तविक रिक्ति के सापेक्ष कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

2—श्री अभय कुमार श्रीवास्तव, निर्माता फिल्म, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के पद पर 02 वर्ष की परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

## महिला एवं बाल विकास विभाग

अनुभाग-1

अधिसूचना

14 दिसम्बर, 2022 ई0

सं0 1033/60-1-22/21 रिट/03—सुशासन के लिये आधार अधिप्रमाणन (समाज कल्याण, नवाचार, ज्ञान) नियमावली, 2020 के नियम 5 के साथ पठित आधार (वित्तीय और अन्य सहायकियों, लाभों और सेवाओं का लक्षित परिदान) अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्या 18 सन् 2016) (यथासंशोधित) की धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) के उपखण्ड (दो) के उपबंधों के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्र संख्या 13(4)/2020 ईजी-II (वॉल्यूम-IV) दिनांक 24 दिसम्बर, 2021 के माध्यम से दिये गये अनुमोदन के अनुसरण में राज्यपाल, उक्त-पत्र में विहित शर्तों के अधीन उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियमावली, 2017 के अधीन विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया में पक्षकारों की पहचान उनकी सहमति से किये जाने के प्रयोजन के लिये आधार अधिप्रमाणन प्रक्रिया का उपयोग किये जाने की अनुज्ञा प्रदान करती हैं।

2— उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियमावली, 2017 के उपबंधों के अधीन विवाह पंजीकरण के लिये आवेदन करने की प्रक्रिया में आधार अधिप्रमाणन हेतु पक्षकारों की सहमति प्राप्त करने की पद्धति महानिरीक्षक निबन्धन, उत्तर प्रदेश द्वारा स्थापित की जायेगी।

आज्ञा से,  
अनामिका सिंह,  
सचिव।

**MAHILA KALYAN EVAM BAL VIKAS****Anubhag-1**

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification no. 1033/60-1-22/21 Writ/3, dated December 14, 2022 :

**NOTIFICATION**

*December 14, 2022*

**No. 1033/60-1-22/21 Writ/3**—In exercise of the powers under the provisions of sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (4) of section 4 of the Aadhaar (Targeted Delivery of Financial and Other Subsidies, Benefits and Services) Act, 2016 (Act no. 18 of 2016) (as amended) read with rule 5 of the Aadhaar Authentication for Good Governance (Social Welfare, Innovation, Knowledge) Rules, 2020 and in pursuance of the approval given by the Ministry of Electronic and Information Technology, Government of India, through letter no. 13(4)/2020-EG-II(Vol.-IV), dated December 24, 2021, the Governor, subject to conditions prescribed in the letter, is pleased to permit the use of Aadhaar Authentication procedure for the purpose of identification of parties with their consent, in the process of registration of marriage under the Uttar Pradesh Marriage Registration Rules, 2017.

2. A system of obtaining consent of the parties for Aadhaar Authentication in the process of applying for registration of marriage under the provisions of Uttar Pradesh Marriage Registration Rules, 2017, shall be established by the Inspector General of Registration, Uttar Pradesh.

By order,  
ANAMIKA SINGH,  
Sachiv.

**चिकित्सा विभाग**

अनुभाग-5

नियुक्ति/तैनाती

16 जून, 2022, ई०

सं० 5-5099/17/2021-5/1/179310/2022—उ० प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में उ० प्र० दन्त सर्जन सेवा संवर्ग के अन्तर्गत निम्न सूची में अंकित 05 दन्त सर्जन वेतनमान रु० 56,100—1,77,500 (लेवल-10) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये तैनाती हेतु की गयी काउंसिलिंग के आधार पर उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं :

(1) सम्बन्धित दन्त सर्जन को उ० प्र० दन्त सर्जन सेवा नियमावली, 1979 (यथा संशोधित) के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।



(2) सम्बन्धित दन्त सर्जन का स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु दन्त सर्जन अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

(3) सम्बन्धित दन्त सर्जन, जिनके सम्मुख औपबन्धिक अंकित है, संलग्न प्रारूप पर चरित्र/प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

(4) सम्बन्धित दन्त सर्जन को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0 प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनदेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97 टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

(5) सम्बन्धित दन्त सर्जन-पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित दन्त सर्जन विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-8 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित दन्त सर्जन निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

(6) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

(7) अभ्यर्थी द्वारा अपने तैनाती स्थान पर योगदान दिये जाने की तिथि से मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मण्डलीय अपर निदेशक द्वारा 02 वर्ष की अवधि तक इनका क्रमशः अन्तरा-जनपदीय एवं अन्तर-जनपदीय स्थानान्तरण नहीं किया जायेगा। इन 02 वर्षों के अन्तराल में आवश्यकतानुसार शासन द्वारा ही इनका स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(8) सम्बन्धित दन्त सर्जन को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे :

[1] दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्न प्रारूप में)

[2] उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

[3] ओथ ऑफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[4] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[5] चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[6] एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

[7] मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2—उ0प्र0 दन्त सर्जन सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

3-नियुक्ति/तैनाती से सम्बन्धित दन्त सर्जनों का विवरण निम्नवत हैं :

क्र० सं०	दन्त सर्जन का नाम	पिता/पति का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता	तैनाती स्थान
1	2	3	4	5	6
1	डा० स्वाती सिंह	श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह	प्रयागराज	ग्राम कोटवा, तहसील फूलपुर, जनपद प्रयागराज-22150	सामु० स्वा० केन्द्र भूडबरा, एट उपलैहड़ा, मेरठ।
2	डा० अम्बालिका विश्वास	अरविन्दा कुमार विश्वास	दक्षिणी अण्डमान	निकट लक्ष्मी मोटर गैराज गराचारमा-1, दक्षिणी अण्डमान-744105	सामु० स्वा० केन्द्र, मिश्रिख, सीतापुर।
3	डा० विशाल ब्रिहान	श्री देवेन्द्र सिंह	नई दिल्ली	आ० जेड०-12/7, रोशन गार्डन, नजफगढ़, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली	सामु० स्वा० केन्द्र, मवाना, मेरठ।
4	डा० वी०ई० संतोष कन्ना (औपबन्धिक)	श्री सी० इकम्बरम	वेल्लौर, तमिलनाडु	2बी०, चौथी गली, भवानीनगर, थरपतवेदु, कटपड़ी, वेल्लौर, तमिलनाडु-636007	सामु० स्वा० केन्द्र, हरिअवा, हरदोई।
5	डा० जियाउर रहमान	श्री मसीउर रहमान	पूर्णिया, बिहार	ग्राम नवाबगंज पोखरिया, पोस्ट-पूरनगंज, जनपद पूर्णिया, बिहार-854317	सामु० स्वा० केन्द्र, पल, अलीगढ़।

संलग्नक : उपरोक्तानुसार।

आज्ञा से,  
रविन्द्र,  
सचिव।

शुद्धि-पत्र

अनुभाग-8

07 जुलाई, 2022, ई०

सं० 5-8099/43/2022-8-1/160660/2022--शासन के कार्यालय ज्ञाप, दिनांक 27 अप्रैल, 2022 द्वारा डा० तरुण राजपूत चिकित्साधिकारी (वरि० क्र०-12411क-1) सामु० स्वा० केन्द्र, भूडबरा, जनपद मेरठ को मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा रिट याचिका संख्या 2738/2011 डा० तरुण राजपूत बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित आदेश दिनांक 03 जुलाई, 2015 के क्रम में दिनांक 17 दिसम्बर, 2017 से 04 वर्षीय तृतीय विशिष्ट ए०सी०पी० का लाभ स्वीकृत किया गया था, जिसमें त्रुटिवश मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के स्थान पर मा० राज्य लोक सेवा अधिकरण, लखनऊ अंकित हो गया है।

इस संबंध में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ० प्र०, लखनऊ के पत्र संख्या गोपन/कोर्टकेस/2022/1029, दिनांक 13 जून, 2022 द्वारा संशोधित आदेश निर्गत किये जाने हेतु अनुरोध किया गया है।

2-अतएव शासन के उपरोक्त कार्यालय ज्ञाप दिनांक 27 अप्रैल, 2022 में अंकित मा० राज्य लोक सेवा अधिकरण, लखनऊ के स्थान पर मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद पढ़ा/समझा जाये।

3-अतएव शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या 5-8099/43/2022-8-1/160660/2022, दिनांक 27 अप्रैल, 2022 को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाये।

आज्ञा से,  
शिवगोपाल सिंह,  
संयुक्त सचिव।

## सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

अनुभाग-1

सेवानिवृत्त

27 जनवरी, 2022 ई0

सं0 1950 (1)/सत्ताईस-1-2021-305/98—उत्तर प्रदेश (सिंचाई विभाग) सिविल संवर्ग समूह 'क' के निम्नलिखित अभियन्ता वर्ष, 2022 में उनके नाम के सम्मुख कालम-5 में अंकित तिथि को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो जायेंगे :

क्र0सं0	नाम	पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति तिथि
1	2	3	4	5
	सर्वश्री—			
1	राकेश कुमार गुप्ता	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	18-01-1962	31-01-2022
2	सेवा राम	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	23-03-1962	31-03-2022
3	मुरली प्रसाद	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	26-03-1962	31-03-2022
4	विनोद कुमार	प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष	01-04-1962	31-03-2022
5	राजेश चन्द्रा	अधिशाली अभियन्ता	01-06-1962	31-05-2022
6	दिव्य कृष्ण मिश्रा	मुख्य अभियन्ता स्तर-1	15-06-1962	30-06-2022
7	प्रवीण कुमार	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	25-06-1962	30-06-2022
8	अशोक कुमार सिंह	प्रमुख अभियन्ता (परिकल्प एवं नियोजन)	02-07-1962	31-07-2022
9	बलवीर सिंह	अधिशाली अभियन्ता	10-07-1962	31-07-2022
10	डा0 महेन्द्र कुमार निगम	मुख्य अभियन्ता स्तर-1	17-09-1962	30-09-2022
11	अखिलेश कुमार	अधिशाली अभियन्ता	20-09-1962	30-09-2022
12	गिरीश चन्द्र अग्रवाल	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	24-09-1962	30-09-2022
13	बाल किशुन राम	मुख्य अभियन्ता स्तर-2	01-12-1962	30-11-2022
14	अजीत कुमार	अधिशाली अभियन्ता	01-01-1963	31-12-2022
15	मुश्ताक अहमद	प्रमुख अभियन्ता (परियोजना)	01-01-1963	31-12-2022

आज्ञा से,  
टी0 वेंकटेश,  
अपर मुख्य सचिव।

## सेवानिवृत्ति

## अनुभाग-13

28 जनवरी, 2022 ई0

सं0 50 (1)/सत्ताईस-13-2022-41से0नि0/91-स्टाफ अधिकारी (ई-2) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या 100/ई-2/3बी040आर0/सेवानिवृत्तिक, दिनांक 13 जनवरी, 2022 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार एतद्वारा यह विज्ञापित किया जाता है कि उ0 प्र0 अभियन्ता सेवा (सिंचाई विभाग) के निम्नलिखित सहायक अभियन्ता (सिविल) कैलेण्डर वर्ष, 2022 में उनके नाम के सम्मुख कालम संख्या 4 में अंकित तिथि को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो जायेंगे :

क्र0सं0	सहायक अभियन्ता (सिविल) का नाम	जन्म तिथि	सेवानिवृत्ति तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री-			
1	सभाजीत सिंह	08-01-1962	31-01-2022
2	अवधेश नारायण	05-02-1962	28-02-2022
3	नफीस अहमद	01-03-1962	28-02-2022
4	छोटे लाल	07-07-1962	31-07-2022
5	रुद्र प्रताप सिंह	02-09-1962	30-09-2022
6	मोहम्मद जावेद	04-09-1962	30-09-2022

आज्ञा से,  
फूल चन्द्र,  
संयुक्त सचिव।

## प्रोन्नति

## अनुभाग-13

31 जनवरी, 2022 ई0

सं0 45 (1)/सत्ताईस-13-2022-7/2020-उ0 प्र0 सिंचाई विभाग के अन्तर्गत अवर अभियन्ता (सिविल) से सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर पदोन्नति हेतु लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा चयनोपरान्त पत्र संख्या 23(iii)/02/पी0/एस-7/2020-21, दिनांक 10 दिसम्बर, 2021 द्वारा उपलब्ध करायी गयी संस्तुतियों पर सम्यक् विचारोपरान्त चयन समिति द्वारा की गयी संस्तुति के क्रम में चयन वर्ष 2018-19 (अनुपूरक चयन) एवं चयन वर्ष 2019-20 की रिक्तियों के सापेक्ष निम्नलिखित अवर अभियन्ताओं को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखते हुये सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतनमान रु0 15,600-39,100 (ग्रेड वेतन रु0 5,400) में नियमित रूप से प्रोन्नत किये जाने की राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं :

## चयन वर्ष 2018-19

क्र0सं0	जयेष्ठता क्रमांक	कार्मिकों का नाम
1	2	3
सर्वश्री-		
1	6029	अशोक कुमार
2	6030	सुशील कुमार भारती
3	6031	नरेन्द्र कुमार अरुण

## चयन वर्ष 2019-20

क्र०सं०	ज्येष्ठता क्रमांक	कार्मिकों का नाम
1	2	3
		सर्वश्री—
1	5804	हरिपाल सिंह
2	5913	राजनाथ राम
3	6032	सीता राम
4	6033	राम सूरत
5	6034	दिवाकर प्रसाद गौतम
6	6035	हरिकेश
7	6037	रामवृक्ष राम
8	6038	राकेश कुमार
9	6039	राजेश कुमार
10	6041	केशकर नाथ श्रीवास्तव
11	6042	आदर्श कुमार श्रीवास्तव
12	6046	मुनेश कुमार
13	6047	त्रिलोचन नाथ तिवारी
14	6048	ब्रह्म कुमार द्विवेदी
15	6049	रवीन्द्र कुमार
16	6052	मनोज त्रिपाठी
17	6054	अनुराग भटनागर
18	6055	सुधाकर तिवारी
19	6056	राज नारायण तिवारी
20	6057	संजीव कुमार भारद्वाज
21	6059	अजय कुमार श्रीवास्तव
22	6061	बृजेश कुमार त्रिपाठी
23	6066	रमेश चन्द्र

1	2	3
		सर्वश्री—
24	6067	सत्येन्द्र कुमार सिंह
25	6068	विजय कुमार श्रीवास्तव
26	6070	करुणाकर
27	6071	तौकीर अहमद
28	6074	विपिन कुमार गुप्ता
29	6075	श्याम नारायण त्रिगुण
30	6077	रावेन्द्र कुमार
31	6078	पवन कुमार वार्ष्णेय
32	6079	करुणानिधि तिवारी
33	6080	विजय प्रताप सिंह चौहान
34	6081	इकबाल अहमद
35	6082	ऋषि कुमार त्यागी
36	6083	आजम खां
37	6087	विमल मिश्रा
38	6088	दीन बन्धु गुप्ता
39	6089	अजय प्रताप सिंह
40	6090	निमिष कुमार गुप्ता

2—उपर्युक्त सहायक अभियन्ता (सिविल) की तैनाती के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे। इन सहायक अभियन्ताओं की ज्येष्ठता उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (ज्येष्ठता नियमावली) 1991 यथासंशोधित के प्राविधानों के अनुसार बाद में निर्धारित की जायेगी।

3—यह पदोन्नतियां मा0 उच्चतम न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या 27629—27630/2010 (परिवर्तित सिविल अपील सं0 3718—3719/2012) रामायण पाण्डेय व अन्य बनाम उ0प्र0, सरकार व अन्य, विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या 17717—17719/2012 सी0सी0—9950/2012 (परिवर्तित सिविल अपील सं0 4788—4790/2012) श्री संजय शर्मा व अन्य बनाम उ0प्र0 सरकार व अन्य, विशेष अनुज्ञा याचिका सं0 25075/2012 (परिवर्तित सिविल अपील सं0 सी0सी0 13134/2012) विनोद कुमार शुक्ला बनाम उ0प्र0 सरकार व अन्य, रिट याचिका संख्या 5389/2016 हर्ष टण्डन बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 33844/2016 विवेक पाण्डेय बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, विशेष अपील संख्या 270/2018 विमल कुमार फेरवानी बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, विशेष अपील संख्या

301/2018 आदर्श कुमार श्रीवास्तव व अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य तथा शासन/विभाग स्तर पर लम्बित अन्य याचिकाओं/वादों में पारित होने वाले अंतिम निर्णय तथा शासन/विभाग स्तर पर विचाराधीन प्रत्यावेदनों में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगी।

औपबन्धिक/नियुक्ति

04 फरवरी, 2022 ई0

सं0 108 (1)/सत्ताईस-13-2022-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के रिक्ति पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री अंकित पुत्र श्री अनिल कुमार का विवरण निम्नवत् है :

क्र0 सं0	नाम/पिता का नाम	जन्मतिथि	अनुक्रमांक	गृह जनपद	स्थायी पता	पत्र व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
161	अंकित/अनिल कुमार	15.03.1994	79328	वाराणसी	अनिल कुमार गोण्ड, कैथी, वाराणसी, उ0प्र0-221116	अनिल कुमार गोण्ड, कैथी, वाराणसी, उ0प्र0-221116	

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु0 15,600-39,100 (ग्रेड वेतन रु0 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में 02 वर्ष की परिवीक्षा पर औपबन्धिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपबन्धिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है तो अभ्यर्थी द्वारा अपने स्वःसत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गई है तो औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपबन्धिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय/आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा-भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृति महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमन्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपबन्धिक रूप से चयनित जिन

अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशर्त संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N. O. C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश सं0 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्व:घोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे :

- (1) केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।
- (2) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।
- (3) राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पास पोर्ट साइज की 02 फोटो।
- (4) अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्व:घोषणा-पत्र।

सं0 109 (1)/सत्ताईस-13-2022-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के रिक्ति पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री आशीष कुमार पुत्र श्री कैलाश प्रसाद का विवरण निम्नवत् है :

क्र0 सं0	नाम/पिता का नाम	जन्मतिथि	अनुक्रमांक	गृह जनपद	स्थायी पता	पत्र-व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
168	आशीष कुमार पुत्र श्री कैलाश प्रसाद	22.06.1991	97509	वाराणसी	कैलाश प्रसाद, 1315, सरैया नं0-2, सारनाथ, वाराणसी, उ0प्र0-221007	कैलाश प्रसाद, 1315, सरैया नं0-2, सारनाथ, वाराणसी, उ0प्र0-221007	

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु0 15,600-39,100 (ग्रेड वेतन रु0 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में 02 वर्ष की परीक्षा पर औपबंधिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है :

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपबंधिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है तो अभ्यर्थी द्वारा अपने स्व:सत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गई है तो औपबंधिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपबंधिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय/आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।



(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा-भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृति महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमन्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपबंधिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशर्त संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N. O. C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश सं0 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्व:घोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे :

- (1) केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।
- (2) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।
- (3) राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पास पोर्ट साइज की 02 फोटो।
- (4) अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्व:घोषणा-पत्र।

सं0 110 (1)/सत्ताईस-13-2022-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के रिक्ति पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री प्रभात कुमार पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह का विवरण निम्नवत् है :

क्र0 सं0	नाम/पिता का नाम	जन्मतिथि	अनुक्रमांक	गृह जनपद	स्थायी पता	पत्र-व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
79	प्रभात कुमार पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह	01.04.1992	50997	कानपुर देहात	इन्द्रपाल करौसा, पो0 करौसा, तहसील-अकबरपुर, कानपुर देहात, उ0प्र0-209101	इन्द्रपाल करौसा, करौसा, तहसील-अकबरपुर, कानपुर देहात, उ0प्र0-209101	सिंह, पो0

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु0 15,600-39,100 (ग्रेड वेतन रु0 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में 02 वर्ष की परिवीक्षा पर औपबंधिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है :

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपबंधिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है तो अभ्यर्थी द्वारा अपने स्वःसत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गई है तो औपबंधिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपबंधिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय/आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा-भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृति महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमन्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपबंधिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशर्त संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N. O. C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश सं0 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वःघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे :

(1) केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

(2) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।

(3) राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पास पोर्ट साइज की 02 फोटो।

(4) अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वःघोषणा-पत्र।

सं0 111 (1)/सत्ताईस-13-2022-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के रिक्ति पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री दिव्यांशु गुप्ता पुत्र श्री दिनेश चन्द्र गुप्ता का विवरण निम्नवत् है :

क्र0 सं0	नाम/पिता का नाम	जन्मतिथि	अनुक्रमांक	गृह जनपद	स्थायी पता	पत्र-व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
50	दिव्यांशु गुप्ता पुत्र श्री दिनेश चन्द्र गुप्ता	04.06.1996	122511	प्रतापगढ़	सराय डेरवा, उ0प्र0-230128	इन्द्रावत, प्रतापगढ़, डेरवा, उ0प्र0-230128	इन्द्रावत, प्रतापगढ़, डेरवा, उ0प्र0-230128

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु0 15,600-39,100 (ग्रेड वेतन रु0 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में 02 वर्ष की परिवीक्षा पर औपबंधिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है :

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपबंधिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है तो अभ्यर्थी द्वारा अपने स्वःसत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गई है तो औपबंधिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपबंधिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण बतायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय/आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा-भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृति महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमन्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपबंधिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशर्त संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N. O. C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश सं0 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वःघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा

प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे :

- (1) केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।
- (2) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।
- (3) राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पास पोर्ट साइज की 02 फोटो।
- (4) अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्व:घोषणा-पत्र।

आज्ञा से,  
फूल चन्द्र,  
संयुक्त सचिव।

### कार्यालय ज्ञाप

29 अप्रैल, 2022 ई0

सं0 317 (1)/सत्ताईस-13-2022-136नियु0/21—लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर चयनित सुश्री पूर्वी गर्ग, सहायक अभियन्ता (सिविल) की औपबंधिक नियुक्ति शासन के आदेश संख्या 1620/सत्ताईस-13-2021-49/21, दिनांक 03 नवम्बर, 2021 द्वारा की गयी थी, जिसके क्रम में सुश्री पूर्वी गर्ग, वर्तमान में मुख्य अभियन्ता (परिकल्प) के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। सुश्री पूर्वी गर्ग द्वारा अपने प्रार्थना-पत्र दिनांक 05 मार्च, 2022 के माध्यम से उनका चयन NHAI में Deputy Manager (Tech.) के पद पर हो जाने के उपरान्त अपना त्याग-पत्र स्वीकृत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2—इस संबंध में सम्यक् विचारोपरान्त कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र सं0 555/ई-2/सहा0अभि0, दिनांक 28 मार्च, 2022 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के अनुसार उ0प्र0 सरकारी सेवा त्याग-पत्र नियमावली, 2000 के अन्तर्गत सुश्री पूर्वी गर्ग द्वारा नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इण्डिया (NHAI) में Deputy Manager (Tech.) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु प्रस्तुत त्याग-पत्र को स्वीकृत करते हुये श्री राज्यपाल द्वारा सुश्री पूर्वी गर्ग, सहायक अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को कार्यमुक्त कर नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इण्डिया (NHAI) में कार्यभार ग्रहण करने की एतद्द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है।

आज्ञा से,  
मुश्ताक अहमद,  
विशेष सचिव।

### अनुभाग-1

तैनाती

25 जुलाई, 2022 ई0

सं0 1169 (1)/सत्ताईस-1-2022-21/2021—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 सिविल संवर्ग के श्री मुश्ताक अहमद, प्रमुख अभियन्ता (परियोजना) को प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ के पद पर पदस्थापित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

2—उक्त तैनाती का आदेश दिनांक 01 अगस्त, 2022 से प्रभावी होगा।

आज्ञा से,  
अनिल गर्ग,  
प्रमुख सचिव।

पी0एस0यू0पी0—39 हिन्दी गजट—भाग 1—2022 ई0।

मुद्रक एवं प्रकाशक—निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उ0प्र0, प्रयागराज।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 24 दिसम्बर, 2022 ई० (पौष 3, 1944 शक संवत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय,  
विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

### UTTAR PRADESH SHASAN

#### Nyaya Anubhag-2

#### [Adhinastha Nyayalya]

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification no. 52/2021/1249/VII-Nyaya-2/2021-83G/2019 T.C.-II., dated December 30, 2021.

### NOTIFICATION

December 30, 2021

**No. 52/2021/1249/VII-Nyaya-2/2021-83G/2019 T.C.-II--**In the exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 7 of the Uttar Pradesh Protection of Interest of Depositors in Financial Establishment Act, 2016 (U. P. Act no. 16 of 2016) the Governor with the concurrence of the Chief Justice of the Allahabad High Court, hereby nominate the District and Sessions Judge of the districts mentioned in the column no. 2 of the Schedule given below for the purpose of exercising Jurisdiction and powers conferred on them under the said Act for the local limits of the area as specified in Column 3 of the said Schedule.

### SCHEDULE

Sl. No.	Nominated Districts	Jurisdiction of Nominated Districts Courts
1	2	3
1	Gautambuddha Nagar	1. Saharanpur 2. Muzaffarnagar 3. Shamli 4. Meerut

1	2	3
	Gautambuddha Nagar	5. Bulandshahar 6. Baghpat 7. Hapur 8. Gautambuddha Nagar 9. Ghaziabad 10. Moradabad 11. Sambhal at Chaundausi 12. Rampur 13. Amroha 14. Bijnor 15. Bareilly 16. Budaun 17. Pilibhit 18. Shahjahanpur 19. Aligarh 20. Etah 21. Hathras 22. Kasganj 23. Agra 24. Mathura 25. Mainpuri 26. Firozabad 27. Jalaun at Orai 28. Lalitpur 29. Jhansi
2	Allahabad	1. Fatehpur 2. Pratapgarh 3. Allahabad 4. Kaushambi 5. Varanasi 6. Gazipur 7. Jaunpur 8. Chandauli 9. Bhadohi (Sant Ravidas Nagar) at Gyanpur 10. Mirzapur 11. Sonbhadra 12. Hamirpur 13. Mahoba 14. Banda 15. Chitrakoot 16. Farrukhabad 17. Etawah 18. Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) 19. Kanpur Nagar 20. Kannauj 21. Auraiya

1	2	3
3	Lucknow	1. Lucknow 2. Raebareli 3. Lakhimpur Kheri 4. Sitapur 5. Hardoi 6. Unnao 7. Bahraich 8. Gonda 9. Shravasti 10. Balrampur 11. Siddharth Nagar 12. Basti 13. Sant Kabir Nagar 14. Maharajganj 15. Gorakhpur 16. Deoria 17. Kushi Nagar at Padrauna 18. Mau 19. Azamgarh 20. Ballia 21. Barabanki 22. Faizabad 23. Ambedkar Nagar at Akabarpur 24. Sultanpur 25. Amethi.

By order,  
**PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,**  
*Principal Secretary.*

## HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

### [ADMINISTRATIVE (A-3) SECTION]

#### NOTIFICATION

*November 16, 2022*

**No. 850/Main-B/Admin (A-3) Allahabad**--In the exercise of the powers conferred under section 5(2) of the U. P. Dacoity Affected Areas Act, 1983, the High Court is pleased to appoint the Officers of the rank of Additional District & Sessions Judge (mentioned in column no. 4), as Special Judge to preside over the concerned Special Court constituted under Section 5(1) of the said Act *vide* respective State

Government's Notifications as mentioned in column no. 3, for disposal of the cases relating to Dacoity Affected Areas Act, 1983, in the concerned districts mentioned in Column no. 2 :

Sl. No.	Name of Districts where DAA Courts have been constituted	Government notification dated	Name of the Officer & Designation
1	2	3	4
			<i>Sri/Mr.-</i>
1	Agra	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Mahendra Kumar-I, Additional District & Sessions Judge. Ranveer Singh, Additional District & Sessions Judge. Neeraj Kumar Bakshi, Additional District & Sessions Judge.
2	Banda	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Gunandra Prakash, Additional District & Sessions Judge.
3	Budaun	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Deepak Yadav, Additional District & Sessions Judge. Yogesh Kumar-III, Additional District & Sessions Judge.
4	Etah	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Ram Baboo Yadav, Additional District & Sessions Judge.
5	Etawah	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Neeraj Kumar Garg, Additional District & Sessions Judge.
6	Farrukhabad	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Rakesh Kumar Singh-I, Additional District & Sessions Judge.
7	Jhansi	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Vijay Kumar Verma-I, Additional District & Sessions Judge.
8	Kanpur Dehat	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Nijender Kumar Additional District & Sessions Judge.
9	Mainpuri	7098/VII-A. N.-221/81 dated 02-01-1985	Km. Anita-I, Additional District & Sessions Judge.
10	Auraiya	88/VII-Nyaya-2-2005-221/81 dated 14-01-2005	Sunil Kumar Singh-III, Additional District & Sessions Judge.
11	Jalaun at Orai	2923/VII-Nyaya-2-2000-221/81 dated 15-02-2000	Mohammad Azad, Additional District & Sessions Judge.
12	Chitrakoot	90/VII-Nyaya-2-2010-221/81 dated 14-01-2005 and 409/VII-Nyaya-2-10-221/81 dated 16-05-2010	Vineet Narain Pandey, Additional District & Sessions Judge.
13	Mahoba	2470/VII-Nyaya-2-2005-221/81 dated 29-09-2005	Rakesh Kumar Gautam, Additional District & Sessions Judge.

By order of the Court,  
**ASHISH GARG,**  
Registrar General.



**HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD****[Confidential 'A' Section]****NOTIFICATION***September 29, 2022*

No. C-728 (i) /Cf.(A)/2022 Allahabad--In exercise of the powers conferred by Rule 27 of the Uttar Pradesh Higher Judicial Service Rules, 1975 (as amended up to date) and all other powers enabling in this behalf, the High Court is pleased to grant Selection Grade pay Scale of Rs. 57,700-1230-58,930-1380-67,210-1640-70,290 to the following District & Sessions Judges/Additional District & Sessions Judges with effect from the date mentioned against their name in column No. 4, subject to any writ petition/litigation pending in the Hon'ble Apex Court/ Hon'ble High Court in this regard and also subject to final determination of seniority of the Officers, in case not finalized :

Sl. No.	Seniority No. (Final/Tentative)	Name of the Officer	Date of Vacancy	Vacancy Caused by
1	2	3	4	5
		<i>S./Sri-</i>		
1	1249	Prakash Nath Srivastava 31-03-1965	01-04-2018	Consequent to retirement of Mohd. Ali on 31-03-2018.
2	1452	Sanjeev Kumar Sinha 02-08-1970	Notionally* from 02-07-2020 to 06-07-2020 Actually from 07-07-2020	Against vacancy dated 29-04-2019 in terms of Rule 27 of "The Uttar Pradesh Higher Judicial Service Rules, 1975.
3	1618	Ajai Kumar Dixit 06-08-1967	01-08-2020	Due to retirement of Sri Nalin Kant Tyagi on 31-07-2020.
4	1619	Dinesh Singh 29-08-1969	01-08-2020	Due to retirement of Sri Kamlesh Dubey on 31-07-2020.
5	1620	Sabhajeet Yadav 10-01-1962 (Retired on 31-01-2022)	01-08-2020	Due to retirement of Mohd. Ibrahim on 31-07-2020.
6	1623	Taiyyab Ahmad 09-03-1964 (Died on 13-05-2021)	01-09-2020	Due to appointment of Sri Vinod Singh Rawat in Super Time Pay Scale on 01-09-2020.

1	2	3	4	5
		<i>S./Sri-</i>		
7	1625	Yadavendra Singh 20-07-1970	01-09-2020	Due to appointment of Syed Maoz Bin Asim in Super Time Pay Scale on 01-09-2020.
8	1626	Ram Pratap Singh 25-06-1965	01-09-2020	In terms of Rule 27 of "The Uttar Pradesh Higher Judicial Service Rules, 1975.
9	1641	Smt. Sangita Sharma 28-08-1972	01-02-2021	Due to appointment of Sri Manoj Kumar-III in Super Time Pay Scale on 01-02-2021.

**NOTE :** \*The Officers shall not be entitled to any arrears for the period for which they have been notionally granted Selection Grade Pay Scale.

By order of the Court,  
**ASHISH GARG,**  
*Registrar General.*

## HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

### [Amendment (Admin. 'G-I') SECTION]

#### NOTIFICATION

*November 09, 2022*

#### Correction Slip No. 272-

**No. 787/VIIIc, Allahabad**—In exercise of the powers conferred by Article 225 of the Constitution of India and all other powers enabling it in this behalf, the High Court of Judicature at Allahabad is pleased to make the following amendment in the Allahabad High Court Rules, 1952 Volume I, which shall come into force from the date of publication in the official Gazette.

#### **The Allahabad High Court (Amendment) Rules, 2022**

**1. Short title and commencement.**—(1) These Rules may be called the Allahabad High Court (Amendment) Rules, 2022.

(2) Rules 3, 4, 5, 6, 9 and 10 of these Rules shall be deemed to have come into force with effect from June 26, 2021.

(3) Rules 7 and 8 of these Rules shall come into force from the date of publication in the official Gazette.

**2. Definition.**—In these Rules, unless the context otherwise requires, "Rules" mean the Allahabad High Court Rules, 1952.

**3. Amendment of Rule 6 of Chapter IX.**— Rule 6 of Chapter IX of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

**6. Paper to be used.**—Every memorandum of appeal or objection or application shall be fairly and legibly written or type-written, lithographed or printed on one side of A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M ;

Provided that the Court may, when considered necessary, permit any other paper or both sides of the paper to be used for the purpose.

*Amendment*

**6. Water-marked paper to be used.**—Every memorandum of appeal or objection or application shall be fairly and legibly written or type-written, lithographed or printed with quarter margin on one side only of Government water-marked paper ;

Provided that the Court may, when considered necessary, permit any other paper of full scape or both sides of the paper to be used for the purpose.

**4. Amendment of Rule 11 of Chapter IX.**— Sub- Rule (4) of Rule 11 of Chapter IX of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

**11. (4)** The copies shall be fairly and legibly written or type written, lithographed or printed on one side of A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M ;

Provided that the Court may, when considered necessary, permit any other paper or both sides of the paper to be used for the purpose.

*Amendment*

**11. (4)** The copies shall be fairly and legibly written or type written, lithographed or printed with quarter margin on one side of durable paper ;

Provided that the Court may, when considered necessary, permit any other paper of full scape or both sides of the paper to be used for the purpose.

**5. Amendment of Rule 2 of Chapter XIII.**— Rule 2 of Chapter XIII of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

2. The paper-book in a First Appeal shall, unless otherwise directed by the Chief Justice, be either type-written or cyclostyled on one side of A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M. with one and a half spacing and consist of a fly-leaf, an index and copies, transliterations or translations of the following papers, namely-

- (a) Complaint ;
- (b) Written statement ;
- (c) Further pleadings, if any ;

(d) Statements of parties or their pleaders recorded under Rules 1 and 2 of Order X of the Code ;

*Amendment*

2. The paper-book in a First Appeal shall, unless otherwise directed by the Chief Justice, be either type-written or cyclostyled on one side of stout full scape paper with double spacing and consist of a fly-leaf, an index and copies, transliterations or translations of the following papers, namely-

- (a) Complaint ;
- (b) Written statement ;
- (c) Further pleadings, if any ;

(d) Statements of parties or their pleaders recorded under Rules 1 and 2 of Order X of the Code ;

*Existing Provision*

- (e) Judgment under appeal ;  
 (f) Decree under appeal ;  
 (g) Memorandum of appeal ;  
 (h) Such evidence, oral or documentary or other papers as the appellant may wish to refer to ;  
 (i) Memorandum of cross-objection, if any; and  
 (j) Such other evidence, oral or documentary or other papers as the respondent may wish to refer to ;

Provided that papers in Hindi written in Devanagri script shall not be translated ;

Provided further that documents in Urdu shall be transliterated in Devanagri script.

*Amendment*

- (e) Judgment under appeal ;  
 (f) Decree under appeal ;  
 (g) Memorandum of appeal ;  
 (h) Such evidence, oral or documentary or other papers as the appellant may wish to refer to;  
 (i) Memorandum of cross-objection, if and ; and  
 (j) Such other evidence, oral or documentary or other papers as the respondent may wish to refer to ;

Provided that papers in Hindi written in Devanagri script shall not be translated ;

Provided further that documents in Urdu shall be transliterated in Devanagri script.

**6. Amendment of Rule 8 of Chapter XV-A.**— Rule 8 of Chapter XV-A of the Rules shall be substituted as follows :

*Existing Provision*

**8. Full description of parties etc.**—All pleadings and applications shall be drawn up in the manner provided in Rules 1, 4, 5 and 6 of Chapter XI with such modifications and adaptations as circumstances may require.

Copies of election petition, applications and other documents filed in Court shall be on A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M. and written, typewritten, lithographed or printed on one side of the paper only.

*Amendment*

**8. Full description of parties etc.**—All pleadings and applications shall be drawn up in the manner provided in Rules 1, 4, 5 and 6 of Chapter XI with such modifications and adaptations as circumstances may require.

Copies of election petition, applications and other documents filed in Court shall be on durable full scape paper and written, typewritten, lithographed or printed on one side of the paper only.

**7. Amendment of marginal heading of Rule 18 of Chapter XVIII.**—The marginal heading of Rule 18 of Chapter XVIII of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

18. Application for bail.

*Amendment*

18. Application for bail other than anticipatory bail.

**8. Insertion of Rule 18 A in Chapter XVIII.**— Rule 18 A shall be inserted in Chapter XVIII of the Rules as follows :

18 A. Application for bail under section 438 of the Code of Criminal Procedure, 1973.— (1) The application must bear Court fee of Rs. 5/- as prescribed for application.

(2) The application must be supported by an affidavit of the person apprehending arrest.

(3) The second paragraph of the affidavit filed in support of the application must contain the reason for the deponent to believe that he is apprehending arrest on accusation of a non bailable offence with particulars *i.e.* Case Crime Number, Police Station and Section (s) under which he apprehends his arrest, if the same is known to the deponent.

(4) The third paragraph of the affidavit filed in support of the application must contain an averment that the apprehended arrest is not with reference to accusation relating to offences specified in sub-section (6) of the section 438 Cr. P.C.

(5) The fourth paragraph of the affidavit filed in support of the application must contain an averment that the deponent has not filed any previous application under section 438 Cr. P.C. before this Hon'ble Court either at Allahabad or Lucknow or before any other High Court in India, pertaining to the same subject matter.

(6) The fifth paragraph of the affidavit filed in support of the application must contain information as to whether any application under section 438 Cr. P.C. has been moved before the Court of Sessions having Jurisdiction. In case any such application has been moved, the status/result of that application must be disclosed and substantiated with relevant documents.

(7) The Stamp Reporter must feed the Case Crime Number and the name of the Police Station and District including Sections of apprehended accusation if the same is mentioned in the Anticipatory Bail Application.

(8) While presenting an application under section 438 of the Code of Criminal Procedure, 1973 before the High Court, the requirement of filing affidavit as per sub-rule 2 shall be subject to the provisions applicable for filing bail applications under Rule 18. The said Rule shall, as far as practicable, be applicable for the applications under Section 438 Code of Criminal Procedure, 1973.

**9. Amendment of Rule 3 of Chapter XXVII.**— Sub-Rule (9) of Rule 3 of Chapter XXVII of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

3. (9) The memorandum of appeal/documents accompanied shall be filed in duplicate and should be typed out or printed on one side of A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M., with index and date and event chart.

*Amendment*

3. (9) The memorandum of appeal/documents accompanied shall be filed in duplicate and should be typed out or printed on stout and full scape paper with index and date and event chart.

**10. Amendment of Rule 16 of Chapter XL.**— Rule 16 of Chapter XL of the Rules shall be amended as follows :

*Existing Provision*

**16. Application to be accompanied by copy folios and stamp labels.**—Except in a case, where no copying fee is chargeable under these rules, every application for copy shall be accompanied by copy folios bearing extra adhesive copy stamp labels of the requisite value, unless the copy required be of a book, register, map or plan or an extract therefrom. If the whole of the copy cannot be written upon the copy folios accompanying the application it shall be completed upon A4 size paper (29.7 cm. x 21 cm.) having not less than 75 G.S.M. ;

Provided that where the copy required is a copy of a decree of the Court the application shall be accompanied only by adhesive copy stamp labels of the requisite value and the copy shall be made on the printed form prescribed for the preparation of decrees, the copy stamp labels being affixed thereon.

*Amendment*

**16. Application to be accompanied by copy folios and stamp labels.**—Except in a case, where no copying fee is chargeable under these rules, every application for copy shall be accompanied by copy folios bearing extra adhesive copy stamp labels of the requisite value, unless the copy required be of a book, register, map or plan or an extract therefrom. If the whole of the copy cannot be written upon the copy folios accompanying the application it shall be completed upon ordinary full scape paper ;

Provided that where the copy required is a copy of a decree of the Court the application shall be accompanied only by adhesive copy stamp labels of the requisite value and the copy shall be made on the printed form prescribed for the preparation of decrees, the copy stamp labels being affixed thereon.

By order of the Court,  
ASHISH GARG,  
Registrar General.

**HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD**

AMENDMENT (Admin. 'G-I') SECTION

**CORRIGENDUM***November 30, 2022*

**No. 15372/2022/Admin.G-I/Allahabad**--In the Court's Notification No. 722/VIIIc, dated October 18, 2022 correction slip no. 271 "in Rule 11 of the Allahabad High Court (Amendment) Rules, 2022 in both the existing and amended Rule 11 of the Allahabad High Court Rules, 1952 the word "Rule" be read as the word and figure "Rule 1".

By order of the Court,  
ASHISH GARG,  
*Registrar General.*

**HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD**

[ESTABLISHMENT SECTION]

**NOTIFICATION***December 21, 2022*

**No. 66**--In exercise of the powers conferred by clause (2) of Article 229 of the Constitution of India, Hon'ble the Chief Justice has been pleased to make the following amendments in "The Allahabad High Court Private Secretaries (Conditions of Service) Rules, 2001" :

**The Allahabad High Court Private Secretaries (Conditions of Service) (Amendment) Rules, 2022**

**1. Short title and Commencement.**—(1) These rules may be called "The Allahabad High Court Private Secretaries (Conditions of Service) (Amendment) Rules, 2022".

(2) These Rules shall come into force with immediate effect.

**2. Definition.**—In these rules, unless the context otherwise requires, 'Rules' mean "The Allahabad High Court Private Secretaries (Conditions of Service) Rules, 2001".

**3. Substitution of clause (iii) of Rule 6.**-- Clause (iii) of Rule 6 of the Rules shall be substituted as under :

*Existing Provision*

**6. (iii) Chief Private Secretary.**—From amongst the Principal Private Secretary (Administration) and Registrar-cum-Principal Private Secretary :

*Amended Provision*

**6. (iii) Chief Private Secretary.**—From amongst the Principal Private Secretary (Administration) and Registrar-cum-Principal Private Secretary, Joint Registrar-cum-Private Secretary Grade-IV, Joint Principal Private Secretary and the Deputy Registrar-cum- Private Secretary, in the pay scale of Joint Registrar-cum-Private Secretary Grade-IV, as selected by Hon'ble Chief Justice :

By order of  
Hon'ble the Chief Justice,  
ASHISH GARG,  
*Registrar General.*



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 24 दिसम्बर, 2022 ई० (पौष 3, 1944 शक संवत्)

### भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

### कार्यालय नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर

29 अक्टूबर, 2022 ई०

सं० 92/न०प०गौरा०/यू०चा० नियमावली/अधि०/2022-23-उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर अपने बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखों पर कर लगाने हेतु धारा 128 के तहत जो नियमावली बनायी गयी है। उसका प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 131 की आपेक्षानुसार सम्बन्ध में व्यक्तियों की सूचना के लिए और उनके सम्बन्ध में आपत्तियाँ एवं सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित नियमों के सम्बन्ध में समस्त आपत्तियाँ एवं सुझाव अध्यक्ष नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर को सम्बोधित करते हुए और लिखित रूप से प्रेषित किये जाने चाहिए केवल उन्ही आपत्तियों पर विचार किया जायेगा जो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की भीतर तक प्राप्त होंगी। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। उपविधि गजट प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी।

### नियमावली

#### 1-संक्षिप्त शीर्ष नाम प्रारम्भ प्रवृत्ति—

- (1) यह नियमावली नगर पंचायत गौराबादशाहपुर (जौनपुर) के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तांतरण के विलेखों पर कर नियमावली कहलायेगी।
- (2) यह उस दिनांक से प्रवृत्त होगी जब से नगर के भीतर की अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखों पर कर लगाया जाये।
- (3) यह नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर में स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के समस्त विलेखों पर प्रवृत्त होगी।

#### 2-परिभाषाएं—विषय प्रसंग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस नियमावली में :-

- (क) अधिनियम का तात्पर्य नगर पंचायत अधिनियम 1916 (यू०पी० ऐक्ट संख्या-2 सन् 1916) से है।
- (ख) नगर का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर (जौनपुर) से है।
- (ग) शुल्क का तात्पर्य इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट, 1899 (ऐक्ट संख्या 2,1899) के अधीन अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी विलेख पर लगाये गये शुल्क से है।

(घ) इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट का तात्पर्य उत्तर प्रदेश में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में यथा संशोधित इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट, 1899 (ऐक्ट संख्या 2, 1899) से है।

(ङ) नगर पंचायत का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर से है।

(च) अधिशासी अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर के अधिशासी अधिकारी से है।

(छ) कर का तात्पर्य अधिनियम की धारा 128 की उपधारा (1) के खण्ड (XIV-ख) के अधीन लगाये गये कर से है।

3—नगर पंचायत के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी विलेख पर इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट, द्वारा लगाया गया शुल्क हस्तांतरित सम्पत्ति के मूल्य पर अथवा भाग बन्धक की दशा में दस्तावेज द्वारा प्रतिभूत धनराशि पर दो प्रतिशत (2%) की दर से बढ़ाकर किया जायेगा।

4—**कर लगाहने की प्रक्रिया**—उक्त वृद्धि के फलस्वरूप उगाही गयी समस्त धनराशि प्रासंगिक व्ययों को, यदि कोई हो, काट लेने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा नगर पंचायत को निम्नलिखित रीति से अदा की जायेगी।

(1) अब कभी नगर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण का कोई दस्तावेज निबन्धन के लिए प्रस्तुत किया जाये तो निबन्धन अधिकारी यह सुनिश्चित कर लेगा कि इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट की धारा 27 में निर्दिष्ट ब्यौरे—

निम्नलिखित के सम्बन्ध में पृथक्-पृथक् दिये गये हैं :-

(क) नगर के भीतर स्थित सम्पत्ति, और

(ख) नगर के बाहर स्थित सम्पत्ति।

(2) यदि ऐसे ब्यौरे दस्तावेज में पृथक्-पृथक् व दिये गये हो तो निबन्धन अधिकारी उसे कलेक्टर को अधिनियम की धारा 128-क की उपधारा (4) धारा नगर पालिकाओं पर यथा प्रवृत्त इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट की धारा 64 के अधीन आवश्यक कार्यवाही के लिये भेजेगा।

5—**कर के लेखे रखना**—निबन्धक अधिकारी गौराबादशाहपुर जौनपुर प्रत्येक दस्तावेज के सम्बन्ध पृथक्-पृथक् लेखे रखेगा, जिसमें शुल्क व कर दिखायेगा।

6—**निबन्धक अधिकारी**—जो दीवानी न्यायालय द्वारा दिये गये विक्रय के प्रमाण-पत्रों को प्रतिलिपियाँ प्राप्त करें और इण्डियन रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1908 (ऐक्ट संख्या 16, 1998) 89 के अधीन उन्हें अपनी पुस्तक संख्या 1 में नत्थी करें तथा राजस्व अधिकारीगण शुल्क और कर का उसी प्रकार लेखा रखेगा।

7—निबन्धक अधिकारी जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में पृथक्-पृथक् तिमाही विवरण-पत्र तैयार करेगा। जिसमें वह शुल्क और कर के रूप में वसूली की गई धनराशि और उसे जिला निबन्धक को उक्त प्रत्येक महीने के पाँचवे दिनांक तक प्रस्तुत करेगा।

(1) निबन्धक, महानिरीक्षक, उ0प्र0।

(2) कनिष्ठ सचिव, राजस्व परिषद्, उ0प्र0, इलाहाबाद।

(3) अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

(4) महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद।

8—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर की ओर से उगाही कर की धनराशि ऐसे प्रासंगिक व्ययों को जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये जायेंगे, काट लेने के पश्चात् प्रत्येक तिमाही के अन्त में नगर पंचायत गौराबादशाहपुर को लौटा दी जायेगी। प्रतिदिन की धनराशि प्राप्त करने के लिए अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गौराबादशाहपुर (जौनपुर) प्रत्येक तिमाही के कनिष्ठ सचिव, राजस्व परिषद्, उ0प्र0, इलाहाबाद की फाइनैन्शियल हैण्ड बुक खण्ड-1, भाग-1 के प्रपत्र संख्या-19 में एक बिल प्रस्तुत करेगी। कनिष्ठ सचिव द्वारा बिल स्वीकृत किये जाने की पश्चात् उसकी एक प्रतिलिपि अधिशासी अधिकारी को लौटा दी जायेगी, जो स्वीकृत बिल के प्रस्तुत किये जाने पर स्थानीय कोषागार से प्रतिदिन की धनराशि प्राप्त करेगा।

9—(1) नगर पंचायत की ओर से उगाही गई कर की धनराशि ऐसे प्रासंगिक व्ययों, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये जावें काट लेने के पश्चात् प्रत्येक तिमाही के अन्त में नगर पंचायत को लौटा दी जायेगी, प्रतिदिन की धनराशि प्राप्त करने के लिए, अधिशासी अधिकारी प्रत्येक तिमाही में कनिष्ठ सचिव, राजस्व, परिषद्, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, को फाइनैन्शियल हेड बुक खंड 5 भाग के प्रपत्र संख्या 19 में दो प्रतियों में एक बिल प्रस्तुत करेगा, कनिष्ठ सचिव द्वारा बिल स्वीकृत किए जाने के पश्चात् उसकी एक प्रतिलिपि अधिशासी अधिकारी को लौटा दी जायेगी, जो स्वीकृत बिल के प्रस्तुत किये जाने पर स्थानीय कोषागार से प्रतिदिन का धनराशि प्राप्त करेगा।

(2) नगर पंचायत निबन्धन और स्टाम्प विभाग के कर्मचारियों को ऐसा मासिक/परिश्रमिक का भुगतान भी करेगा, जो नगर पंचायत के परामर्श से राज्य सरकार निर्धारित करें।

10—अभिलेखों का निरीक्षण—अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा तदर्थ यथाविधि प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति किसी शुल्क का भुगतान किये बिना कर की उगाही और नगर पंचायत को उसकी वापसी के सम्बन्ध में निबन्धन कार्यलय के किसी अभिलेख का निरीक्षण कर सकता है।

डॉ० अनुपम सिंह,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।



29 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 93/न0पं0गौरा0/यू0चा0 नियमावली/अधि0/2022-23—उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर ने अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पंचायत सीमा धारा 298 (1) (2) सूची (1) खण्ड “ज” के भाग “ख” के तहत “वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली, 2022” बनायी है, प्रस्तावित उपनियमावली पर यदि किसी सम्बन्धित को कोई भी आपत्ति हो, तो अपनी लिखित आपत्ति इस कार्यालय में 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। यह उपविधि गजट प्रकाशन के दिनांक से नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा में प्रभावित होगी।

### वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली, 2022

1—शीर्षक—यह उपविधि न0पं0 गौराबादशाहपुर, जौनपुर वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली, 2022 कहलायेगी।

2—प्रकृति—यह उपविधि उत्तर प्रदेश साधारण गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से नगर पंचायत समिति/विहित प्राधिकारी की स्वीकृति से सीमा में प्रभावी होगी।

3—परिभाषाएँ—विषय का प्रयोग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इन उपविधियों से है।

(क) “नगर पंचायत” से तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर से है।

(ख) “नगर पंचायत की सीमाओं” से तात्पर्य वर्तमान में निर्धारित सीमायें या भविष्य में बढ़ने से निर्धारित होकर प्रभावी होने वाली सीमा से है।

(ग) “अधिकासी अधिकारी” से तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के अधिकासी अधिकारी से है।

(घ) “अध्यक्ष” से तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

(ङ) “अधिनियम” से तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।

(च) “वाहनों” से तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा से गुजरने वाले भार से लदे/सवारी ढोने वाले वाहनों से हैं।

(छ) “कर्मचारी” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के कर्मचारी से है।

(ज) “नाका बैरियर” से तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के नाका बैरियर से है।

(झ) “सड़क/पटरियों” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा अन्तर्गत आने वाले मार्गो प्रान्तीय, गैर प्रान्तीय एवं नगर की सड़क पटरियों से है।

4—शुल्क का विवरण अधिरोपण एवं संग्रह—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करते वाहनों ट्रक/ट्रैक्टर मय ट्राली, डी0सी0एम0 द्योटा जो व्यवहारिक दृष्टि से चलते हैं, मोटर लारी रोडवेज, स्टोर वाहन, टाटा सूमो, मार्शल, टैक्सी, मेटाडोर, जीप, भारी वाहन, बस/अन्य डीजल/पेट्रोल/गैस/इलेक्ट्रॉनिक/बैट्री से चलने वाले वाहनों जो व्यापारिक समान उतारने चढ़ाने एवं सवारियां उतारने-चढ़ाने एवं ठहरने वाले वाहनों को नियन्त्रित करने हेतु उपविधि बनायी गई है, जिन पर यह शुल्क लागू होंगे।

5—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करने वाले वाहन चालक इन नियमों से अपने को नियन्त्रित समझेगा क्योंकि वह प्रान्तीय अथवा नगर पंचायत सड़कों एवं अन्य वाहनों जो नगर पंचायत की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करते हैं की सड़कों एवं पटरियों का प्रयोग करते हैं, वही वाहन चालक अपने वाहनों को तब तक नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर की सीमा में प्रवेश नहीं करेगा जब तक देय शुल्क का भुगतान न कर दे। यह शुल्क मोहरिर/नायब राजस्व मोहरिर/ठेकेदार को दिया जायेगा। जहां पर नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर निश्चित करेगी।

6—प्रत्येक वाहन चालक अपने वाहन निर्धारित स्थान या नगर की सीमा में किसी स्थान पर माल उतारने, चढ़ाने एवं सवारियां उतारने-चढ़ाने एवं ठहरने वाले वाहनों से मोहरिर/नायब राजस्व मोहरिर/ठेकेदार जैसी स्थित हो उनसे शुल्क वसूल कर रसीद दे सके।

7—इस प्रकार की रसीद प्राप्त करने वाला व्यक्ति नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के अध्यक्ष/प्रशासक/अधिकासी अधिकारी तथा उनके द्वारा अधिकृत कर्मचारी के द्वारा मांगे जाने पर रसीद दिखाने के लिए बाध्य होगा एवं दिखलायेगा जो जॉचोंपरान्त उसे विधिवत वापस कर दिया जायेगा।

8—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर अध्यक्ष/प्रशासक/अधिकासी अधिकारी को पूर्ण अधिकार होगा कि निर्धारित स्थान एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित करने परन्तु ऐसा करने के लिए उसे कम से कम 24 घण्टे पूर्व सूचना जारी करनी होगी।

9—यदि कोई वाहन बिना शुल्क अदा किये नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा के अन्दर पाया गया तो अधिकासी अधिकारी/अध्यक्ष/प्रशासक या उसके द्वारा अधिकृत जॉच अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह उस व्यक्ति से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त शुल्क का कम से कम चार गुना और अधिक से अधिक 20 गुना दण्ड के रूप में दण्ड वसूल कर रसीद देगा।

10—यदि कोई भी वाहन बगैर शुल्क अदा किये भाग जाने पर चालक का पूरा पता अथवा गाड़ी नम्बर जो भी हो उसके विरुद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत कानूनी कार्यवाही का अधिकार होगा।

11—यह कि नगर पंचायत चाहे तो वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क की वसूली का वार्षिक अथवा उसके किसी भाग का ठेका दे सकती है ऐसी स्थिति में ठेकेदार निर्धारित दरों पर शुल्क वसूल कर रसीद नियमानुसार जारी करेगा तथा पार्किंग शुल्क अवशेष होने पर पार्किंग शुल्क की वसूली भू0 राजस्व भांति की जा सकेगी।

### शुल्क से मुक्ति

12—निम्न वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क से मुक्त होंगे।

(क) मृत पार्टी ले जाने वाले समस्त वाहन या एम्बुलेंस।

(ख) सरकारी कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर उनका घरेलू सामान जो किसी भार वाहन पर हो किन्तु प्रतिबन्ध यह रहेगा कि सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जावे, जो मांगने पर दिया जावे।

(ग) अन्य सरकारी वाहन (रोडवेज को छोड़कर) जो सरकारी ड्यूटी पर हो किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जाये।

(घ) नगर सीमा के अन्दर बिना रुके सीधे जाने वाले वाहन।

### प्रतिबन्ध

13—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा में प्रवेश करने वाले तिपहिया, बस, टैम्पो, टू सीटर एवं विक्रम नगर के अन्दर चलने वाले ऑटो रिक्शा एवं श्री व्हीलर की निम्नलिखित स्थान पर खड़े होने एवं सवारी उतारने एवं चढ़ाने हेतु निर्धारित किये जाते हैं।

(क) जौनपुर आजमगढ़ मुख्य मार्ग पर वाहन पार्किंग।

(ख) 1. पुलिस चौकी नहर के पास रोड पार्किंग। 2. बारी रोड रामपुर मार्ग पर रोड पार्किंग। 3. कुकहाँ मोड़ थाना रोड मैदान वाहन पार्किंग।

14—कोई भी प्राइवेट बस, लारी, मिनीबस, जीप, टैक्सी, टैम्पो इत्यादि जो सवारियां ढोती है वह उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के बस स्टैण्ड से 1 किमी0 परिधि में सवारी उतारने व चढ़ाने हेतु तो गाड़ी पार्किंग करेगा और न ही सवारी भरेगा। उल्लंघन की दशा में अर्थदण्ड का भागी होगा।

15—अध्यक्ष/प्रशासक नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर को यह अधिकार होगा कि किसी भी विवाद के उल्लंघन होने पर उनका निर्णय अन्तिम होगा तथा उपनियम के किसी भी धारा में आवश्यक पड़ने पर संशोधन करने का अधिकारी होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि निर्धारित स्थान से आगे शहरी आवादी में प्रतिबन्धित गाड़ियों को अनुमति नहीं दी जायेगी।

### शुल्क का विवरण

16—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर की सीमा में प्रवेश एवं ठहरने वाले वाहनों से निम्न सारणी के अनुसार शुल्क वसूली करेगी।

1.	प्रत्येक मोटर, मोटर लारी, बस (रोडवेज प्राइवेट बस), ट्रक तथा अन्य डीजल अथवा पेट्रोल से चलने वाले भारी वाहन आदि	रु0 70.00 प्रति चक्कर (परन्तु एक दिन के लिये रु0 150.00 प्रतिदिन)
2.	ट्रैक्टर ट्राली (गैर कृषि कार्य हेतु)	रु0 20.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 50.00)
3.	मिनी बस, छोटा ट्रक, मेटाडोर इत्यादि	रु0 30.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 70.00)
4.	टैक्सी, मार्शल जीप, टैम्पो, मैजिक इत्यादि	रु0 25.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 60.00)
5.	तांगा, ई-रिक्शा	रु0 10.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 25.00)

### शास्ति

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299 (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर यह निर्देश देती है कि उपरोक्त नियमों के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड दिया जायेगा, जो रु0 1000.00 तक हो सकता है। यदि निरन्तर जारी रहे तो प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि अपराध करता चला आ रहा है तो रु0 25.00 अर्थदण्ड प्रतिदिन उपरोक्त के अतिरिक्त किया जायेगा। अर्थदण्ड अदा न करने पर 6 मास का कारावास तक का दण्ड सक्षम न्यायालय से दिया जा सकता है।

डॉ० अनुपम सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

29 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 94/न0पं0गौरा0/यू0चा0 नियमावली/अधि0/2022-23-उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर, जौनपुर ने अपनी बैठक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा धारा 128(1) के तहत नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी भवनों, इमारतों तथा भूमियों पर गृहकर निर्धारण हेतु शासनादेश सं0 408/नौ-10-63ज/95 टी0सी0 नगर विकास अनुभाग-9 दिनांक 22 फरवरी, 2010 व शासनादेश सं0 135/नौ-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुपालन में नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमान्तर्गत भवनों व सम्पत्तियों पर स्वकर प्रणाली के अंतर्गत गृहकर निर्धारण किये जाने हेतु स्वमूल्यांकन व्यवस्था प्रभावी तथा **संपत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022** बनायी गयी है उक्त उपविधि के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो अपनी आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर के कार्यालय में विज्ञप्ति प्रकाशन 15 दिन के भीतर लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। नियमावली गजट प्रकाशन तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

### सम्पत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022

1—यह नियमावली नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमा में स्थित भवनों तथा सम्पत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022 कही जायेगी।

2—यह नियमावली नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमा में लागू होगी।

3—यह नियमावली राजकीय गजट में प्रकाशन के पश्चात् नगर विकास विभाग अनुभाग-9 के शासनादेश संख्या 1688/नौ-9-2021 85ज/05टी0सी0 दिनांक 19 अगस्त, 2021 के अनुसार लागू होगी।

4—“नगर पंचायत” से तात्पर्य नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर से है।

5—“अधिकांसी अधिकारी” से तात्पर्य नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर के अधिकांसी अधिकारी से हैं।

6—“अध्यक्ष” से तात्पर्य नगर पंचायत के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी से है।

7—“प्रशासक/बोर्ड” का तात्पर्य नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर के प्रशासक/बोर्ड से है।

8—“अधिनियम” से तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।

9—“शासनादेश” का तात्पर्य उ0प्र0 शासन के आदेशों/निर्देशों से है।

10—कोई भी व्यक्ति यदि नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमा में भवन/भूमि का स्वामी/अध्यासी है तो वे भवन/भूमि के सम्पत्ति कर निर्धारण स्वमूल्यांकन द्वारा कर लेंगे। इसके लिए नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर से एक आवेदन-पत्र प्राप्त कर अपने मकान का ब्योरा देकर उपविधि में दी गयी निर्धारित दर के अनुसार स्वकर का निर्धारण करेंगे।

11—आवेदन-पत्र नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

12—जिन भवन/भूमि स्वामी/अध्यासी द्वारा स्वकर निर्धारण का विकल्प नहीं अपनाया जायेगा तो उसके सम्बन्ध में कर का निर्धारण व वसूली की कार्यवाही नियमानुसार नगर पंचायत् गौराबादशाहपुर जौनपुर द्वारा की जायेगी।

13—भवन—इसमें वह सभी अहाते, उपघर आदि एक संयुक्त परिसर में कई भवन स्थित हैं तो इस परिसर के सभी इमारतों के परिसर को भूमि सहित भवन कहा जायेगा और मकान का तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा में अंकित परिभाषा से है।

14—“सम्पत्ति” का तात्पर्य किसी भवन/भूमि या दोनों से है।

15—“आच्छादित क्षेत्रफल” का तात्पर्य, कुर्सी के उपर जिसपर भवन निर्मित है के प्रत्येक तल के आच्छादित क्षेत्रफल से है।

16—कारपेट एरिया की गणना नियमानुसार की जायेगी:—

(क) कमरे	— आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।
(ख) आच्छादित बरामदा	— आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।
(ग) बालकनी, कारीडोर, रसोई व भण्डार गृह	— आन्तरिक आयाम की 50 फीसदी माप।
(घ) गैराज	— आन्तरिक आयाम की 1/4 माप।
(ङ) स्नानगृह, शौचालय, पोर्टिको और जीने से आच्छादित क्षेत्र	— कारपेट एरिया का भाग नहीं होगा।

अथवा

कारपेट एरिया — आच्छादित क्षेत्र का 80 प्रतिशत भाग।

17—कर का निर्धारण :—कर का निर्धारण निम्नांकित के आधार पर किया जायेगा।

(क) वार्षिक मूल्य की गणना, वार्षिक मूल्य=कारपेट एरिया×निर्धारित प्रति ईकाई का क्षेत्रफल मासिक किराया दर × 12  
या

आच्छादित क्षेत्रफल का 80 प्रतिशत × निर्धारित प्रति ईकाई का क्षेत्रफल मासिक किराया दर × 12

18-करों का भुगतान—

(क) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी/कर्मचारी बनाये गये नियम के अधीन निर्धारित भवन/भूमि (सम्पत्ति) कर के भुगतान हेतु स्वामी/अध्यासी को बिल भेजेगा, जिसमें एक ऐसा दिनांक निर्दिष्ट होगा, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर कार्यालय अथवा उसके द्वारा अभिसूचित बैंक में कर का भुगतान किया जायेगा। गृहकर निर्धारण का भुगतान का सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किये जाने पर भी निर्धारित तिथि तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि के नियमावली में दी गयी शास्ति तथा उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 173 (क) के अनुसार कर की वसूली की जायेगी। धारा 173 (क) की कार्यवाही का खर्च तथा बकाया धनराशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी लिया जायेगा।

(ख) यह है कि नगर पंचायत की ओर से अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी जैसे भी परिस्थिति हो के नगर पालिका अधिनियम की धारा 158(1)(2) के अन्तर्गत पत्र-भेजकर किसी भवन/भूमि स्वामी को उनके सम्पत्ति आदि के बारे में विवरण प्रस्तुत करने तथा अन्य दस्तावेज मांगने व प्राप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) इस उपविधि के किसी भी प्रावधान के बारे में नगर पंचायत यदि संतुष्ट है कि उपविधि के किसी प्रावधान का दुरुपयोग पंचायत द्वारा किया जा रहा है अथवा कोई प्रावधान/नियमानुसार जनहित में नहीं है, तो उक्त प्रावधान को निरस्त करने, छूट देने अथवा संशोधित करने का अधिकार नगर पंचायत को होगा।

19-किराये पर उठे आवासीय भवनों का उपरोक्तानुसार अवधारित वार्षिक मूल्य से (ARV) जोड़ें।

(क) दस वर्ष से अधिक पुराना है तो 25 प्रतिशत अधिक होगा (+) 25 प्रतिशत

(ख) दस वर्ष से अधिक तथा बीस वर्ष से कम पुराना है तो 12.5 प्रतिशत अधिक होगा (+) 12.5 प्रतिशत

(ग) बीस वर्ष से अधिक पुराना है तो यथावत समझा जायेगा।

**नोट**—नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा 140 में यह प्रावधान है कि जहाँ नगर पंचायत किरायों में किसी कारण से असाधारण परिस्थितियों में किसी भवन का वार्षिक मूल्य यदि उपर्युक्त रीति से गणना की गई हो अत्यधिक हो वहाँ नगर पंचायत किसी भी धनराशि पर जो भी न्याय संगत प्रतीत हो वार्षिक मूल्य नियत कर सकती है।

20-व्यावसायिक सम्पत्तियों से तात्पर्य—सभी प्रकार की फुटकर दुकानें, शोरूम, बेकरी, आटाचक्की, कोयला, लकड़ी, कृषि उपकरणों के लिये केन्द्र, शीतगृह, रिजोर्ट, होटल व बेवसाइट व ऑटोमोबाइल शोरूम/सर्विस सेन्टर व भोजनालय, जलपानगृह, रेस्टोरेन्ट, कैन्टीन, सिनेमा व मल्टीप्लेक्स, अस्थाई सिनेमा, पी0सी0ओ0, पेट्रोल व डीजल फिलिंग स्टेशन, गोदाम/गैस अधिष्ठान भण्डारण तथा गोदाम, निजी कार्यालय, बैंक व अन्य अनावासीय भवनों से है।

21-औद्योगिक सम्पत्तियों से तात्पर्य—सेवा/कुटीर उद्योग, औद्योगिक कारखाने, पावरलूम कारखाना, सूचना प्रौद्योगिकी/सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी/एल0पी0जी0 व फिलिंग प्लांट/संयंत्र/केन्द्र आदि से है।

22-इन्स्टीट्यूशनल (संस्थागत) सम्पत्तियों से तात्पर्य-राजकीय, अर्द्धराजकीय, स्थानीय निकाय कार्यालय, श्रमिक कल्याण केन्द्र, पी0ए0सी0, पुलिस लाईन, मौसम अनुसंधान केन्द्र, वायरलेस केन्द्र, अतिथि गृह, धर्मशाला, रैनबसेरा, लॉजिंग बोर्डिंग हाउस, छात्रावास, अनाथालय, सुधारालय, कारागार, हेण्डिकैप चिल्ड्रेन हाउस, शिशुगृह, एवं देखभाल केन्द्र, बृद्धावस्था केन्द्र, प्राथमिक शैक्षिक संस्थान, उच्चतर माध्यमिक इण्टर/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय, पोलिटेक्निक, इन्जिनियरिंग, विशिष्ट शैक्षिक संस्थान, आई0टी0आई0, डाकघर, तारघर, पुलिस स्टेशन/चौकी, अग्निशमन केन्द्र, पुस्तकालय/वाचनालय, नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र, कलाकेन्द्र, सिलाई केन्द्र, बुनाई कढ़ाई केन्द्र, पेन्टिंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र इत्यादि, ऑडिटोरियम, नाट्यशाला, थियेटर, योगकेन्द्र, सामुदायिक केन्द्र, धार्मिक केन्द्र, बारात घर, कॉन्फ्रेंस एवं मीटिंग हाल, प्रदर्शनी केन्द्र, रेडियो व टेलीविजन कार्यालय/केन्द्र, नर्सिंग होम व अस्पताल आदि।

**नोट**—जो भी सामाजिक, धार्मिक राजनैतिक संस्थाएँ निःशुल्क जनहित में कार्य कर रही हैं वे कर से मुक्त रहेगी परन्तु जिस धर्म/राजनैतिक संस्था का जितने भाग का उपयोग व्यवसायिक होगा उस पर कर देय होगा।

23-रेन्ट कन्ट्रोल के मकान—रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम, 1972 के अधीन आने वाले आवासीय भवनों पर नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर प्रत्येक करों की गणना के लिये वार्षिक किराये का निर्धारण रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम के अंतर्गत नहीं होगा बल्कि गृहकर का निर्धारण उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 के प्रावधानों के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 135/9-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04 नगर विकास अनुभाग-9 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुसार किया जायेगा।

24-जिन भवनों/व्यावसायिक भवनों में भवन स्वामी का पता नहीं चलता है तो ऐसे भवनों में किरायेदार/अध्यासी को की गृहकर का भुगतान करना होगा।

25-करों में छूट—उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 140(2) के अनुसार करों में छुट प्रदान की जायेगी।

(क) गृहकर की देयता वार्षिक होगी, 01 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य संबंधित वर्ष का कर जमा करना अनिवार्य होगा।

(ख) सम्बन्धित वर्ष में कर जमा नहीं करने की दशा में आगामी वित्तीय वर्ष में गृहकर पर 12 प्रतिशत की दर से सरचार्ज देय होगा।

26—संबंधित संसूचना प्रपत्र (क) प्राप्ति के 15 दिवस के अन्दर नगर पंचायत कार्यालय में भरकर जमा करना अनिवार्य है। भवन के क्षेत्रफल एवं दरों के सम्बन्ध में कोई त्रुटि पूर्ण विवरण होने की दशा में स्वामी अध्यासी से सम्पत्ति की देयता में होने वाले अन्तर के चार गुने धनराशि शास्ति (जुर्माना) के रूप में ली जायेगी निर्धारित अवधि तक विवरण न जमा करने की दशा में 100 वर्ग मीटर, 200 वर्ग मीटर, 400 वर्ग मीटर तथा उससे अधिक भू-खण्ड पर क्रमशः रु0 100/500/1,000/2,000 तक शास्ति (जुर्माना) आरोपित करके वसूल किया जायेगा, तथा 30 दिन के विलम्ब की स्थिति में शास्ति (जुर्माना) का 5 प्रतिशत अतिरिक्त लिया जायेगा।

27—भवन किराये पर देने या रिक्त होने, भवन में निर्माण/पुनर्निर्माण होने से आच्छादित क्षेत्रफल (कारपेट एरिया) में वृद्धि होने पर तथा भवन के व्यावसायिक/औद्योगिक प्रयोग होने पर 60 दिनों के अन्दर प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण भवन स्वामी/अध्यासी द्वारा कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

28—जिन भवनों/भूमियों को नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर द्वारा भवन/भूमि की संज्ञा दी जा चुकी है उन्हें भी प्रपत्र क और ख पर उपरोक्तानुसार सूचना भरकर जमा करना अनिवार्य है तथा उसके भवन/भूमि पर यदि कोई पूर्व का बकाया है तो प्रपत्र क के अनुसार देय कर एवं पूर्व बकाया भी जमा करेंगे।

29—मकानों को दर्ज करने सम्बन्धी—

(क) कोई भी व्यक्ति किसी भी समय यदि किसी भी भवन या भूमि पर अपना नाम अध्यासी अथवा स्वामी के रूप में करदाता सूची में अंकित कराना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया से आवेदन करना होगा और यदि उसके नाम के सम्बन्ध में कोई आवेदन निरस्त करने हेतु विचाराधीन है तो उल्लेख लिखित रूप में किया जायेगा अन्यथा उसके बाद सूची में आवेदन के अनुसार नाम, कर निर्धारण सूची में अंकित कर दिया जायेगा। मकान/दुकान/प्लॉट इत्यादि प्रथम बार दर्ज किये जाने हेतु शुल्क रु0 5,000.00 प्रति सम्पत्ति देय होगा।

(ख) गृहकर पंजिका में दर्ज ऐसी भूमि/भवन जो पंचायत के स्वामित्व की भूमि है जो किसी कारणवश निजी उपयोग में लायी जा रही है तो वह गृहकर पंजिका में स्वतः निरस्त/करमुक्त मानी जायेगी।

30—मकानों का हस्तांतरण/नामान्तरण सम्बन्धी नियम—

(क) यदि किसी भवन या भूमि जिस पर कर आरोपित है स्वामित्व हस्तांतरित होता है तो स्वामित्व हस्तांतरित करने वाले व्यक्ति तथा संस्था अथवा स्वामित्व पाने वाला व्यक्ति ऐसे संस्था ऐसे हस्तांतरण के 03 माह के अन्दर उसकी सूचना नगर पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करके निर्धारित प्रपत्र पर अधिशासी अधिकारी को प्रेषित करना अनिवार्य होगा।

(ख) यदि किसी करदाता अथवा भवन/भूमि के स्वामी की मृत्यु हो जाती है तो उसके प्रत्येक वारिस को मृत्यु के दिनांक से 03 माह के अन्दर लिखित सूचना अधिशासी अधिकारी को देना होगा।

(ग) यदि किसी करदाता अथवा भवन का वारिस/उत्तराधिकारी 03 माह के अन्दर सूचना देने में असफल रहता है तो 03 माह के बाद प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते समय उसे नामान्तरण शुल्क के साथ रु0 500.00 विलम्ब शुल्क भी देय होगा तभी प्रार्थना-पत्र पर कार्यवाही किया जायेगा। यही प्रक्रिया विक्रय-पत्र के आधार पर नामान्तरण को कार्यवाही पर भी लागू होगी।

(घ) विक्रय पत्र/बैनामा/वसीयतनामा/हिबानामा/करारनामा/दान आदि के आधार पर आवेदक नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कराना चाहता है तो उसका निम्नलिखित जमा करने के बाद ही कार्यवाही शुरू की जायेगी—

10 लाख रु0 तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क — रु0 5,000.00।

10 लाख रु0 से अधिक 25 लाख तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क — रु0 10,000.00।

25 लाख रु0 से अधिक 50 लाख रु0 तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क — रु0 15,000.00।

50 लाख रु0 से अधिक 1 करोड रु0 तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क — रु0 25,000.00।

1 करोड रु0 से अधिक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क — रु0 50,000.00 प्रति, पीढ़ी देय होगा।

**नोटः**—भवनों, भूमियों, इत्यादि को दर्ज करने, हस्तान्तरण/नामान्तरण करने हेतु स्थानीय स्तर पर प्रचलित अधिक प्रसार वाले राष्ट्रीय दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशन कर 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के पश्चात् प्राप्त

आपत्ति का निस्तारण होने के उपरान्त नामान्तरण/हस्तान्तरण, दर्ज करने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। समाचार-पत्र में आपत्ति प्रकाशन का खर्च आवेदक से लिया जायेगा।

31-कर निर्धारण दर-गृहकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत देय होगा।

32-मुख्य मार्ग का तात्पर्य-मुख्य मार्ग में सभी सड़कें आयेंगी जिसकी चौड़ाई 24 फुट से अधिक होगी।

33-अन्य मार्ग का तात्पर्य-मुख्य मार्ग के अंदर के मार्ग व मोहल्ला/कालोनी में जाने वाली सड़क एवं समस्त गलियां अपने भागों में आयेंगी।

34-अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर द्वारा सत्यापित मासिक किराया प्रति वर्गफुट/रु0

भवन की प्रकृति	पक्का भवन (RCC/RB छत)			अन्य पक्का भवन			कच्चा भवन	भूमि के सम्बन्ध में
1	2	3	4	5	6	7	8	9
फर्श की प्रकृति ⇒	पत्थर/ टायल्स/ मुजाइक	पक्का फर्श	कच्चा	पत्थर/ टायल्स/ मुजाइक	पक्का फर्श	कच्चा	कच्चा	खाली प्लॉट
सड़क की लम्बाई ⇓								
क-(24 फुट से अधिक चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	1.00	0.80	0.40	0.80	0.50	0.30	0.20	0.15
ख-(12 फुट से 24 फुट चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	0.80	0.60	0.30	0.60	0.40	0.20	0.15	0.10
ग-(12 फुट तक चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	0.60	0.40	0.20	0.50	0.30	0.10	0.10	0.05

35-अन्तिम निर्णय अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर में निहित होगा।

36-अन्य व्यावसायिक भवन/मिश्रित भवन जो मुख्य मार्ग पर स्थित न हो का कर निर्धारण निर्धारित आवासीय दर का दोगुना दर पर किया जायेगा।

37-(क) किसी भी स्वामी द्वारा अध्यासित आवासीय भवन जो 30 वर्ग मी0 के माप वाले या 15 वर्ग मी0 तक कारपेट क्षेत्रफल भू-खण्ड पर निर्मित हो उसके स्वामी के स्वामित्व में नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमा के अंतर्गत कोई अन्य भवन/भू-खण्ड न हो पर वार्षिक मूल्य की गणना नहीं की जायेगी वो कर से मुक्त होंगे।

(ख) यदि आंशिक भाग का उपयोग व्यावसायिक/औद्योगिक के रूप में प्रयोग किया जा रहा है और आंशिक भाग पर निवासित है तो व्यावसायिक/औद्योगिक वाले भाग पर व्यावसायिक/औद्योगिक दर लागू होगा तथा निवासित भाग पर निवासित दर लागू होगा।

(ग) व्यावसायिक/औद्योगिक उपयोग वाले आवासों/आवासीय अंशों पर कर निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा।

श्रेणी	सम्पत्ति का विवरण	अनावासीय भवन की मासिक किरायें की दर
1.	प्रत्येक प्रकार के वाणिज्यिक काम्पलेक्स, दुकानें और अन्य प्रतिष्ठान बैंक, कार्यालय, होटल, कोचिंग व प्रशिक्षण संस्थान (राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त को छोड़कर) आवासीय सह दुकान की स्थिति में।	आवासीय दर का पांच गुना
2.	टावर और होर्डिंग वाले भवन, टी0बी0 टावर दूर संचार या कोई अन्य टावर जो भवन की सतह पर या शिखर पर या खुले स्थान पर प्रतिस्थापित किये जाते हैं।	आवासीय दर का चार गुना
3.	प्रत्येक प्रकार के क्लीनिक, पाली क्लीनिक डायग्नोस्टिक केन्द्र, प्रयोगशालायें, नर्सिंग होम, चिकित्सालय केन्द्र, मेडिकल स्टोर, स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र।	आवासीय दर का तीन गुना
4.	पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी, डिपो और गोदाम	आवासीय दर का तीन गुना
5.	सामुदायिक भवन, कल्याण मण्डप शादी/बारात घर, क्लब व इसी प्रकार के भवन	आवासीय दर का तीन गुना
6.	औद्योगिक इकाइयां सरकारी अर्धसरकारी एवं सार्वजनिक, उपक्रम कार्यालय	आवासीय दर का तीन गुना
7.	क्रीडा केन्द्र, जिम, शारीरिक स्वास्थ्य केन्द्र, थियेटर तथा सिनेमा घर	आवासीय दर का दो गुना
8.	अन्य प्रकार के अनावासिक भवन जो उपर्युक्त श्रेणियों में उल्लिखित नहीं हैं।	आवासीय दर का तीन गुना
9.	छात्रावास और शैक्षणिक संस्थान जो अधिनियम की धारा 129-क के खण्ड (ग) के अधीन आच्छादित नहीं हैं।	आवासीय दर के समान

38—अधिकासी अधिकारी नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर द्वारा पंचायत सीमान्तर्गत स्थित भवनों/भूमियों का वार्षिक मूल्यांकन दरों पर निर्धारित किया जायेगा।

39—सम्बंधित बुकलेट रु0 50 शुल्क जमा कर कार्यालय नगर पंचायत गौराबादशाहपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

#### अर्थदण्ड

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर निश्चित करती है कि उपविधि के किसी भी नियम का उल्लंघन करना दण्डनीय अपराध होगा जो रु0 1,000.00 (एक हजार) जुर्माना हो सकता है और निरन्तर बने रहने की दशा में अतिरिक्त अर्थदण्ड देय होगा जो सर्वप्रथम दोष सिद्ध के दिनांक या अधिकासी अधिकारी द्वारा दिये गये नोटिस के दिनांक से प्रत्येक दिवस के लिये जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि जिसमें अपराधी अपराध करता है, रु0 25.00 (पच्चीस रुपये) मात्र प्रतिदिन अर्थदण्ड लिया जायेगा।

डॉ0 अनुपम सिंह,  
अधिकासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

29 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 95/न0पं0 गौरा0/बांयलाज/2022-23—उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा की धारा 298 के तहत नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में “विविध कर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022” प्रस्तावित करती है। उपरोक्त नियमावली के धारा 301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात्, उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर किसी व्यक्ति/समूह को आपत्ति हो या सुझाव हो तो अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के कार्यालय में प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अन्दर प्राप्त करा सकता है, जिसका नियमानुसार निस्तारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया जायेगा परन्तु 15 दिन के बाद प्राप्त आपत्तियों व सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के निस्तारण के उपरान्त प्रस्तावित “विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022” उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

#### “विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022”

शासनादेश सं0 2399/नौ-9-94-204(जनरल)/90 दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 के अनुपालन में उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 जो नगर पंचायत, पर प्रवृत्त है, के अंतर्गत नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर में विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022 कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:—

#### 1—संक्षिप्त नाम, प्रसार एवं प्रारम्भ—

- (1) यह उपविधि विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022 कहलायेगी।
- (2) यह नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर की सीमा में प्रवृत्त होगी।
- (3) यह उपविधि उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर में प्रवृत्त होगी।

2—परिभाषाएँ—उपरोक्त नियमावली में विषय या प्रयोग में कोई शर्त प्रतिकूल न होने पर इस अधिनियम में उल्लिखित शब्द का अर्थ यह पढ़ा व समझा जाये—

- (1) “अध्यक्ष/प्रशासक” का तात्पर्य “नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के अध्यक्ष/प्रशासक से है।
- (2) “अधिकासी अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के अधिकासी अधिकारी से है।
- (3) “प्रभारी अधिकारी” का तात्पर्य, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के प्रभारी अधिकारी से है।
- (4) “लाइसेंसिंग अधिकारी” का तात्पर्य, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के लाइसेंसिंग अधिकारी से है।
- (5) “अधिनियम” का तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।
- (6) “नगर पंचायत” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर से है।

#### 3—उपनियम—

- (1) इस उपनियम के अन्तर्गत कोई भी दुकानदार व अन्य व्यवसायी लाइसेंस प्राप्त किये बिना अपनी दुकान/व्यवसाय नहीं चला सकेगा एवं इस उपनियम के लागू होने के पूर्व चल रहे समस्त दुकान/व्यवसाय का लाइसेन्स दुकानदार/व्यवसायी को प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- (2) इस उपनियम के अन्तर्गत प्राप्त लाइसेन्स की अवधि 03 वर्ष की होगी जो 01 अप्रैल से लागू हो 31 मार्च को समाप्त होगी।

- (3) प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी को पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क की धनराशि को अदा करके लाइसेन्स प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- (4) दुकानदार/व्यवसायी को लाइसेन्स प्राप्त करने के लिए अपेक्षित धनराशि कार्यालय, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में जमा कर अथवा पंचायत कार्यालय द्वारा अधिकृत कर्मचारी को जमा करके रसीद प्राप्त कर सकता है।
- (5) दुकानदार/व्यवसायी को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बॉटो का मापों में प्रयोग करना अनिवार्य होगा।
- (6) इस उपनियम के अन्तर्गत प्राप्त लाइसेन्स केन्द्र/राज्य सरकार/अन्य किसी विधिक संस्था द्वारा तालिका में उल्लिखित व्यवसायों के नियन्त्रण हेतु प्राप्त लाइसेन्स से भिन्न होगा।
- (7) कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी छुआ-छूत की बीमारी से ग्रस्त है, वह उल्लिखित तालिका में वर्णित व्यवसाय नहीं करेगा एवं ऐसे व्यक्ति को उल्लिखित व्यवसायों में सहायक अथवा नौकर भी रखने का अधिकार नहीं होगा।
- (8) नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के अध्यक्ष/प्रशासक/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी/अधिकृत कर्मचारी किसी भी समय दुकान के लाइसेन्स का निरीक्षण कर सकते हैं और प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी लाइसेन्स दिखाने के लिए बाध्य होंगे तथा प्रत्येक दुकान के अन्दर आवश्यक स्थिति में प्रवेश के लिए अधिकृत होंगे।
- (9) अध्यक्ष/प्रशासक/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर के द्वारा लाइसेन्स निर्गत किया जायेगा।
- (10) जो शुल्क इस उपनियमावली की तालिका में नहीं है उसे सम्बन्धित व्यवसाय के समकक्ष मानकर उसी के अनुरूप लाइसेंस शुल्क लिया जायेगा।
- (11) वाहन के लाइसेंस न बनाने अथवा चेकिंग में पकड़े जाने पर वाहन जमा कराकर इसे अधिकृत कर्मचारी रसीद दे देंगे तथा वाहन बन्द किये जा सकते हैं तत्पश्चात् 15 दिन में लाइसेन्स न बनवाने पर लाइसेंसिंग अधिकारी द्वारा उक्त वाहनों की सार्वजनिक नीलामी करायी जा सकती है।
- (12) उपनियमों में संशोधन पंचायत बोर्ड किसी भी समय कर सकता है, एवं शर्तों के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश आवश्यकतानुसार किसी भी समय निर्गत किये जा सकते हैं।
- (13) वित्तीय वर्ष के माह-जून तक प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी को लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा अन्यथा उनसे प्रतिमाह रु0 100.00 विलम्ब शुल्क के रूप में वसूल किया जायेगा।
- (14) दुकानदार/व्यवसायी द्वारा लाइसेंस शुल्क वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्दर जमा नहीं करने पर इसकी वसूली भू-राजस्व की भाँति करायी जायेगी।
- (15) नगर पंचायत बोर्ड/शासनादेश के निर्णयानुसार लागू लाइसेंस शुल्क में आवश्यक वृद्धि की जा सकती है।
- (16) दुकानदार/व्यवसायी अपना व्यवसाय/दुकान चाहे अपने निजी मकान/दुकान/खुली जमीन अथवा किराये के मकान/दुकान/खुली जमीन पर करता है, उसे अपने दुकान/व्यवसाय के अनुरूप लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा।
- (17) सक्षम अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी लाइसेंस को किसी भी समय निरस्त कर सकता है अथवा उचित नहीं होने पर लाइसेंस देने से इन्कार करने का अधिकार होगा।
- (18) व्यवसायिक लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु अन्य आवंटन विभागों से एन0ओ0सी0 इत्यादि प्राप्त करने की समस्त जिम्मेदारी आवेदक की होगी।

**4-लाइसेंस शुल्क**—शासनादेश सं0 541/नौ-9-99-23ज/97टी0सी0 दिनांक 15 फरवरी, 1999 समहित सं0 1241/नौ-9-98-23ज/97 दिनांक 10 जून, 1998 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298, के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये लाइसेंस शुल्क (35 मद) अनुसूची दरें वसूली प्रभाव रहेगा।

**वार्षिक दरें—**

क्र0सं0	दुकान/व्यवसाय का नाम	लाइसेंस हेतु निर्धारित दरें प्रति वर्ष
		रु0
01	पाँच सितारा होटल	12,000.00
02	तीन सितारा होटल	9,000.00
03	होटल/लॉजिंग/गेस्ट हाऊस (10 शैय्या तक)	900.00
04	प्राइवेट नर्सिंग होम (20 बेड से ऊपर)	5,000.00



1	2	3
		रु0
05	प्राइवेट नर्सिंग होम (20 बेड तक)	3,000.00
06	प्राइवेट प्रसूति गृह (20 बेड से ऊपर)	5,000.00
07	प्राइवेट प्रसूति गृह (20 बेड तक)	3,000.00
08	प्राइवेट अस्पताल (बिना ऑपरेशन)	2,000.00
09	प्राइवेट अस्पताल (ऑपरेशन युक्त)	5,000.00
10	एक्स-रे क्लीनिक	2,000.00
11	पैथालॉजी सेन्टर	2,000.00
12	प्राइवेट क्लीनिक	1,000.00
13	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 07 सीटर तक	500.00
14	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 04 सीटर	250.00
15	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 02 सीटर	150.00
16	बस	1,500.00
17	मिनी बस	1,000.00
18	टैम्पो/जीप/टैक्सी आदि	500.00
19	तॉगा	30.00
20	रिक्शा किराये पर चालित	100.00
21	रिक्शा निजी चालित	50.00
22	रिक्शा चालक शुल्क	20.00
23	ठेला	75.00
24	हाथ ठेला	20.00
25	ट्रॉली मशीन चालित	500.00
26	अन्य चार पहिया व्यापारिक वाहन	750.00
27	धुलाई गृह लॉण्ड्री	500.00
28	ड्राई क्लीनर लॉण्ड्री	1,000.00
29	फाइनेन्स कम्पनी	10,000.00
30	इश्योरेंस कम्पनी	15,000.00
31	फाउण्डिंग इण्डस्ट्रीज	500.00
32	पशु स्लाटर हाउस (प्रति पशु)	50.00
33	हड्डी/खाल/बाल गोदाम	1,000.00
34	पशु पालन (प्रति पशु)	10.00
35	कांजी हाउस में बन्द जानवरों पर जुर्माना	500.00
	(क) प्रतिदिन खुराकी बड़े जानवर	100.00
	(ख) प्रतिदिन खुराकी छोटे जानवर	50.00

**5-जलमूल्य वसूली-**

(1) उत्तर प्रदेश सरकार के भासनादेश सं0 1010-19-2-96(2)-96 दिनांक 08 जनवरी, 1997 के द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 के अंतर्गत की निम्नवत् दरें प्रस्तावित हैं-

क्रमांक	घरेलू दरें (रु0 प्रतिमाह) वर्तमान
1	3
1	रु0 50.00 व्यावसायिक दरें (रु0 प्रतिमाह) वर्तमान
2	रु. 100.00

**नोट—**भविष्य में पानी का मीटर लगने पर मीटर के अनुसार मूल्य वसूली होगी—1 पैसा प्रति लीटर (10 रु0 प्रति एक हजार लीटर)

- (2) नगर पंचायत के अन्तर्गत ऐसे भवन स्वामियों के घरेलू समरसेविल पानी का उपयोग करते हैं का वार्षिक शुल्क रु0 1,000.00 देय होगा।
- (3) ऐसे भवन स्वामी जो व्यावसायिक समरसेविल का प्रयोग करते हैं वार्षिक मूल्य रु0 2,000.00 देय होगा।
- (4) वसूली अवधि 01 अप्रैल से 31 मार्च होगी।
- (5) नगर पंचायत वार्षिक बिल वितरण कराकर वसूली करायेगी।
- (6) नगर पंचायत समुचित अभिलेखों को प्रत्येक वित्तीय वर्षवार अनुरक्षित रखेगी, जिसमें डिमाण्ड रजिस्टर को तैयार कराना तथा निर्धारित समय में बिल तैयार कर वितरित करना।

**6—शो टैक्स—**नगर पंचायत गौराबादशाहपुर सीमान्तर्गत मनोरंजन के माध्यम से फिल्म प्रदर्शित किया जाता है तो ऐसे स्वामियों से रु0 50.00 प्रति शो की दर से वसूला जायेगा।

**7—विज्ञापन शुल्क—**सचिव, उत्तर प्रदेश, नगर विकास अनुभाग—9 शासनादेश सं0 618/नौ-9-2012-277ज/2011 दिनांक 05 अप्रैल, 2012 के द्वारा विज्ञापन/प्रचार के संबंध में दिशा निर्देश—

- (1) विज्ञापन या विज्ञापन पट के लिये ऐसे स्थल चिन्हित किये जायेंगे जो प्रत्येक दृष्टि से निरापद, निर्वाद, गमनागम और सुगम यातायात के लिये सर्वथा उपयुक्त हो।
- (2) विज्ञापन पटों की सुदृढ़ता प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जाये ताकि कोई दुर्घटना न होने पाये।
- (3) विज्ञापन को वृक्षों, बल्लियों, बॉस या लकड़ियों से बांधा नहीं जायेगा। उस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि विज्ञापन से आस-पास के कलात्मक सौन्दर्य नष्ट न हो और लोक सम्पत्ति किसी भी प्रकार से विरूपित न हो।
- (4) विज्ञापन कर रु0 6.00 प्रति वर्गफुट प्रतिमाह देय है।
- (5) कोई भी विज्ञापन या विज्ञापन पट किसी भी दशा में जनहित और निकाय के प्रतिकूल नहीं होने चाहिये और उसमें सम्प्रदर्शित विज्ञापन किसी भी प्रकार से अशिष्ट, अश्लील, स्वास्थ्य के लिये हानिकारक अथवा आपत्तिजनक प्रवृत्ति के नहीं होने चाहिये।

**8—ट्रांसफार्मर सबस्टेशन पर शुल्क—**

- (1) पंचायत सीमा में अधिष्ठापित बिजली के ट्रांसफार्मर 125 के0वी0ए0 क्षमता तक शुल्क रु0 10,000 एवं 2,500 के0वी0ए0 क्षमता तक शुल्क रु0 20,000.00 वार्षिक प्रति ट्रांसफार्मर, 400 के0वी0ए0 की क्षमता के लिये— रु0 30,000 वार्षिक
- (2) पंचायत सीमा में अधिष्ठापित बिजली के पावर हाउस/सब स्टेशन पर शुल्क रु0 50,000.00 वार्षिक।

**9—नगर पंचायत दुकान एवं बारातघर पर किराया शुल्क—**

- (1) नगर पंचायत दुकान एवं सम्पत्तियों को भली-भाँति रख-रखाव करने हेतु प्रत्येक तीन वर्ष में 10 प्रतिशत किराये में वृद्धि करेगी, आवंटन 30 वर्ष के लिए होगा, 30 वर्ष पश्चात् पुनः नीलामी करायी जायेगी।
- (2) ऐसे किरायेदारों द्वारा अनुबन्ध पत्र-उल्लंघन करने पर नगर पंचायत द्वारा बेदखल नोटिस जारी कर पुनः नीलामी की कार्यवाही कर दी जायेगी।
- (3) दुकान का किराया रु0 2,000/—प्रतिमाह
- (4) नगर पंचायत गौराबादशाहपुर द्वारा स्थित बारातघर का किराया रु0 5,000.00 प्रतिदिन तथा कार्यक्रम के उपरांत बारातघर की सफाई एवं जनित कूड़े का निस्तारण शुल्क अलग से देय होगा।

**10—अनापत्ति प्रमाण-पत्र शुल्क प्रति वर्ष—**

- |                              |               |
|------------------------------|---------------|
| (1) मछली फुटकर बिक्री        | रु0 500.00    |
| (2) मछली थोक बिक्री          | रु0 1,000.00  |
| (3) फल फुटकर बिक्री          | रु0 500.00    |
| (4) फल थोक बिक्री            | रु0 2,000.00  |
| (5) सब्जी फुटकर बिक्री       | रु0 500.00    |
| (6) सब्जी थोक बिक्री         | रु0 2,000.00  |
| (7) अण्डा फुटकर बिक्री       | रु0 500.00    |
| (8) अण्डा फुटकर बिक्री       | रु0 1,000.00  |
| (9) अण्डा थोक बिक्री         | रु0 2,000.00  |
| (10) मुर्गा फुटकर बिक्री     | रु0 1,000.00  |
| (11) मुर्गा थोक बिक्री       | रु0 2,000.00  |
| (12) बकरा, भैंस-भैंसा बिक्री | रु0 10,000.00 |

**11—विविधकर (शुल्क) की दरें:—**

- (1) प्रमाण-पत्र शुल्क रु0 100.00 (सौ रु0 मात्र) प्रति प्रमाण-पत्र।
- (2) पानी टैंकर का किराया (नगर पंचायत सीमा में वैवाहिक कार्य/सामाजिक कार्य हेतु) रु0 500.00 पाँच सौ मात्र प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा में निर्माण कार्य हेतु रु0 800.00 आठ सौ मात्र प्रति टैंकर प्रतिदिन।
- (3) पानी टैंकर का किराया (नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में वैवाहिक कार्य/सामाजिक कार्य हेतु) रु0 1,500.00 एक हजार पाँच मात्र प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में निर्माण कार्य हेतु रु0 2,500.00 दो हजार पाँच सौ मात्र प्रति टैंकर प्रतिदिन।
- (4) सीवरेज टैंकर उपयोग शुल्क (नगर पंचायत सीमान्तर्गत) रु0 2,000.00 प्रति चक्कर/प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में शुल्क रु0 4,000.00 प्रति चक्कर/प्रति टैंकर।
- (5) पंचायत सीमा में स्थित पेट्रोल पम्प पर व्यावसायिक शुल्क रु0 3,000.00 (तीन हजार मात्र) वार्षिक।
- (6) पंचायत सीमा में स्थित कोचिंग संस्थानों पर व्यावसायिक शुल्क रु0 1,000.00 (एक हजार मात्र) वार्षिक।
- (7) पंचायत सीमा में व्यवसाय करने वाले गेस्ट हाउस/अतिथि गृह पर व्यावसायिक शुल्क रु0 10,000.00 (दस हजार मात्र) वार्षिक।
- (8) पंचायत सीमा में व्यवसाय करने वाले रेस्टोरेन्ट/ढाबा पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 (पाँच हजार मात्र) वार्षिक।
- (9) पंचायत सीमा में स्थित आटा चक्की/पालेशर मशीन/तेल पिराई मशीन/रुई धुनाई मशीन पर व्यावसायिक शुल्क रु0 1000.00 (रु0 एक हजार) वार्षिक।
- (10) गाय/भैंस/सुअर इत्यादि सभी प्रकार के पालतू जानवरों को खुला छोड़ने पर पकड़े जाने पर शुल्क रु0 500.00 प्रति प्रकरण/प्रति दिन।
- (11) पंचायत सीमा में निर्मित होने वाले सार्वजनिक शौचालयों के मूत्रालय प्रयोक्ता प्रति व्यक्ति से शुल्क रु0 2.00 एवं शौचालय प्रयोक्ता प्रति व्यक्ति से शुल्क रु0 10.00 लिया जायेगा।
- (12) पंचायत सीमा में स्थित नाली/नाला/सड़क/अन्य सार्वजनिक सम्पत्ति पर अवैध कब्जा पाये जाने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 1,000.00 प्रति प्रकरण तथा पुनरावृत्ति करने पर रु0 5,000.00 प्रति प्रकरण।
- (13) पंचायत सीमा में स्थित व व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदारों (200 वर्ग फिट क्षेत्रफल या उससे कम कवर्ड एरिया) से व्यावसायिक शुल्क रु0 500.00 वार्षिक तथा बड़े दुकानदारों (200 वर्ग फिट क्षेत्रफल या उससे अधिक कवर्ड एरिया) से व्यावसायिक शुल्क रु0 1,000.00 वार्षिक।
- (14) छोटी बाउण्ड्री युक्त भू-खण्ड या मकानों के मध्य खाली भू-खण्ड पर पड़ोसियों के द्वारा कूड़ा करकट फेंकने को दृष्टिगत रखते हुए उनके द्वारा अपने खाली भू-खण्डों एवं छोटी बाउण्ड्रीवाल पर न्यूनतम दो मीटर ऊँची बाउण्ड्रीवाल निर्मित न कराने पर पेनाल्टी शुल्क प्रति प्रकरण रु0 2,500.00 (रु0 दो हजार पाँच सौ) मात्र।
- (15) नगर पंचायत सीमा में स्थित राइस, गन्ना मिल पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 वार्षिक।
- (16) नगर पंचायत सीमा में संचालित आरा मशीन, आइस फैक्ट्री पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (17) नगर पंचायत सीमा में स्थित डेरी, प्रेशर मशीन (गाड़ी धुलाई केन्द्र) पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (18) नगर पंचायत सीमा में स्थित आर0ओ0 प्लांट/निजी जलापूर्ति प्रणाली पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (19) नगर पंचायत सीमा में स्थित मोटर साइकिल एजेन्सी, ट्रैक्टर एजेन्सी पर व्यावसायिक शुल्क रु0 3,000.00 (तीन हजार) वार्षिक।
- (20) नगर पंचायत जे0सी0बी0 किराया रु0 1,000.00 (एक हजार) रु0 प्रति घंटा नगर पंचायत सीमान्तर्गत तथा आने जाने का समय सहित।
- (21) मोबाइल टायलेट किराया रु0 1,000.00 प्रति दिन/प्रति बुकिंग।
- (22) नगर पंचायत सीमान्तर्गत संचालित ईट भट्ठों पर लाइसेंस शुल्क 10,000.00 (रु0 दस हजार) वार्षिक शुल्क।
- (23) नगर पंचायत सीमा में गल्ला/अनाज की आढ़त व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।

- (24) नगर पंचायत सीमा में स्थित समस्त बैंको पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 (पांच हजार) वार्षिक प्रति शाखा।
- (25) नगर पंचायत सीमा में जल कनेक्शन के उद्देश्य से रोड कटिंग चार्ज रु0 2,000.00 (दो हजार) रुपया प्रति कनेक्शन।
- (26) नगर पंचायत सीमा में जल कनेक्शन हेतु जमानत धनराशि रु0 500.00 (पाँच सौ) रुपया प्रति कनेक्शन।
- (27) नगर पंचायत सीमान्तर्गत समस्त विकास कार्य सम्बन्धी ठेकेदार पंजीकरण शुल्क रु0 15,000.00 (रु0 पन्द्रह हजार) मात्र वार्षिक, वित्तीय वर्ष के प्रथम मास तक। तदोपरान्त 1,000.00 (एक हजार) मासिक विलम्ब शुल्क के साथ।
- (28) ठेकेदार नवीनीकरण शुल्क रु0 5,000.00 (रु0 पांच हजार) मात्र वार्षिक, वित्तीय वर्ष के प्रथम मास तक। सिक्योरिटी हेतु एफ0डी0आर0 रु0 25,000.00 के साथ।
- (29) शटरिंग/तख्ता बल्ली को किराये पर उठाने के व्यवसाय पर रु0 2,000.00 वार्षिक (रु0 दो हजार) मात्र।
- (30) देशी शराब व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 5,000.00 (रु0 पांच हजार) वार्षिक।
- (31) विदेशी शराब व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 10,000.00 (रु0 दस हजार) वार्षिक।
- (32) बार/बियर दुकान पर व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 10,000.00 (रु0 दस हजार) वार्षिक।
- (33) माडल शाप व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 15,000.00 (रु0 पन्द्रह हजार) वार्षिक।
- (34) समस्त प्रकार की भवन निर्माण सामग्री सीमेंट/सरिया/मौरंग इत्यादि विक्रेता व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 (पांच हजार) वार्षिक।
- (35) मा0 राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों के क्रम में एनजीटी एक्ट 2010 की धारा 15/16 के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में खुले में कूड़ा जलाने पर अर्थदण्ड प्रति प्रकरण रु0 5,000.00 (पांच हजार) मात्र एवं सड़क के किनारे भवन निर्माण सामग्री एकत्रित करने/मलबा रखे जाने पर रु0 50,000.00 (पचास हजार) मात्र अर्थदण्ड।

#### दण्ड

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करते हुये निर्देश दिया जाता है कि कोई व्यक्ति उपरोक्त नियमों के किसी भी धारा का उल्लंघन करेगा या करने में प्रोत्साहित करेगा उस व्यक्ति पर अर्थदण्ड लगाया जायेगा जो इस उपनियम में दिये गये निर्धारित शुल्क के दो गुना से दस गुना तक हो सकता है। यदि अपराध निरन्तर जारी रहेगा तो अतिरिक्त दण्ड लगाया जायेगा, जो प्रथम दोष सिद्ध होने की तिथि से या प्रमाणित हो जाने पर की अपराधी ने निरन्तर अपराध जारी रखा है तो 25 (पच्चीस रुपये) प्रतिदिन तक हो सकता है एवं जुर्माना के साथ-साथ तीन मास का कारावास तक का दण्ड सक्षम न्यायालय से दिया जा सकता है।

डॉ0 अनुपम सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

02 नवम्बर, 2022 ई0

सं0 98/उपविधि/न0पं0गौरा0/2022-23—उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर विकास अनुभाग-1 लखनऊ के शासनादेश सं0-6433/नौ-1-96 दिनांक 07 नवम्बर, 1996 के क्रम में नगर पंचायत गौराबादशाहपुर-जौनपुर अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 द्वारा धारा 301 के तहत सीमान्तर्गत मच्छरजनित एवं संक्रामक रोगों की रोक थाम एवं प्रबन्धन निमित्त विनियम उपविधि-2029 का प्राख्यान करती है जिसका विस्तार अर्धालिखित है। प्रस्तावित उपविधि पर यदि किसी को कोई भी आपत्ति/सुझाव हो तो अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव इस कार्यालय में 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि के उपरान्त कोई भी आपत्ति/सुझाव मान्य न होगी। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। उपविधि गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

1—(1) यह उपविधि नगर पंचायत (मच्छरजनक) स्थितियाँ पैदा करने वालो के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही उपविधि, 2022 कहलायेगी।

(2) यह नगर पंचायत की सीमा में प्रवृत्त होगी।

(3) यह गजट में प्रकाशन की दिनांक से प्रवृत्त मानी जायेगी।

**परिभाषाएं—**

- 2—(1) जब तक की सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस उपविधि में,  
(क) अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी से है।

**प्रतिषेध—**

3—कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में :—

- (1) पानी को ऐसे जमा नहीं होने देगा या बहने नहीं देगा कि जिससे मच्छर अपना प्रजनन (ब्रीडिंग) कर सके या उनके उसमें प्रजनन करने की सम्भावना हो।
- (2) इस क्षेत्र में न तो खुद पानी जमा होने देगा और न दूसरे को ऐसा करने की इजाजत या अनुमति देगा और न किसी भी प्रकार से पानी को वहां जमा या संचित होने देगा जिसमें मच्छर पैदा होते हो या उनके पैदा होने की सम्भावना हो। ऐसा वह उसी हालत में होने देगा जब उस पानी का इस प्रकार उपचार (ट्रीटमेंट) हो गया हो कि उसमें मच्छर पैदा ही न हो पाये।

**जन विज्ञापन—**

- 4—किसी भी स्थिर पानी बहते पानी के जल-निकाय (वाटर बाडी) में यदि लावे पाये तो वह इस बात के प्रमाण होंगे कि उस पानी में मच्छरों की ब्रीडिंग हो रही है।
- 5—(1) नगर स्वास्थ्य अधिकारी जिन रुके हुए या बहते हुए पानी के स्थानों में मच्छर पनप रहे हों, या उनके पनपने की सम्भावना हो, उस सभी के स्वामियों (ओनरो) अभिग्राहियों (आक्यूपायर्स) को लिखित नोटिस द्वारा सूचित करके निर्दिष्ट समय में जो (चौबीस घण्टों से कम नहीं) भौतिक रसायनिक अथवा जैविक किसी भी विधि से या अन्य किसी ऐसे उपयुक्त उपाय से जिसे नगर स्वास्थ्य अधिकारी उचित समझता हो, उन प्रजनन स्थलों को उपचारित (ट्रीट) करवायेगा।

**मच्छरों के प्रजनन स्थलों (ब्रीडिंग प्लेसेज) की कीटनाशक उपचार—**

- (2) यदि उपविधि (क) के अन्तर्गत अभिग्राही आक्यूपायर किरायेदार लीज आदि पर आवास लेने वाले) को नोटिस दिया जाता है और इसके विपरीत में कोई कारनामा व्यक्त (एक्सप्रेसड) या व्यजित (इम्प्लाइड) नहीं हुआ है तो मालिक से उसके द्वारा नोटिस में बताये गये उपायों पर खर्च की गई उचित धनराशि मांग सकता है अथवा उसे किराये में काट सकता है जो उसें मकान मालिक को देना है।

**व्यतिक्रम अथवा चक्र पर कार्यवाही—**

- 6—यदि उपविधि 5 (1) के अन्तर्गत वह व्यक्ति जिस पर नोटिस जारी किये गये हैं बताये गये उपायों करने से इन्कार देता है या नोटिस में निहित उपचार निर्दिष्ट समय में करवा सकता है और इसका खर्चा जैसी भी स्थिति मालिक या किरायेदार से वसूल कर सकता है मानों सम्पत्ति कर का बकाया हों।

**मच्छर रोधी संरचनाओं की सुरक्षा—**

- 7—किसी भी जमीन पर या भवन में मच्छरों के प्रजनन रोकने के लिए सरकार ने स्थानीय प्राधिकरण या सर्व निर्देश से अभिग्राही (आक्यूपायर) ने यदि कोई नियम करवाया है तो अधिशासी अधिकारी उस जमीन या भवन उपयोग किसी ऐसे काम के लिए रोक सकता है जो मच्छर-रोधी इन संरचनाओं को नुकसान पहुंचाने या कार्य कुशलता में गिरावाट लाये।

**मच्छर निवारण/नियंत्रण कार्य में दखल अन्दाजी या हस्तक्षेप पर रोक—**

- 8—अधिशासी अधिकारी की अनुमति बिना कोई भी व्यक्ति किसी भी निर्मित संरचना या सामग्री या वस्तु से जो उन स्थान पर या उन भवन में मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए मुख्य अधिशासी अधिकारी के आदेश से बनी हो या रखी किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा न उसे बिगाड़ेगा, नष्ट करेगा और बेकार करेगा। यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा इस उपविधि का उल्लंघन किया जाता है तो अधिशासी अधिकारी फिर उस रचना (स्ट्रक्चर) को बनवायेगा या उन सामग्री के स्थान पर नई सामग्री रखेगा और उसका खर्च उस व्यक्ति से वसूल करेगा मानों वह सम्पत्ति कर का बकाया हो।

**प्रत्येक पात्र—**

- 9—घर, भवन रेड (सायबान) या जमीन का मासिक या किरायेदार वहां पर कोई बोटल, बर्तन बाल्टी डिब्बा या अन्य कोई पात्र, साबुत या टूटा हुआ, इस तरह से नहीं रखेगा कि उसने पानी जमा होने की सम्भावना हो या पानी भरा रहे, जिससे उसमें मच्छर पैदा हो।
- 10—निर्माण कार्य जैसे सड़क निर्माण करने, रेलवे लाइन डालने, घाट बनाने के समय जमीन में खोदे गये गड्ढे (बोर पिट) इस प्रकार होंगे कि उनमें पानी न भरा रहें। जहां भी सम्भव और व्यवहार्य हो, इन बोर पिटों के किनारे को साफ रखा जाये। एक प्रतिशत का अतिरिक्त खर्चा इस काम के लिए किया जाये। बोर पिट के तले में इस प्रकार का ढाल और रूप दिया जाये कि नालियों से पानी एक बोर पिट से निकल कर

दूसरे में चला जाये और आखिर में सबसे समीप के नाले में गिर जाये। कोई भी व्यक्ति अलग से कोई बोर पिट नहीं बनवायेगा जिसमें पानी जमा हो और मच्छर पैदा हो।

11—यदि मच्छरों की रोकथाम की किसी योजना को कार्यान्वित करने के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का विवाद या मतभेद हो, या इन उपबन्धों के अन्तर्गत कोई ऐसा निर्माण कार्य हो जिसमें भारत सरकार तथा राज्य सरकार भी उलझी हो, तो इस मामले में भारत सरकार का फैसला अन्तिम होगा।

### स्वास्थ्य कर्मचारियों को परिसर (प्रेमिसेज) में प्रवेश करने और निरीक्षण करने का अधिकारी—

12—अधिकांशी अधिकारी उचित समय पर लिखित नोटिस या सूचना देने के बाद विवेक सम्मत समय पर घरों में प्रवेश कर सकेगा। अपने क्षेत्राधिकार की किसी जमीन या भवन में प्रवेश और इस या भवन का मालिक या किरायेदार जैसा भी हो, इस प्रवेश और निरीक्षण में अपनी पूरी सहायता देगा और वह सभी जानकारी देगा जिसकी मच्छर जनित रोगों/मलेरिया नियन्त्रण कार्य में जरूरत है।

नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर अपनी सीमान्तर्गत लागू उपविधि के किसी भी पैरा का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर आर्थिक दण्ड निर्धारित करते हुए प्रति प्रकरण रु0 200/— प्रतिदिन दण्ड के रूप में वसूल करेगी। यदि कोई व्यक्ति दण्ड देने में असमर्थ रहता है तो उसकी वसूली भू-राजस्व की भांति करने का अधिकार नगर पंचायत में निहित है।

डॉ० अनुपम सिंह,  
अधिकांशी अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

02 नवम्बर, 2022 ई0

सं० 100/न०पं० (उपविधियों)/भवन निर्माण/प्रकाशन/2022-23—उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर की बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा, धारा 298 (2) के उपखण्ड-(क) के तहत अपनी सीमा के अन्तर्गत भवन निर्माण उपविधि बनाई है। उपविधियों का प्रारूप उक्त एक्ट की धारा-301(1) की यथा अपेक्षा अनुसार सभी नगर निवासियों को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने के उद्देश्य से 15 दिवस के लिए प्रकाशित किया जाता है। सभी आपत्तियां एवं सुझाव अधिकांशी अधिकारी को सम्बोधित इस कार्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जायेगा जो नियत तिथि तक प्राप्त होंगे। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों एवं सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। इस उपविधियों से पूर्व यदि कोई उपविधि हो तो इस सीमा तक संशोधित या निरस्त समझा जायेगा। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। उपविधि गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

### भवन निर्माण उपविधि-2022

1—**शीर्षक**—यह उपविधि नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जनपद-जौनपुर भवन निर्माण उपविधि वर्ष-2022 कहलायेगी।

2—**प्रकृति**—यह उपविधि उत्तर प्रदेश साधारण गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जनपद-जौनपुर में प्रभावी रहेगी।

3—**परिभाषाएँ**—जब तक विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न हो इस उपविधियों में—

(1) “अधिनियम” का तात्पर्य उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम-संख्या-2, 1916 से है।

(2) “अधिकांशी अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर के अधिकांशी अधिकारी से है।

(3) “बोर्ड/समिति” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर के बोर्ड/समिति से है।

(4) “अध्यक्ष” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

(5) “नगर पंचायत” का तात्पर्य नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर से है।

(6) “नगर पंचायत की सीमाओं” का तात्पर्य वर्तमान में निर्धारित सीमाओं या भविष्य में बढ़ाने से निर्धारित होकर प्रभावी होने वाली सीमा से है।

4—**नोटिस**—यदि कोई व्यक्ति जो नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर की सीमा के अन्तर्गत किसी भवन अथवा भू-खण्ड का स्वामी है और किराये पर देने और विक्रय करने अथवा पट्टे पर देने का हक रखता है और उस पर निर्माण या परिवर्तन करना चाहता है तो वह उक्त एक्ट की धारा-178 के अन्तर्गत नगर पंचायत को निर्धारित प्रारूप में नोटिस देगा।

### नियम एवं शर्तें

नोटिस के साथ निम्नलिखित विवरण व मानचित्र संलग्न करना होगा:—

(क)—**स्थल का मानचित्र**—अनुज्ञा के प्रार्थना-पत्र के साथ प्रेषित मानचित्र एक मीटर बराबर एक सेंटीमीटर के पैमाने से कम नहीं खींचा जायेगा तथा उसमें निम्नलिखित विवरण प्रदर्शित होंगे :—

1-स्थल की सीमायें और उनकी माप तथा समीपवर्ती भूमि, जो उनके स्वामी की हो।

2-स्थल का नजरी नक्शा (की प्लान) तथा भू-विन्यास या भू-खण्डों का विभाजन।

3-समीपवर्ती सड़कों की स्थिति तथा सड़क/सड़कों के नाम जिन पर भवन स्थित है।

4-भूमि का स्वामित्व प्रमाण-पत्र।

5-विद्यमान सड़क से भवन तक तथा सभी भवनों तक जो प्रार्थी सीमावर्ती भूमि पर बनाना चाहता है, पहुंचने (यदि कोई हो) का मार्ग।

6-स्थल का क्षेत्रफल, कुर्सी का क्षेत्रफल, प्रत्येक फर्श का क्षेत्रफल।

7-प्रस्तावित भवन का विस्तृत मानचित्र जिसमें भवन सम्बन्धी समस्त विवरण अंकित हों।

8-यदि किसी बड़े भू-खण्ड पर कई आवासीय भवन पृथक्-पृथक् परिवार के लिए बनाये जाने हो तो सभी व्यक्तियों के आने-जाने हेतु अपनी भूमि से सार्वजनिक सड़क के रूप में जगह छोड़ी जायेगी, जिसे विकसित करना होगा।

**(ख)-भवनों का मानचित्र-**भवन के अगले भाग तथा खण्ड के विस्तृत मानचित्र जो नोटिस के साथ संलग्न हों, एक मीटर बराबर एक सेंटीमीटर के माप के खींचे होने चाहिए और उनमें विभिन्न रंगों में दिखलाया जाना चाहिए। मानचित्र में निम्नलिखित विवरण सम्मिलित होंगे:-

1-प्रति एक मंजिल का मानचित्र, प्रत्येक तल के आच्छादित भाग का विवरण, सभी कमरों, खिड़कियों, रोशनदानों, खुलने वाले दरवाजों, सीढ़ियों आदि को ठीक स्थिति तथा आकार।

2-नालियों, गटरों, जल निकासी, बिजली लाईन तथा अन्य जन प्रयोग की चीजों की स्थिति।

3-शौचकूप, स्नानागार, नाबदान जैसे सेवाओं की वास्तविक स्थिति।

4-मानचित्र में नवीन निर्माण, जिसके लिए प्रार्थना-पत्र प्रेषित किया जायेगा, लाल रंग तथा पुराना भवन नीले रंग से दिखाया जायेगा।

5-भू-खण्ड के क्षेत्रफल के आधार पर सेट बैक भवन का फ्रन्ट एलीवेशन, की प्लान, साइट प्लान, तलपट्ट मानचित्र, सर्विसेज प्लान आदि का विवरण।

6-मानचित्र में वाहन (दो पहिया/चार पहिया) जो हो खड़े करने का स्थान दर्शाना होगा।

7-मान्यता प्राप्त ड्राफ्टमैन/वास्तुविद् द्वारा निर्मित मानचित्र ही स्वीकार किये जायेंगे।

8-उत्तर रेखा तथा प्रयुक्त पैमाना।

**(ग) अन्य विवरण नोटिस के साथ निम्नलिखित विवरण रहेंगे -**

1-भवन का उद्देश्य-

(क) स्वयं रहने के लिए।

(ख) व्यवसाय व्यापार से सम्बन्धित।

(ग) उद्योग धन्धों के लिए।

(घ) रहने या दुकान के लिए, प्रार्थना-पत्र में दर्शाया जायेगा।

**5-प्लान-**इस प्रकार के नोटिस के साथ जो कि किसी भवन/भू-खण्ड के निर्माण, पुनः निर्माण अथवा परिवर्तन से सम्बन्धित है मानचित्र और विवरण दो प्रतियों में संलग्न करेगा। मानचित्र ट्रेसिंग क्लार्क एवं ब्लू प्रिंट में होगा तथा भवन मानचित्र शुल्क जमा की रसीद संलग्न करेगा।

**6-मानचित्र अस्वीकृत होने की दशा में जमा शुल्क का 25 प्रतिशत धनराशि स्टेशनरी शुल्क के रूप में रोक ली जायेगी तथा शेष 75 प्रतिशत धनराशि वापस कर दी जायेगी।**

**7-शुल्क उपनियम-4 में दर्शाया गया मानचित्र पर निम्न शुल्क अदा करना होगा :-**

क्र0	भवन/भू-खण्ड का प्रकार	भू-तल प्रति वर्ग फिट	अतिरिक्त तल प्रति वर्ग फिट
1	2	3	4
		रु0	रु0
1	निवासीय भवन (कवर्ड एरिया)	10.00	05.00
2	निवासीय भवन (ओपन एरिया)	06.00	03.00
3	व्यवसायिक भवन दुकान (कवर्ड एरिया)	20.00	10.00
4	व्यवसायिक भवन दुकान (ओपन एरिया)	15.00	08.00
5	वर्कशाप, फैक्ट्री, कारखाना आदि (कवर्ड एरिया)	30.00	15.00
6	वर्कशाप, फैक्ट्री, कारखाना आदि (ओपन एरिया)	20.00	10.00
7	भूखण्ड/प्लॉटिंग एरिया	05.00	00.00

- (1) मानचित्र स्वीकृत करने का न्यूनतम शुल्क रु0 5,000.00 या उपर्युक्त दरों के आधार पर जो अधिकतम होगा देय होगा।
- (2) प्लॉटिंग एरिया के आवासीय क्षेत्रफल पर ही शुल्क देय होगा।

**नोट**—पूर्व से निर्मित भवनों का भी मानचित्र दरों पर उपविधि में निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन करने पर स्वीकृत किया जायेगा।

1—प्रतिबन्ध यह है कि मुख्य भवन का कवर्ड एरिया एवं ओपन एरिया पर निर्धारित शुल्क होगा।

2—नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-181 के अन्तर्गत यह स्वीकृति एक वर्ष के लिए मान्य होगी।

3—सार्वजनिक मार्ग पर किसी भी प्रकार का प्रोजेक्शन स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

5—भूतल पर सड़क की ओर रहने वाले दरवाजे (किवाड) भीतर की ओर खुलेंगे।

6—यदि प्रस्तावित निर्माण सार्वजनिक सड़क के सामने किया जाता है तो सड़क की पटरी से 1.20 मीटर चौड़ा रास्ता छोड़ कर निर्माण की स्वीकृति दी जायेगी।

7—धार्मिक स्थल मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा इसी प्रकार अन्य धार्मिक स्थलों की स्वीकृति शासन की अनुमति के उपरान्त तथा धार्मिक स्थल के बीच से 7.50 मीटर से कम की दूरी न हो तथा प्रस्तावित धार्मिक स्थल किसी अन्य धार्मिक स्थल से 100 मीटर की दूरी पर न हो।

8—विद्युत् लाईन का विस्तार/परिवर्तन विद्युत् विभाग की अनुमति के उपरान्त ही होगा।

9—200 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल में बनने वाले घरों या व्यवसायिक प्रतिष्ठान आदि का मानचित्र वर्षा जल प्रबन्धन की व्यवस्था मानचित्र पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

10—किसी भी व्यवसायिक प्रतिष्ठान के निर्माण हेतु पार्किंग की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।

**8—शौचालय एवं गन्दे पानी का निकास**—ऐसे व्यक्ति जो भवन का निर्माण ऐसे स्थान पर करेगा जो की सार्वजनिक नाली से 30 मीटर के भीतर होगा, तो उसे अपने भवन के पानी की नाली को सार्वजनिक नाली तक स्वयं मिलाना होगा।

**9—भवन में फ्लश/लैट्रिंग लगाना अनिवार्य होगा बिना फ्लश/लैट्रिंग के मानचित्र की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।**

**10—नालियों**—भवन की नालियों सीमेन्ट कंक्रीट द्वारा मजबूत व पक्की नालियों बनायी जायेगी तथा सार्वजनिक नालियों से इसका जुड़ा होना भवन स्वामियों के लिए आवश्यक होगा तथा बारिश के पानी को छतों से उतारने हेतु पाईप लगाने होंगे।

**11—पिलिन्थ (कुर्सी)**—भवन का पिलिन्थ भवन के सामने की सड़क से कम से कम 0.50 मीटर ऊँचा रखना होगा।

**12—भवन की ऊँचाई**—भूतल से फर्श छत पर ऊँचाई 3.00 मीटर तथा ऊपर के अन्य तलों पर कम से कम 2.70 मीटर रखनी होगी।

**13—(क)**—भवन की किनारे व्यक्तियों के रहने के कमरों का क्षेत्रफल कम से कम 7.20 वर्गमीटर होगा तथा कमरे की चौड़ाई कम से कम 2.40 मीटर रखी जायेगी।

**(ख)**—कमरे में समुचित जंगलों और वेन्टीनेशनों की व्यवस्था करनी होगी जो कि खुले स्थान में होंगे तथा इनका क्षेत्रफल कमरे के क्षेत्रफल से 01/01 से कम नहीं होगा।

**(ग)**—जंगले इस प्रकार बनाये जायेंगे कि इनको पूरा खोला जा सके।

**(घ)**—जीना-बहु मंजिले भवनों में हवादार जीने का निर्माण आवश्यक होगा, जीने की चौड़ाई 90 सेन्टी मी0 से कम नहीं होनी चाहिए, जिससे रोशनी की समुचित व्यवस्था हो।

**14—किसी ऐसे भू-खण्ड पर निवासीय भवन निर्माण की स्वीकृति नहीं दी जायेगी, जिसकी चौड़ाई 2.50 मीटर तथा लम्बाई (गहराई) 5.00 मीटर से कम होगी।**

**15—जानवरों का बाड़े की फर्श पक्की तथा ढालदार बनाना होगा।**

**16—जब सक्षम अधिकारी यह निश्चित कर लेगा कि प्रस्तावित भवन इस उपविधि से सम्बन्धित सभी शर्तों को पूरा करता है तो वह मानचित्र को स्वीकृति प्रदान करेगा।**

**17—निकाय/बोर्ड** उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-186 के अन्तर्गत किसी निर्माण कार्य निर्माण कार्य को रोकने तथा निर्मित भवन को गिरा देने का अधिकार होगा जब भवन स्वामी या अभ्यासी को किसी भवन या भवन के नाम के निर्माण, पुनःनिर्माण या परिवर्तन अथवा विस्तार किसी ऐसे दशा में जहाँ निकाय/बोर्ड का यह विचार हो कि इस प्रकार का निर्माण, पुनःनिर्माण, परिवर्तन या विस्तार धारा-185 के अधीन कोई अपराध है, तो भवन स्वामी को लिखित नोटिस देकर रोकने का निर्देश दे सकता है और इसी प्रकार यथास्थिति ऐसे भवन या भवन के भाग में परिवर्तन करने या उसे गिरा देने का जिसे वह आवश्यक समझे, निर्देश दे सकता है।



**शास्ति**

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 (अधिनियम-2, 1916 की धारा-299(1)) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर यह निर्देश देती है कि उपरोक्त उपविधियों के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड किया जायेगा। जो रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये मात्र) तक हो सकता है। यदि उल्लंघन निरन्तर चला आ रहा हो तो रु0 25.00 (पच्चीस रुपये मात्र) अर्थदण्ड प्रतिदिन उपरोक्त के किया जायेगा।

डॉ0 अनुपम सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

02 नवम्बर, 2022 ई0

सं0 101/न0पं0गौरा0/यू0चा0 नियमावली/अधि0/2022-23—नगर क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिये नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जौनपुर अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 में निहित प्राविधानों के अधीन निम्न प्रकार उपविधि बनाने के लिये सुझाव व आपत्ति प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर आपत्ति/सुझाव माँगे जा रहे हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 के अधीन नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु यह उपविधि बनती है। यह उपविधि ठोस अपशिष्ट प्रबन्ध (प्रबन्धन व हथालन) उपविधि, 2021 कहलायी जायेगी। उपविधि गजट प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी।

**नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जनपद-जौनपुर में एस0बी0एम0 के अन्तर्गत यूजर चार्ज नियमावली, 2022**

(अ) यह नियमावली ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि, 2022 कहलायेगी।

(ब) यह उपविधि नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर सीमान्तर्गत लागू होगी।

(स) अधिनियम का तात्पर्य नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।

(द) इस नियमावली में अधिशाली अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत के अधिशाली अधिकारी से है।

**प्राधिकारी का अर्थ**—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर के अधिशाली अधिकारी से होगा।

**प्राधिकारी संस्था**—नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर से है।

**क्षेत्र**—यह उपविधि नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर की सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में समान रूप से प्रभावशाली होगी।

1—समस्त निवासियों के लिये यह अनिवार्य होगा कि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में उल्लिखित नियमों के अनुसार अपने स्थल पर उत्सर्जित/उनके द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट को उद्गम स्थल पर तीन हिस्सों में गीला सूखा एवं परिसंकटमय अपशिष्टों में तीन क्रमशः हरा, नीला व लाल, ढक्कननुमा कचरा पात्र में भण्डारित करना होगा व दिन में एक बार ही नगर पंचायत गौराबादशाहपुर जनपद-जौनपुर द्वारा निर्धारित कूड़ा चुनने वाले अथवा डोर टू-डोर अपशिष्ट संग्रहकर्ता को निर्धारित मासिक शुल्क देकर निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। ताकि आम सड़कों मार्गों पर नगर पंचायत द्वारा स्वच्छ करने के पश्चात् किसी प्रकार की गंदगी कूड़ा-करकट नहीं फैले।

2—कोई व्यक्ति व संस्था निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट को पृथक् रूप से अपने परिसर में भंडारित करेगा एवं Construction and Demolition Waste Rule, 2016 के अनुसार निपटान करेगा।

3—नगर में स्थित सभी को-आपरेटिव सोसाइटीज, एसोसिएशन आवासीय एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रबन्धन की यह जिम्मेदारी होगी कि वे आवश्यक घनत्व में उपर्युक्त स्थान पर आवश्यक संख्या में अपने स्वयं के कंटेनर (नीला व हरा रंग के) स्थापित करेंगे जिनमें दैनिक उत्सर्जित कचरे का पृथक्-2 भंडारण हो सके जिसका निस्तारण नगर पंचायत द्वारा निर्धारित देय यूजर चार्ज देकर करायेगा।

4-कोई भी व्यक्ति/नागरिक अपशिष्ट को गली/मार्गों व खुले सार्वजनिक स्थानों नाली/नाला या जलाशयों में न फेंकेगा, न जलायेगा और न ही गाड़ेगा। उपविधि का पालन न करने की दशा में रु0 5,000/- का जुर्माना वसूल किया जायेगा अथवा न्यायालय में अभियोग दायर किया जा सकेगा।

5-कोई भी व्यक्ति/नागरिक अपने आवास के समीप खाली स्थानों पर कूड़ा नहीं डालेगा न डालने देगा कूड़े के समीप निवासी को जिम्मेदार समझा जायेगा, जिसके लिये निकाय निर्धारित चालान करने में समर्थ होगा एवं अभियोग दायर किया जा सकेगा।

6-बूचड़ खानों, मांस-मछली बजारों, फल एवं सब्जी बाजारों के अपशिष्ट जो जैव निम्नकरणीय प्रवृत्ति का होता है का प्रबंध ऐसी रीति से किया जायेगा कि ऐसे अपशिष्ट को उपयोग में लाया जा सके ऐसे व्यवसायियों को इस प्रकार के अपशिष्ट को पृथक् से एकत्र करने एवं नगर पंचायत के कलेक्शन वाहन को प्रतिदिन हैण्ड ओवर करने का प्रबंध करते हुए नियमानुसार नगर पंचायत को मासिक यूजर चार्ज देकर निस्तारण सुनिश्चित कराना होगा।

7-अस्पतालों, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक, लैबोरेटरी आदि द्वारा जैव चिकित्सीय को नगरीय ठोस अपशिष्ट के साथ नहीं मिलाया जायेगा। अस्पतालों, नर्सिंग होम्स एवं क्लीनिक आदि के प्रबंधन द्वारा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट नियम, 2016 का अक्षरशः अनुपालन करना होगा, तथा अन्य कूड़े को नगर पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज देते हुए नगर पंचायत के व्यवस्थानुसार कराया जायेगा।

8-कोई भी व्यक्ति/निवासी अपने परिसर से उत्पन्न कृषि उद्यान अपशिष्ट को अपने ही परिसर में पृथक् रूप से भण्डारित करेगा और समय-समय पर नगर निकाय द्वारा निर्धारित शुल्क (यूजर चार्ज) देकर निपटान करेगा।

9-कोई भी व्यक्ति/व्यवसायी निर्माण सामग्री को किसी दशा में सार्वजनिक स्थान पर नहीं डालेगा। अनाधिकृत रूप से निजी मलवा/सामग्री डालना अधिनियम व नियमों के तहत दण्डनीय अपराध होगा।

10-अपशिष्ट कूड़ा करकट सूखी पत्तियों को जलाया नहीं जायेगा।

11-कोई व्यक्ति अग्रिम रूप से कम से कम तीन दिवस पूर्व स्थानीय निकाय/नगर पंचायत को सूचित किये बगैर किसी गैर अनुज्ञप्ति वाले स्थान पर एक सौ व्यक्ति से अधिक का ऐसा कोई आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा और पृथक् अपशिष्ट को पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज जमा कर नियोजित अपशिष्ट संग्रहण अधिकरण को सौंपेगा।

12-मार्ग विक्रेता जिसके अन्तर्गत फेरीवाला, गली की लेन, सार्वजनिक पार्कों, सार्वजनिक स्थानों या प्राइवेट स्थानों पर अस्थाई निर्मित संरचना पट या घूम-2 कर व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को उनके द्वारा उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के निपटान हेतु ढक्कन युक्त कूड़ा पात्र रखना होगा।

13-कोई भी व्यक्ति नगर पंचायत द्वारा स्थापित अपशिष्ट कूड़ेदान के बाहर कूड़ा नहीं फेंकेगा। निर्धारित कूड़ेदान में निर्धारित अपशिष्ट डालेगा।

14-पशुओं को अपशिष्ट कूड़ादान स्थलों अथवा शहर के किसी अन्य स्थान के आस-पास घूमने नहीं दिया जायेगा इसका अधिकृत क्षेत्र/स्थल पर ही प्रबंध करना होगा।

15-कोई भी व्यक्ति अपने भवन संस्थान व्यापारिक प्रतिष्ठान से गन्दा पानी, कीचड़ पानी, नाईट स्वाइल, गोबर, मलमूत्र, दूषित जल अपने परिसर में किसी प्रकार एकत्रित नहीं करेगा न सार्वजनिक मार्गों एवं नालियों में बहने देगा जिससे वातावरण दुर्गन्ध से प्रदूषित हो व जन स्वास्थ्य को हानि होने की संभावना हो अथवा आवागमन में बाधक हो अन्यथा उसके विरुद्ध जुर्माना वसूल किया जा सकेगा एवं न्यायालय में अभियोजन किया जा सकेगा।

16-कोई व्यक्ति किसी प्रकार का मृत मवेशी अथवा उसके अवशेष सार्वजनिक स्थानों इत्यादि पर नहीं डालेगा। नगर पंचायत को निर्धारित यूजर चार्ज देकर उसका निपटान करायेगा।

17-नगर पंचायत सीमा के अन्दर खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों से पाँच सौ रुपये एवं पेशाब करने वाले व्यक्तियों पर सौ रुपये जुर्माना वसूला जायेगा। जिसकी अदायगी व्यक्तियों को तुरन्त करनी होगी।

18-यह कि माननीय उच्च न्यायालय की सुनवाई दिनांक 09 नवम्बर, 2016 व नगर विकास अनुभाग-5 के आदेश संख्या 3595/नौ-5-2016-29/2014 दिनांक 08 नवम्बर, 2016 के अनुपालन में सड़क के किनारे भवन निर्माण अवशेष रखने पर रु0 50,000/- का आर्थिक दण्ड वसूल किया जायेगा।

19-कोई भी व्यक्ति/निवासी सरकारी भवनों, चौराहों एवं दीवारों व गेटों पर निजी या व्यापारिक प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर व स्लोगन नहीं लिखायेगा।

घर-घर कचरा संग्रहण योजना के तहत घर-घर कचरा एकत्रित करने हेतु निम्नानुसार दरें तय की जाती हैं।

क्र० सं०	उपभोक्ता की श्रेणी	यूजर चार्ज (उपभोक्ता द्वारा) प्रतिमाह नगर पंचायत गौराबादशाहपुर क्षेत्र
1	2	3
		रु० प्रतिमाह
1	गेस्ट हाउस	500.00
2	हॉस्टल	400.00
3	व्यावसायिक कार्यालय, सरकारी कार्यालय, बैंक, बीमा कार्यालय, होटल रेस्टोरेंट।	500.00
4	नर्सिंग होम (50 बेड तक)	1,500.00
5	नर्सिंग होम (50 बेड से अधिक)	3,000.00
6	छोटे उद्योग (10 किलो कूड़ा प्रतिदिन)	500.00
7	गोदाम, कोल्ड स्टोर (कूड़ा)	1,000.00
8	बारातघर, धर्मशाला (3000 वर्ग मीटर तक)	1,500.00
9	बारातघर, धर्मशाला (3000 वर्ग मीटर से अधिक)	4,000.00
10	दो पहिया वाहन एजेन्सी	300.00
11	चार पहिया वाहन एजेन्सी	500.00
12	व्यावसायिक काम्पलेक्स अथवा मार्केट	1,000.00
13	माल	1,500.00
14	रिहायशी मकान (डोर टू-डोर कलेक्शन)	50.00
15	हलवाई, चाट, पकौड़ी, फास्ट फूड, आइसक्रीम, गन्ने का रस एवं अन्य जूस, सब्जी एवं फ्रूट आदि ठेला व्यवसायियों पर	100.00
16	निजी खाली प्लॉट पर पड़े कूड़ा-करकट की सफाई कराने हेतु (3000 वर्ग फीट तक)	2,000.00 प्रति प्रकरण

#### नगर पंचायत की शक्ति

- नगर पंचायत क्षेत्र में नगरीय ठोस अपशिष्टों या कूड़ा-करकट फैलाना प्रतिशोध होगा यदि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों, मार्गों, निजी खुले स्थानों, पार्कों, पानी के स्रोतों इत्यादि पर गंदगी कूड़ा, करकट फैलाते व रखते पाया जाता है, तो प्राधिकृत अधिकारी जो निरीक्षक के स्तर से कम का नहीं हो अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिकृत कर्मचारी संलग्न "अनुसूची-अ" में घोषित/समय पर निकाय द्वारा निर्धारित जुर्माना (कैरिंग चार्ज) ऐसे दोषी व्यक्तियों से मौके पर ही वसूल करने में सक्षम होगा।
- नियम को लागू कराने हेतु जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी द्वारा इसे सख्ती से लागू कराया जायेगा। लागू कराने में असक्षम/लापारवाह/असमर्थ कर्मचारी के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम, 1916 में उल्लेखित नियमों के अधीन सख्त कार्यवाही का अधिकार "प्राधिकारी" को होगा।

#### "अनुसूची-अ"

उपविधियों के उल्लंघन में किये गये कृत्यों के लिए निर्धारित कैरिंग चार्ज।

क्र० सं०	कृत्य	धनराशि प्रतिदिन
1	2	3
		रु०
1	रिहायशी भवनों के निवासियों	100.00
2	दुकानदारों द्वारा कचरा डालने पर	500.00
3	रेस्टोरेंट मालिकों द्वारा खुला कचरा डालने पर	1,000.00
4	होटल मालिकों द्वारा कचरा डालने पर	1,500.00

1	2	3
		रु0
5	औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा कचरा डालने पर	5,000.00
7	सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने वालों पर	100.00
8	गोबर सार्वजनिक स्थान पर डालने पर	500.00
9	निजी मकान, दुकान इत्यादि के निर्माण का मलबा, निर्माण सामग्री ईट, सीमेंट लोहा, पत्थर सरकारी भूमि पर डालने पर।	1,000.00
10	निजी ट्रैक्टरों द्वारा बजरी, कचरा मलबा, गोबर इत्यादि परिवहन करते हुए नगर पंचायत की सड़को पर अपनी सामग्री बिखेरने व गन्दगी फैलाने पर	2,000.00
11	सरकारी भवनों, चौराहों एवं दीवारों व उनके गेटो पर निजी वाणिज्य प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर चिपकाने, स्लोगन लिखकर सरकारी दीवारे ऐतिहासिक भवनों की सुन्दरता को खराब करने व बैनर्स लगाने पर उस संस्था के मालिक अथवा मौके पर पाये गये व्यक्ति से (प्रत्येक कृत्य पर)	2,000.00
12	बिना सक्षम स्वीकृति के रोडकट करने पर	5,000.00
13	अपने मकानों का गन्दे पानी का निकास आम सड़क पर करने पर	1,000.00
14	अपने मकान भवन की सीवरेज की गन्दगी आम नाली/नाले में बहाने पर	5,000.00
15	क्रमांक 02 से 06 तक वर्णित व्यवसायों द्वारा अपने व्यवसाय स्थल का कचरा एकत्रित रखने के निर्धारित ढक्कनदार कचरा पात्र आवश्यक क्षमता का नहीं रखने पर।	1,000.00
16	दुकान अथवा ठेला व्यवसायों द्वारा सड़क पर बैठकर स्कूटर व साईकिल रिपेरिंग कर आयल मिट्टी व पानी फैलाकर गन्दगी करने पर।	1,000.00
17	मीट की दुकानों के सामने दुकानदार द्वारा काटे गये जानवरों की हड्डियाँ, मलबा, मलीदा, खून, मुर्गे के पंख, अण्डों के छिलके इत्यादि सड़क पर व आम रास्ते/रास्तों में डालकर गन्दगी फैलाने पर।	2,000.00
18	आम रास्ता सड़क व मकान के सामने गाय, भैस, बकरी, कुत्ते, भेड़, ऊंट गधा, सुअर इत्यादि पालतू जानवरों से गन्दगी फैलाने पर।	500.00 जानवर
19	शादी/विवाह स्थलों के बाहर कचरा डालने पर।	2,500.00
20	आम रास्ता सड़क पर खुले में या टेन्ट लगाकर खुले आम मांस-मछली पकाने व अंश सड़क पर डालने व गन्दगी फैलाने पर	2,000.00
21	सार्वजनिक स्थान, जमीन व सड़क के किनारे बैठकर सब्जिया बेचकर छिलके व अंश सड़क पर डालने व गन्दगी पर।	200.00
22	हेयर कटिंग सैलून वालों द्वारा आम रास्ता व सड़क पर गन्दगी बाल इत्यादि डालने पर।	200.00
23	दुकानदारों अथवा व्यावसायिक द्वारा आम सड़क अथवा जमीन पर अतिक्रमण कर भवन सामग्री डालकर व्यवसाय करने पर।	5,000.00 उपविधियों का लगातार उल्लंघन करने पर अभियोजन भी चलाया जा सकेगा।
24	आम रास्ता सड़क फुटपाथ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय ढाबा चलाकर गन्दगी फैलाने पर।	1,000.00
25	प्राईवेट अस्पताल, नर्सिंग होम क्लीनिक जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय ढाबा चलाकर गन्दगी डालकर गन्दगी फैलाने पर।	2,000.00
26	खुले में शौच जाने पर	500.00

डॉ० अनुपम सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।

## कार्यालय, नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 203/न0प0ल0/बायलॉज/2022-23-उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में “विविध कर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022 प्रस्तावित करती है। उपरोक्त नियमावली के धारा 301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात्, उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर किसी व्यक्ति/समूह को आपत्ति हो या सुझाव हो तो अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के कार्यालय में प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अन्दर प्राप्त करा सकता है, जिसका नियमानुसार निस्तारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया जायेगा परन्तु 15 दिन के बाद प्राप्त आपत्तियों व सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के निस्तारण के उपरान्त प्रस्तावित “विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली-2022” उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

### “विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022”

शासनादेश सं0 2399/नौ-9-94-204 (जनरल)/90 दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 के अनुपालन में उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 जो नगर पंचायत, पर प्रवृत्त है, के अंतर्गत नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर में विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022 कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है—

#### 1—संक्षिप्त नाम, प्रसार एवं प्रारम्भ—

- (1) यह उपविधि विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2022 कहलायेगी।
- (2) यह नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर की सीमा में प्रवृत्त होगी।
- (3) यह उपविधि उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर में प्रवृत्त होगी।

#### 2—परिभाषाये—उपरोक्त नियमावली में विषय या प्रयोग में कोई शर्त प्रतिकूल न होने पर इस अधिनियम में उल्लिखित शब्द का अर्थ यह पढ़ा व समझा जाये—

- (1) “अध्यक्ष/प्रशासक” का तात्पर्य “नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के अध्यक्ष/प्रशासक से है।
- (2) “अधिशाली अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के अधिशाली अधिकारी से है।
- (3) “प्रभारी अधिकारी” का तात्पर्य, नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के प्रभारी अधिकारी से है।
- (4) “लाइसेंसिंग अधिकारी” का तात्पर्य, नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के लाइसेंसिंग अधिकारी से है।
- (5) “अधिनियम” का तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।
- (6) “नगर पंचायत” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर से है।

#### 3—उपनियम—

- (1) इस उपनियम के अन्तर्गत कोई भी दुकानदार व अन्य व्यवसायी लाइसेंस प्राप्त किये बिना अपनी दुकान/व्यवसाय नहीं चला सकेगा एवं इस उपनियम के लागू होने के पूर्व चल रहे समस्त दुकान/व्यवसाय का लाइसेन्स दुकानदार/व्यवसायी को प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- (2) इस उपनियम के अन्तर्गत प्राप्त लाइसेन्स की अवधि 03 वर्ष की होगी जो 01 अप्रैल से लागू हो 31 मार्च को समाप्त होगी।
- (3) प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी को पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क की धनराशि को अदा करके लाइसेन्स प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- (4) दुकानदार/व्यवसायी को लाइसेन्स प्राप्त करने के लिए अपेक्षित धनराशि कार्यालय, नगर पंचायत लम्भुआ में जमा कर अथवा पंचायत कार्यालय द्वारा अधिकृत कर्मचारी को जमा करके रसीद प्राप्त कर सकता है।
- (5) दुकानदार/व्यवसायी को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बॉटों का मापों में प्रयोग करना अनिवार्य होगा।
- (6) इस उपनियम के अन्तर्गत प्राप्त लाइसेन्स केन्द्र/राज्य सरकार/अन्य किसी विधिक संस्था द्वारा तालिका में उल्लिखित व्यवसायों के नियन्त्रण हेतु प्राप्त लाइसेन्स से भिन्न होगा।
- (7) कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी छुआ-छूत की बीमारी से ग्रस्त है, वह उल्लिखित तालिका में वर्णित व्यवसाय नहीं करेगा एवं ऐसे व्यक्ति को उल्लिखित व्यवसायों में सहायक अथवा नौकर भी रखने का अधिकार नहीं होगा।

- (8) नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के अध्यक्ष/प्रशासक/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी/अधिकृत कर्मचारी किसी भी समय दुकान के लाइसेन्स का निरीक्षण कर सकते हैं और प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी लाइसेन्स दिखाने के लिए बाध्य होंगे तथा प्रत्येक दुकान के अन्दर आवश्यक स्थिति में प्रवेश के लिए अधिकृत होंगे।
- (9) अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के द्वारा लाइसेन्स निर्गत किया जायेगा।
- (10) जो शुल्क इस तालिका में नहीं है उसे सम्बन्धित व्यवसाय के समकक्ष मानकर उसी के अनुरूप लाइसेंस शुल्क लिया जायेगा।
- (11) इस उपनियम के प्रभावी होते ही पूर्व में प्रभावी फैक्ट्री/दुकान/वाहन लाइसेन्स उपनियमावली की शुल्क की दरें स्वतः निरस्त हो जायेंगी।
- (12) वाहन के लाइसेंस न बनाने अथवा चेकिंग में पकड़े जाने पर वाहन जमा कराकर इसे अधिकृत कर्मचारी रसीद दे देंगे तथा वाहन बन्द किये जा सकते हैं तत्पश्चात् 15 दिन में लाइसेन्स न बनवाने पर लाइसेंसिंग अधिकारी द्वारा उक्त वाहनों की सार्वजनिक नीलामी करायी जा सकती है।
- (13) उपनियमों में संशोधन पंचायत बोर्ड किसी भी समय कर सकता है, एवं शर्तों के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश आवश्यकतानुसार किसी भी समय निर्गत किये जा सकते हैं।
- (14) वित्तीय वर्ष के माह-जून तक प्रत्येक दुकानदार/व्यवसायी को लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा अन्यथा उनसे प्रतिमाह रु0 100.00 विलम्ब शुल्क के रूप में वसूल किया जायेगा।
- (15) दुकानदार/व्यवसायी द्वारा लाइसेंस शुल्क वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्दर जमा नहीं करने पर इसकी वसूली भू-राजस्व की भाँति करायी जायेगी।
- (16) नगर पंचायत बोर्ड/शासनादेश के निर्णयानुसार लागू लाइसेंस शुल्क में आवश्यक वृद्धि की जा सकती है।
- (17) दुकानदार/व्यवसायी अपना व्यवसाय/दुकान चाहे अपने निजी मकान/दुकान/खुली जमीन अथवा किराये के मकान/दुकान/खुली जमीन पर करता है, उसे अपने दुकान/व्यवसाय के अनुरूप लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा।
- (18) सक्षम अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी लाइसेंस को किसी भी समय निरस्त कर सकता है अथवा उचित नहीं होने पर लाइसेंस देने से इन्कार करने का अधिकार होगा।
- (19) व्यवसायिक लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु अन्य आवंटन विभागों से एन0ओ0सी0 इत्यादि प्राप्त करने की समस्त जिम्मेदारी आवेदक की होगी।

**4-लाइसेंस शुल्क**—शासनादेश सं0 541/नौ-9-99-23ज/97टी0सी0 दिनांक 15 फरवरी, 1999 समहित सं0 1241/नौ-9-98-23ज/97 दिनांक 10 जून 1998 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298, के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये लाइसेंस शुल्क (35 मद) अनुसूची दरें वसूली प्रभाव रहेगा।

**वार्षिक दरें—**

क्र0सं0	दुकान/व्यवसाय का नाम	लाइसेंस हेतु निर्धारित दरें प्रति वर्ष
1	2	3
		रु0
01	पॉच सितारा होटल	12,000.00
02	तीन सितारा होटल	9,000.00
03	होटल/लॉजिंग/गेस्ट हाऊस (10 शैय्या तक)	900.00
04	प्राइवेट नर्सिंग होम (20 बेड से ऊपर)	5,000.00
05	प्राइवेट नर्सिंग होम (20 बेड तक)	3,000.00
06	प्राइवेट प्रसूति गृह (20 बेड से ऊपर)	5,000.00
07	प्राइवेट प्रसूति गृह (20 बेड तक)	3,000.00
08	प्राइवेट अस्पताल (बिना ऑपरेशन)	2,000.00
09	प्राइवेट अस्पताल (ऑपरेशन युक्त)	5,000.00
10	एक्स-रे क्लीनिक	2,000.00
11	पैथालॉजी सेन्टर	2,000.00
12	प्राइवेट क्लीनिक	1,000.00

1	2	3
		रु0
13	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 07 सीटर तक	500.00
14	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 04 सीटर	250.00
15	ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा 02 सीटर	150.00
16	बस	1,500.00
17	मिनी बस	1,000.00
18	टैम्पो/जीप/टैक्सी आदि	500.00
19	तोंगा	30.00
20	रिक्शा किराये पर चालित	100.00
21	रिक्शा निजी चालित	50.00
22	रिक्शा चालक शुल्क	20.00
23	ठेला	75.00
24	हाथ ठेला	20.00
25	ट्रॉली मशीन चालित	500.00
26	अन्य चार पहिया व्यापारिक वाहन	750.00
27	धुलाई गृह लॉण्ड्री	500.00
28	ड्राई क्लीनर लॉण्ड्री	1,000.00
29	फाइनेन्स कम्पनी	10,000.00
30	इश्योरेंस कम्पनी	15,000.00
31	फाउण्डिंग इण्डस्ट्रीज	500.00
32	पशु स्लाटर हाउस (प्रति पशु)	50.00
33	हड्डी/खाल/बाल गोदाम	1,000.00
34	पशु पालन (प्रति पशु)	10.00
35	कांजी हाउस में बन्द जानवरों पर जुर्माना	500.00
	(क) प्रतिदिन खुराकी बड़े जानवर	100.00
	(ख) प्रतिदिन खुराकी छोटे जानवर	50.00

**5-जलमूल्य वसूली-**

- (1) उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश सं0 1010-19-2-96(2)-96 दिनांक 08 जनवरी, 1997 के द्वारा नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 298 के अंतर्गत की निम्नवत् दरें प्रस्तावित हैं-

क्रमांक	घरेलू संसोधित दरें (रु0 प्रतिमाह) वर्तमान
1	3
1	रु0 50.00
	व्यावसायिक संसोधित दरें (रु0 प्रतिमाह) वर्तमान
2	रु0 100.00

- (2) नगर पंचायत के अन्तर्गत ऐसे भवन स्वामियों के घरेलू समरसेविल पानी का उपयोग करते हैं का वार्षिक शुल्क रु0 1,000.00 देय होगा।
- (3) ऐसे भवन स्वामी जो व्यावसायिक समरसेविल का प्रयोग करते हैं वार्षिक मूल्य रु0 2,000.00 देय होगा।
- (4) वसूली अवधि 01 अप्रैल से 31 मार्च होगी।
- (5) नगर पंचायत वार्षिक बिल वितरण कराकर वसूली करायेगी।
- (6) नगर पंचायत समुचित अभिलेखों को प्रत्येक वित्तीय वर्षवार अनुरक्षित रखेगी, जिसमें डिमाण्ड रजिस्टर को तैयार कराना तथा निर्धारित समय में बिल तैयार कर वितरित करना।

**6-शो टैक्स**—नगर पंचायत लम्बुआ सीमान्तर्गत मनोरंजन के माध्यम से फिल्म प्रदर्शित किया जाता है तो ऐसे स्वामियों से रु0 50.00 प्रति शो की दर से वसूला जायेगा।

**7-विज्ञापन शुल्क**—सचिव, उत्तर प्रदेश, नगर विकास अनुभाग-9 शासनादेश सं0 618/नौ-9-2012-277ज/2011 दिनांक 05 अप्रैल, 2012 के द्वारा विज्ञापन/प्रचार के संबंध में दिशा निर्देश—

- (1) विज्ञापन या विज्ञापन पट के लिये ऐसे स्थल चिन्हित किये जायेंगे जो प्रत्येक दृष्टि से निरापद, निर्वाद, गमनागम और सुगम यातायात के लिये सर्वथा उपयुक्त हो।
- (2) विज्ञापन पटों की सुदृढ़ता प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जाये ताकि कोई दुर्घटना न होने पाये।
- (3) विज्ञापन को वृक्षों, बल्लियों, बॉस या लकड़ियों से बांधा नहीं जायेगा। उस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि विज्ञापन से आस-पास के कलात्मक सौन्दर्य नष्ट न हो और लोक सम्पत्ति किसी भी प्रकार से विरूपित न हो।
- (4) विज्ञापन कर रु0 6.00 प्रति वर्गफुट प्रतिमाह देय है।
- (5) कोई भी विज्ञापन या विज्ञापन पट किसी भी दशा में जनहित और निकाय के प्रतिकूल नहीं होने चाहिये और उसमें सम्प्रदर्शित विज्ञापन किसी भी प्रकार से अशिष्ट, अश्लील, स्वास्थ्य के लिये हानिकारक अथवा आपत्तिजनक प्रवृत्ति के नहीं होने चाहिये।

**8-ट्रांसफार्मर सबस्टेशन पर शुल्क—**

- (1) पंचायत सीमा में अधिष्ठापित बिजली के ट्रांसफार्मर 250 के0वी0ए0 क्षमता तक शुल्क रु0 5,000/— एवं 400 के0वी0ए0 क्षमता तक शुल्क रु0 10,000/—वार्षिक प्रति ट्रांसफार्मर, 400 के0वी0 की अधिक की क्षमता के लिये— रु0 25,000/— वार्षिक
- (2) पंचायत सीमा में अधिष्ठापित बिजली के पावर हाउस/सब स्टेशन पर शुल्क रु0 50,000.00 वार्षिक।

**9-नगर पंचायत दुकान एवं बारातघर पर किराया शुल्क—**

- (1) नगर पंचायत दुकान एवं सम्पत्तियों को भली-भाँति रख-रखाव करने हेतु प्रत्येक तीन वर्ष में 10 प्रतिशत किराये में वृद्धि करेगी।
- (2) ऐसे किरायेदारों द्वारा अनुबन्ध-पत्र उल्लंघन करने पर नगर पंचायत द्वारा बेदखल नोटिस जारी कर पुनः नीलामी की कार्यवाही कर दी जायेगी।
- (3) दुकान का किराया— रु0 2,000/—प्रतिमाह
- (4) नगर पंचायत लम्बुआ द्वारा स्थित बारातघर का किराया रु0 5,000.00 प्रतिदिन तथा कार्यक्रम के उपरांत बारातघर की सफाई एवं जनित कूड़े का निस्तारण शुल्क अलग से देय होगा।

**10-अनापत्ति प्रमाण-पत्र शुल्क प्रति वर्ष:—**

(1) मछली फुटकर बिक्री	रु0 500.00
(2) मछली थोक बिक्री	रु0 1,000.00
(3) फल फुटकर बिक्री	रु0 500.00
(4) फल थोक बिक्री	रु0 2,000.00
(5) सब्जी फुटकर बिक्री	रु0 500.00
(6) सब्जी थोक बिक्री	रु0 2,000.00
(7) अण्डा फुटकर बिक्री	रु0 500.00
(8) अण्डा थोक बिक्री	रु0 2,000.00
(9) मुर्गा, बकरा, भैंस-भैंसा बिक्री	रु0 50,000.00

**11-विविधकर (शुल्क) की दरें:—**

- (1) प्रमाण-पत्र शुल्क रु0 100.00 (सौ रु0 मात्र) प्रति प्रमाण-पत्र।
- (2) पानी टैंकर का किराया (नगर पंचायत सीमा में वैवाहिक कार्य/सामाजिक कार्य हेतु) रु0 500.00 पांच सौ मात्र प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा में निर्माण कार्य हेतु रु0 800.00 आठ सौ मात्र प्रति टैंकर प्रतिदिन।
- (3) पानी टैंकर का किराया (नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में वैवाहिक कार्य/सामाजिक कार्य हेतु) रु0 1,500.00 एक हजार पांच मात्र प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में निर्माण कार्य हेतु रु0 2500.00 दो हजार पाँच सौ मात्र प्रति टैंकर प्रतिदिन।
- (4) सीवरेज टैंकर उपयोग शुल्क (नगर पंचायत सीमान्तर्गत) रु0 2,000.00 प्रति चक्कर/प्रति टैंकर एवं नगर पंचायत सीमा के बाहर 20 कि0मी0 अधिकतम में रु0 4,000.00 प्रति चक्कर/प्रति टैंकर।
- (5) पंचायत सीमा में स्थित पेट्रोल पम्प पर व्यावसायिक शुल्क रु0 3,000.00 (तीन हजार मात्र) वार्षिक।



- (6) पंचायत सीमा में स्थित कोचिंग संस्थानों पर व्यावसायिक शुल्क रु0 1000.00 (एक हजार मात्र) वार्षिक।
- (7) पंचायत सीमा में व्यवसाय करने वाले गेस्ट हाउस/अतिथि गृह पर व्यावसायिक शुल्क रु0 10,000.00 (दस हजार मात्र) वार्षिक।
- (8) पंचायत सीमा में व्यवसाय करने वाले रेस्टोरेन्ट/ढाबा पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 (पाँच हजार मात्र) वार्षिक।
- (9) पंचायत सीमा में स्थित आटा चक्की/पालेशर मशीन/तेल पिराई मशीन/रुई धुनाई मशीन पर व्यवसायिक शुल्क रु0 1,000.00 (रु0 एक हजार) वार्षिक।
- (10) गाय/भैंस/सुअर इत्यादि सभी प्रकार के पालतू जानवरों को खुला छोड़ने पर पकड़े जाने पर शुल्क रु0 500.00 प्रति प्रकरण/प्रति दिन।
- (11) पंचायत सीमा में निर्मित होने वाले सार्वजनिक शौचालयों के मूत्रालय प्रयोक्ता प्रति व्यक्ति से शुल्क रु0 5.00 एवं भौचालय प्रयोक्ता प्रति व्यक्ति से शुल्क रु0 10.00 लिया जायेगा।
- (12) पंचायत सीमा में स्थित नाली/नाला/सड़क/अन्य सार्वजनिक सम्पत्ति पर अवैध कब्जा पाये जाने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 1,000.00 प्रति प्रकरण तथा पुनरावृत्ति करने पर रु0 5,000.00 प्रति प्रकरण।
- (13) पंचायत सीमा में स्थित व व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदारों (200 वर्ग फिट क्षेत्रफल या उससे कम कवर्ड एरिया) से व्यावसायिक शुल्क रु0 500.00 वार्षिक तथा बड़े दुकानदारों (200 वर्ग फिट क्षेत्रफल या उससे अधिक कवर्ड एरिया) से व्यावसायिक शुल्क रु0 1,000.00 वार्षिक।
- (14) छोटी बाउण्ड्री युक्त भू-खण्ड या मकानों के मध्य खाली भू-खण्ड पर पड़ोसियों के द्वारा कूड़ा करकट फेकने को दृष्टिगत रखते हुए उनके द्वारा अपने खाली भू-खण्डों एवं छोटी बाउण्ड्रीवाल पर न्यूनतम दो मीटर ऊँची बाउण्ड्रीवाल निर्मित न कराने पर पेनाल्टी शुल्क प्रति प्रकरण रु0 2,500.00 (रु0 दो हजार पाँच सौ) मात्र।
- (15) नगर पंचायत सीमा में स्थित राइस, गन्ना मिल पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 वार्षिक।
- (16) नगर पंचायत सीमा में संचालित आरा मशीन, आइस फैक्ट्री पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (17) नगर पंचायत सीमा में स्थित डेरी, प्रेशर मशीन (गाड़ी धुलाई केन्द्र) पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (18) नगर पंचायत सीमा में स्थित आर0ओ0 प्लांट/निजी जलापूर्ति प्रणाली पर व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (19) नगर पंचायत सीमा में स्थित मोटर साइकिल एजेन्सी, ट्रैक्टर एजेन्सी पर व्यावसायिक शुल्क 3,000.00 (तीन हजार) वार्षिक।
- (20) नगर पंचायत जे0सी0बी0 किराया रु0 1,000.00 (एक हजार) रु0 प्रति घंटा नगर पंचायत सीमान्तर्गत तथा आने-जाने का समय सहित।
- (21) मोबाइल टायलेट किराया रु0 1,000.00 प्रति दिन/प्रति बुकिंग।
- (22) नगर पंचायत सीमान्तर्गत संचालित ईट भट्टों पर लाइसेंस शुल्क रु0 10,000.00 (दस हजार) वार्षिक शुल्क।
- (23) नगर पंचायत सीमा में गल्ला/अनाज की आढ़त व्यावसायिक शुल्क रु0 2,000.00 (दो हजार) वार्षिक।
- (24) नगर पंचायत सीमा में स्थित समस्त बैंकों पर व्यावसायिक शुल्क 5,000.00 (पाँच हजार) वार्षिक प्रति शाखा।
- (25) नगर पंचायत सीमा में जल कनेक्शन के उद्देश्य से रोड कटिंग चार्ज रु0 2,000.00 (दो हजार) रुपया प्रति कनेक्शन।
- (26) नगर पंचायत सीमा में जल कनेक्शन हेतु जमानत धनराशि रु0 500.00 (पाँच सौ) रुपया प्रति कनेक्शन।
- (27) नगर पंचायत सीमान्तर्गत समस्त विकास कार्य सम्बन्धी ठेकेदार पंजीकरण शुल्क रु0 15,000.00 (रु0 पन्द्रह हजार) मात्र वार्षिक, वित्तीय वर्ष के प्रथम मास तक। तदोपरान्त रु0 1,000.00 (एक हजार) मासिक विलम्ब शुल्क के साथ।
- (28) ठेकेदार नवीनीकरण शुल्क रु0 5,000.00 (रु0 पाँच हजार) मात्र वार्षिक, वित्तीय वर्ष के प्रथम मास तक। सिव्योरिटी हेतु एफ0डी0आर0 25,000/रुपया के साथ।
- (29) शटरिंग/तख्ता बल्ली को किराये पर उठाने के व्यवसाय पर रु0 2000.00 वार्षिक (रु0 दो हजार) मात्र।

- (30) देशी शराब व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 5,000.00 (रु0 पांच हजार) वार्षिक।
- (31) विदेशी शराब व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 10,000.00 (रु0 दस हजार) वार्षिक।
- (32) बार/बियर दुकान पर व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 10,000.00 (रु0 दस हजार) वार्षिक।
- (33) माडल शाप व्यावसायिक शुल्क प्रति दुकान रु0 15,000.00 (रु0 पन्द्रह हजार) वार्षिक।
- (34) समस्त प्रकार की भवन निर्माण सामग्री सीमेंट/सरिया/मौरंग इत्यादि विक्रेता व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 (पांच हजार) वार्षिक।
- (35) मा0 राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों के क्रम में एनजीटी एक्ट, 2010 की धारा 15/16 के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में खुले में कूड़ा जलाने पर अर्थदण्ड प्रति प्रकरण रु0 5000.00 (पांच हजार) मात्र एवं सड़क के किनारे भवन निर्माण सामग्री एकत्रित करने/मलबा रखे जाने पर रु0 50,000.00 (पचास हजार) मात्र अर्थदण्ड।

#### दण्ड

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करते हुये निर्देश दिया जाता है कि कोई व्यक्ति उपरोक्त नियमों के किसी भी धारा का उल्लंघन करेगा या करने में प्रोत्साहित करेगा उस व्यक्ति पर अर्थदण्ड लगाया जायेगा जो इस उपनियम में दिये गये निर्धारित शुल्क के दो गुना से दस गुना तक हो सकता है। यदि अपराध निरन्तर जारी रहेगा तो अतिरिक्त दण्ड लगाया जायेगा, जो प्रथम दोष सिद्ध होने की तिथि से या प्रमाणित हो जाने पर की अपराधी ने निरन्तर अपराध जारी रखा है तो रु0 25 (पच्चीस रुपये) प्रतिदिन तक हो सकता है एवं जुर्माना के साथ-साथ तीन मास का कारावास तक का दण्ड सक्षम न्यायालय से दिया जा सकता है।

अमित कुमार सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 204/न0पं0 (उपविधियों)/भवन निर्माण/प्रकाशन/2022-23-उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 (अधिनियम संख्या-2, 1916) की धारा 298 (2) के उपखण्ड-(क) क, ख, ग, घ, ङ. के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नगर पंचायत, लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर की बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के संकल्प संख्या-3, के अन्तर्गत अपनी सीमा के अन्तर्गत भवन निर्माण उपविधि बनाई है। उपविधियों का प्रारूप उक्त एक्ट की धारा-301(1) की यथा अपेक्षा अनुसार सभी नगर निवासियों को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने के उद्देश्य से 15 दिवस के लिए प्रकाशित किया जाता है। सभी आपत्तियां एवं सुझाव अधिशाली अधिकारी को सम्बोधित इस कार्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जायेगा जो नियत तिथि तक प्राप्त होंगे। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों एवं सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। इस उपविधियों से पूर्व यदि कोई उपविधि हो तो इस सीमा तक संशोधित या निरस्त समझा जायेगा।

#### भवन निर्माण उपविधि-2022

**1-शीर्षक**—यह उपविधि नगर पंचायत लम्बुआ, जनपद-सुलतानपुर भवन निर्माण उपविधि वर्ष-2022 कहलायेगी।

**2-प्रकृति**—यह उपविधि उत्तर प्रदेश साधारण गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से नगर पंचायत लम्बुआ, जनपद- सुलतानपुर में प्रभावी रहेगी।

**3-परिभाषाएँ**—जब तक विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न हो इस उपविधियों में —

1-“अधिनियम” का तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम संख्या-2, 1916 से है।

2-“अधिशाली अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर के अधिशाली अधिकारी से है।

3-“बोर्ड/समिति” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर के बोर्ड/समिति से है।

4-“अध्यक्ष” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

5-“नगर पंचायत” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर से है।

6-“नगर पंचायत की सीमाओं” का तात्पर्य वर्तमान में निर्धारित सीमाओं या भविष्य में बढ़ाने से निर्धारित होकर प्रभावी होने वाली सीमा से है।

**4-नोटिस**—यदि कोई व्यक्ति जो नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर की सीमा के अन्तर्गत किसी भवन अथवा भू-खण्ड का स्वामी है और किराये पर देने और विक्रय करने अथवा पट्टे पर देने का हक रखता है और उस पर निर्माण या परिवर्तन करना चाहता है तो वह उक्त एक्ट की धारा-178 के अन्तर्गत नगर पंचायत को निर्धारित प्रारूप में नोटिस देगा।

**नोटिस के साथ निम्नलिखित विवरण व मानचित्र संलग्न करना होगा:—**

**(क)—स्थल का मानचित्र—**अनुज्ञा के प्रार्थना-पत्र के साथ प्रेषित मानचित्र एक मीटर बराबर एक सेन्टीमीटर के पैमाने से कम नहीं खींचा जायेगा तथा उसमें निम्नलिखित विवरण प्रदर्शित होंगे :—

1—स्थल की सीमायें और उनकी माप तथा समीपवर्ती भूमि, जो उनके स्वामी की हो।

2—स्थल का नजरी नक्शा (की प्लान) तथा भू-विन्यास या भू-खण्डों का विभाजन।

3—समीपवर्ती सड़कों की स्थिति तथा सड़क/सड़कों के नाम जिन पर भवन स्थित है।

4—भूमि का स्वामित्व प्रमाण-पत्र।

5—विद्यमान सड़क से भवन तक तथा सभी भवनों तक जो प्रार्थी सीमावर्ती भूमि पर बनाना चाहता है, पहुंचने (यदि कोई हो) का मार्ग।

6—स्थल का क्षेत्रफल, कुर्सी का क्षेत्रफल, प्रत्येक फर्स का क्षेत्रफल।

7—प्रस्तावित भवन का विस्तृत मानचित्र जिसमें भवन सम्बन्धी समस्त विवरण अंकित हों।

8—यदि किसी बड़े भू-खण्ड पर कई आवासीय भवन पृथक्-पृथक् परिवार के लिए बनाये जाने हो तो सभी व्यक्तियों के आने जाने हेतु अपनी भूमि से सार्वजनिक सड़क के रूप में जगह छोड़ी जायेगी, जिसे विकसित करना होगा।

**(ख)—भवनों का मानचित्र—**भवन के अगले भाग तथा खण्ड के विस्तृत मानचित्र जो नोटिस के साथ संलग्न हों, एक मीटर बराबर एक सेन्टीमीटर के माप के खींचे होने चाहिए और उनमें विभिन्न रंगों में दिखलाया जाना चाहिए। मानचित्र में निम्नलिखित विवरण सम्मिलित होंगे:—

1—प्रति एक मंजिल का मानचित्र, प्रत्येक तल के आच्छादित भाग का विवरण, सभी कमरों, खिड़कियों, रोशनदानों, खुलने वाले दरवाजों, सीढ़ियों आदि को ठीक स्थिति तथा आकार।

2—नालियों, गटरों, जल निकासी, बिजली लाईन तथा अन्य जन प्रयोग की चीजों की स्थिति।

3—शौचकूप, स्नानागार, नाबदान जैसे सेवाओं की वास्तविक स्थिति।

4—मानचित्र में नवीन निर्माण, जिसके लिए प्रार्थना-पत्र प्रेषित किया जायेगा, लाल रंग तथा पुराना भवन नीले रंग से दिखाया जायेगा।

5—भू-खण्ड के क्षेत्रफल के आधार पर सेट बैट भवन का फ्रन्ट एलीवेशन, की प्लान, साइट प्लान, तलपट्ट मानचित्र, सर्विसेज प्लान आदि का विवरण।

6—मानचित्र में वाहन (दो पहिया/चार पहिया) जो हो खड़े करने का स्थान दर्शाना होगा।

7—मान्यता प्राप्त ड्राफ्टमैन/वास्तुविद् द्वारा निर्मित मानचित्र ही स्वीकार किये जायेंगे।

8—उत्तर रेखा तथा प्रयुक्त पैमाना।

**(ग) अन्य विवरण नोटिस के साथ निम्नलिखित विवरण रहेंगे —**

1—भवन का उद्देश्य—

(क) स्वयं रहने के लिए।

(ख) व्यवसाय व्यापार से सम्बन्धित।

(ग) उद्योग धन्धों के लिए।

(घ) रहने या दुकान के लिए, प्रार्थना-पत्र में दर्शाया जायेगा।

**5—प्लान—**इस प्रकार के नोटिस के साथ जो कि किसी भवन/भू-खण्ड के निर्माण, पुनः निर्माण अथवा परिवर्तन से सम्बन्धित है मानचित्र और विवरण दो प्रतियों में संलग्न करेगा। मानचित्र ट्रेसिंग क्लार्क एवं ब्लू प्रिंट में होगा तथा भवन मानचित्र शुल्क जमा की रसीद संलग्न करेगा।

**6—मानचित्र अस्वीकृत होने की दशा में जमा शुल्क का 25 प्रतिशत धनराशि स्टेशनरी शुल्क के रूप में रोक ली जायेगी तथा शेष 75 प्रतिशत धनराशि वापस कर दी जायेगी।**

**7—शुल्क उपनियम-4 में दर्शाया गया मानचित्र पर निम्न शुल्क अदा करना होगा :—**

क्र०	भवन/भू-खण्ड का प्रकार	भूतल प्रति वर्ग फिट	अतिरिक्त तल प्रति वर्ग फिट
1	2	3	4
		रु०	रु०
1	निवासीय भवन (क्वर्ड एरिया)	10.00	05.00
2	निवासीय भवन (ओपन एरिया)	06.00	03.00
3	व्यवसायिक भवन दुकान (क्वर्ड एरिया)	20.00	10.00
4	व्यवसायिक भवन दुकान (ओपन एरिया)	15.00	08.00
5	वर्कशाप, फैक्ट्री, कारखाना आदि (क्वर्ड एरिया)	30.00	15.00
6	वर्कशाप, फैक्ट्री, कारखाना आदि (ओपन एरिया)	20.00	10.00
7	भू-खण्ड/प्लॉटिंग एरिया	05.00	00.00
8	मानचित्र स्वीकृत करने का न्यूनतम शुल्क रु० 5,000.00 या उपर्युक्त दरों के आधार पर जो अधिकतम होगा देय होगा।		
9	प्लॉटिंग एरिया के आवासीय क्षेत्रफल पर ही शुल्क देय होगा।		

1—प्रतिबन्ध यह है कि मुख्य भवन का कवर्ड एरिया एवं ओपन एरिया पर निर्धारित शुल्क होगा।

2—नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा-181 के अन्तर्गत यह स्वीकृति एक वर्ष के लिए मान्य होगी।

3—सार्वजनिक मार्ग पर किसी भी प्रकार का प्रोजेक्शन स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

5—भू-तल पर सड़क की ओर रहने वाले दरवाजे (किवाड़) भीतर की ओर खुलेंगे।

6—यदि प्रस्तावित निर्माण सार्वजनिक सड़क के सामने किया जाता है तो सड़क की पटरी से 1.20 मीटर चौड़ा रास्ता छोड़ कर निर्माण की स्वीकृति दी जायेगी।

7—धार्मिक स्थल मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा इसी प्रकार अन्य धार्मिक स्थलों की स्वीकृति शासन की अनुमति के उपरान्त तथा धार्मिक स्थल के बीच से 7.50 मीटर से कम की दूरी न हो तथा प्रस्तावित धार्मिक स्थल किसी अन्य धार्मिक स्थल से 100 मीटर की दूरी पर न हो।

8—विद्युत् लाईन का विस्तार/परिवर्तन विद्युत् विभाग की अनुमति के उपरान्त ही होगा।

9—200 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल में बनने वाले घरों या व्यवसायिक प्रतिष्ठान आदि का मानचित्र वर्षा जल प्रबन्धन की व्यवस्था मानचित्र पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

10—किसी भी व्यवसायिक प्रतिष्ठान के निर्माण हेतु पार्किंग की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।

**8—शौचालय एवं गन्दे पानी का निकास**—ऐसे व्यक्ति जो भवन का निर्माण ऐसे स्थान पर करेगा जो की सार्वजनिक नाली से 30 मीटर के भीतर होगा, तो उसे अपने भवन के पानी की नाली को सार्वजनिक नाली तक स्वयं मिलाना होगा।

**9—भवन में फ्लश/लैट्रिंग लगाना अनिवार्य होगा बिना फ्लश/लैट्रिंग के मानचित्र की स्वीकृति प्रदान नहीं की जाएगी।**

**10—नालियाँ**—भवन की नालियाँ सीमेन्ट कंक्रीट द्वारा मजबूत व पक्की नालियाँ बनायी जाएगी तथा सार्वजनिक नालियों से इसका जुड़ा होना भवन स्वामियों के लिए आवश्यक होगा तथा बारिश के पानी को छतों से उतारने हेतु पाईप लगाने होंगे।

**11—पिलिन्थ (कुर्सी)**—भवन का पिलिन्थ भवन के सामने की सड़क से कम से कम 0.50 मीटर ऊँचा रखना होगा।

**12—भवन की ऊँचाई**—भू-तल से फर्श छत पर ऊँचाई 3.60 मीटर तथा ऊपर के अन्य तलों पर कम से कम 3.00 मीटर रखनी होगी।

**13—(क)**—भवन की किनारे व्यक्तियों के रहने के कमरों का क्षेत्रफल कम से कम 7.20 वर्गमीटर होगा तथा कमरे की चौड़ाई कम से कम 2.40 मीटर रखी जायेगी।

**(ख)**—कमरे में समुचित जंगलों और वेन्टीनेशनों की व्यवस्था करनी होगी जो कि खुले स्थान में होंगे तथा इनका क्षेत्रफल कमरे के क्षेत्रफल से 01/01 से कम नहीं होगा।

**(ग)**—जंगले इस प्रकार बनाये जायेंगे कि इनको पूरा खोला जा सके।

**(घ)**—जीना—बहु मंजिले भवनों के हवादार जीने का निर्माण आवश्यक होगा।

**14—**किसी ऐसे भू-खण्ड पर निवासीय भवन निर्माण की स्वीकृति नहीं दी जायेगी, जिसकी चौड़ाई 2.50 मीटर तथा लम्बाई (गहराई) 5.00 मीटर से कम होगी।

**15—**जानवरों का बाड़े की फर्श पक्की तथा ढालदार बनाना होगा।

**16—**जब सक्षम अधिकारी यह निश्चित कर लेगा कि प्रस्तावित भवन इस उपविधि से सम्बन्धित सभी शर्तों को पूरा करता है तो वह मानचित्र को स्वीकृति प्रदान करेगा।

**17—**निकाय/बोर्ड उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-186 के अन्तर्गत किसी निर्माण कार्य निर्माण कार्य को रोकने तथा निर्मित भवन को गिरा देने का अधिकार होगा जब भवन स्वामी या अभ्यासी को किसी भवन या भवन के नाम के निर्माण, पुनःनिर्माण या परिवर्तन अथवा विस्तार किसी ऐसे दशा में जहाँ निकाय/बोर्ड का यह विचार हो कि इस प्रकार का निर्माण, पुनःनिर्माण, परिवर्तन या विस्तार धारा-185 के अधीन कोई अपराध है, तो भवन स्वामी को लिखित नोटिस देकर रोकने का निर्देश दे सकता है और इसी प्रकार यथास्थिति ऐसे भवन या भवन के भाग में परिवर्तन करने या उसे गिरा देने का जिसे वह आवश्यक समझे, निर्देश दे सकता है।

## शास्ति

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 (अधिनियम-2, 1916 की धारा-299(1)) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर यह निर्देश देती है कि उपरोक्त उपविधियों के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड किया जायेगा। जो रु0 1,000/—(एक हजार रुपये मात्र) तक हो सकता है। यदि उल्लंघन निरन्तर चला आ रहा हो तो रु0 25/—(पच्चीस रुपये मात्र) अर्थदण्ड प्रतिदिन किया जायेगा।

अमित कुमार सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 205/न0पं0ल0/बायलॉज/2022-23—उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 128(1) व 126(10) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर ने अपनी बैठक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी भवनों, इमारतों तथा भूमियों पर गृहकर निर्धारण हेतु शासनादेश सं0-408/नौ-10-63ज/95टी0सी0 नगर विकास अनुभाग-9 दिनांक 22 फरवरी, 2010 व शासनादेश सं0-135/नौ-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04, लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुपालन में नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर की सीमान्तर्गत भवनों व सम्पत्तियों पर स्वकर प्रणाली के अंतर्गत गृहकर निर्धारण किये जाने हेतु स्वमूल्यांकन व्यवस्था प्रभावी तथा संपत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022 बनायी गयी है उक्त उपविधि के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो अपनी आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर के कार्यालय में विज्ञप्ति प्रकाशन के एक माह अर्थात् 15 दिन के भीतर लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

## सम्पत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022

1—यह नियमावली नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा में स्थित भवनों तथा सम्पत्तियों पर गृहकर निर्धारण नियमावली, 2022 कही जायेगी।

2—यह नियमावली नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा में लागू होगी।

3—यह नियमावली राजकीय गजट में प्रकाशन के पश्चात् शासनादेश संख्या 1688/नौ-9-2021 85ज/05 टी0सी0 दिनांक 19 अगस्त, 2021 के अनुसार लागू होगी।

4—“नगर पंचायत” से तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर से है।

5—“अधिशाली अधिकारी” से तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के अधिशाली अधिकारी से है।

6—“अध्यक्ष” से तात्पर्य नगर पंचायत के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी से है।

7—“प्रशासक/बोर्ड” का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के प्रशासक बोर्ड से है।

8—“अधिनियम” से तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 से है।

9—“शासनादेश” का तात्पर्य उ0प्र0 शासन के आदेशों/निर्देशों से है।

10—कोई भी व्यक्ति यदि नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा में भवन/भूमि का स्वामी/अध्यासी है तो वे भवन/भूमि के सम्पत्ति कर निर्धारण स्वमूल्यांकन द्वारा कर लेंगे। इसके लिए नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर से एक आवेदन-पत्र प्राप्त कर अपने मकान का ब्यौरा देकर उपविधि में दी गयी निर्धारित दर के अनुसार स्वकर का निर्धारण करेंगे।

11—आवेदन-पत्र नगर पंचायत लम्बुआ से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

12—जिन भवन/भूमि स्वामी/अध्यासी द्वारा स्वकर निर्धारण का विकल्प नहीं अपनाया जायेगा तो उसके सम्बन्ध में कर का निर्धारण व वसूली की कार्यवाही नियमानुसार नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर द्वारा की जायेगी।

13—भवन—इसमें वह सभी अहाते, उपघर आदि एक संयुक्त परिसर में कई भवन स्थित हैं तो इस परिसर के सभी इमारतों के परिसर को भूमि सहित भवन कहा जायेगा और मकान का तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा में अंकित परिभाषा से है।

14—“सम्पत्ति” का तात्पर्य किसी भवन/भूमि या दोनों से है।

15—“आच्छादित क्षेत्रफल” का तात्पर्य, कुर्सी के ऊपर जिस पर भवन निर्मित है के प्रत्येक तल के आच्छादित क्षेत्रफल से है।

16—कारपेट एरिया की गणना नियमानुसार की जायेगी:—

- |  |                                  |
|--|----------------------------------|
| (क) कमरे   | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ख) आच्छादित बरामदा  | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ग) बालकनी, कारीडोर, रसोई व भण्डार गृह                     | — आन्तरिक आयाम की 50 फीसदी माप।  |
| (घ) गैराज  | — आन्तरिक आयाम की $1/4$ माप।     |
| (ङ) स्नानगृह, शौचालय, पोर्टिको और जीने से आच्छादित क्षेत्र | — कारपेट एरिया का भाग नहीं होगा। |

अथवा

कारपेट एरिया — आच्छादित क्षेत्र का 80 प्रतिशत भाग।

17—कर का निर्धारण—कर का निर्धारण निम्नांकित के आधार पर किया जायेगा।

(क) वार्षिक मूल्य की गणना, वार्षिक मूल्य = कारपेट एरिया × निर्धारित प्रति ईकाई का क्षेत्रफल मासिक किराया दर × 12

या

आच्छादित क्षेत्रफल का 80 प्रतिशत × निर्धारित प्रति इकाई का क्षेत्रफल मासिक किराया दर × 12

18—करों का भुगतान—

(क) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी/कर्मचारी बनाये गये नियम के अधीन निर्धारित भवन/भूमि (सम्पत्ति) कर के भुगतान हेतु स्वामी/अध्यासी को बिल भेजेगा, जिसमें एक ऐसा दिनांक निर्दिष्ट होगा, नगर पंचायत लम्बुआ कार्यालय अथवा उसके द्वारा अभिसूचित बैंक में कर का भुगतान किया जायेगा। गृहकर निर्धारण का भुगतान का सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किये जाने पर भी निर्धारित तिथि तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि के नियमावली में दी गयी शास्ति तथा उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 173 (क) के अनुसार कर की वसूली की जायेगी। धारा 173 (क) की कार्यवाही का खर्च तथा बकाया धनराशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी लिया जायेगा।

(ख) यह है कि नगर पंचायत की ओर से अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी जैसे भी परिस्थिति हो के नगर पालिका अधिनियम की धारा 158(1)(2) के अन्तर्गत पत्र भेजकर किसी भवन/भूमि स्वामी को उनके सम्पत्ति आदि के बारे में विवरण प्रस्तुत करने तथा अन्य दस्तावेज मांगने व प्राप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) इस उपविधि के किसी भी प्रावधान के बारे में नगर पंचायत यदि संतुष्ट है कि उपविधि के किसी प्रावधान का दुरुपयोग पंचायत द्वारा किया जा रहा है अथवा कोई प्रावधान/नियमानुसार जनहित में नहीं है, तो उक्त प्रावधान को निरस्त करने, छूट देने अथवा संशोधित करने का अधिकार नगर पंचायत को होगा।

19—किराये पर उठे आवासीय भवनों का उपरोक्तानुसार अवधारित वार्षिक मूल्य से (ARV) जोड़ें।

(क) दस वर्ष से अधिक पुराना है तो 25 प्रतिशत अधिक होगा (+) 25 प्रतिशत

(ख) दस वर्ष से अधिक तथा बीस वर्ष से कम पुराना है तो 12.5 प्रतिशत अधिक होगा (+) 12.5 प्रतिशत

(ग) बीस वर्ष से अधिक पुराना है तो यथावत समझा जायेगा।

**नोट**—नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा 140(2) में यह प्रावधान है कि जहाँ नगर पंचायत किराये में किसी कारण से असाधारण परिस्थितियों में किसी भवन का वार्षिक मूल्य यदि उपर्युक्त रीति से गणना की गई हो अत्यधिक हो वहाँ नगर पंचायत किसी भी धनराशि पर जो भी न्याय संगत प्रतीत हो वार्षिक मूल्य नियत कर सकती है।

20—व्यावसायिक सम्पत्तियों से तात्पर्य—सभी प्रकार की फुटकर दुकानें, शोरूम, बेकरी, आटाचक्की, कोयला, लकड़ी, कृषि उपकरणों के लिये केन्द्र, शीतगृह, रिजोर्ट, होटल व बेवसाइट व ऑटोमोबाइल शोरूम/सर्विस सेन्टर व भोजनालय, जलपानगृह, रेस्टोरेन्ट, कैन्टीन, सिनेमा व मल्टीप्लेक्स, अस्थाई सिनेमा, पी0सी0ओ0, पेट्रोल व डीजल फिलिंग स्टेशन, गोदाम/गैस अधिष्ठान भण्डारण तथा गोदाम, निजी कार्यालय, बैंक व अन्य अनावासीय भवनों से है।

21—औद्योगिक सम्पत्तियों से तात्पर्य—सेवा/कुटीर उद्योग, औद्योगिक कारखाने, पावरलूम कारखाना, सूचना प्रौद्योगिकी/सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी/एल0पी0जी0 व फिलिंग प्लान्ट/संयंत्र/केन्द्र आदि से है।

22—इन्स्टीट्यूशनल (संस्थागत) सम्पत्तियों से तात्पर्य—राजकीय, अर्द्धराजकीय, स्थानीय निकाय कार्यालय, श्रमिक कल्याण केन्द्र, पी0ए0सी0, पुलिस लाइन, मौसम अनुसंधान केन्द्र, वायरलेस केन्द्र, अतिथि गृह, धर्मशाला, रैनबसेरा, लॉजिंग बोर्डिंग हाउस, छात्रावास, अनाथालय, सुधारालय, कारागार, हेण्डीकैप चिल्ड्रेन हाउस, शिशुगृह, एवं देखभाल केन्द्र, बृद्धावस्था केन्द्र, प्राथमिक शैक्षिक संस्थान, उच्चतर माध्यमिक इण्टर/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय, पोलिटेक्निक, इन्जिनियरिंग, विशिष्ट शैक्षिक संस्थान, आई0टी0आई0, डाकघर, तारघर, पुलिस स्टेशन/चौकी,

अग्निशमन केन्द्र, पुस्तकालय/वाचनालय, नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र, कलाकेन्द्र, सिलाई केन्द्र, बुनाई कढ़ाई केन्द्र, पेन्टिंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र इत्यादि, ऑडिटोरियम, नाट्यशाला, थियेटर, योगकेन्द्र, सामुदायिक केन्द्र, धार्मिक केन्द्र, बारात घर, कॉन्फ्रेंस एवं मीटिंग हाल, प्रदर्शनी केन्द्र, रेडियो व टेलीविजन कार्यालय/केन्द्र, नर्सिंग होम व अस्पताल आदि।

**नोट**—जो भी सामाजिक, धार्मिक राजनैतिक संस्थाएँ निःशुल्क जनहित में कार्य कर रही हैं वे कर से मुक्त रहेगी परन्तु जिस धर्म/राजनैतिक संस्था का जितने भाग का उपयोग व्यवसायिक होगा उस पर कर देय होगा।

23—रेन्ट कन्ट्रोल के मकान—रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम, 1972 के अधीन आने वाले आवासीय भवनों पर नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर प्रत्येक करों की गणना के लिये वार्षिक किराये का निर्धारण रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम के अंतर्गत नहीं होगा बल्कि गृहकर का निर्धारण उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 के प्रावधानों के अन्तर्गत शासनादेश संख्या-135/9-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04 नगर विकास अनुभाग-9 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुसार किया जायेगा।

24—जिन भवनों/व्यावसायिक भवनों में भवन स्वामी का पता नहीं चलता है तो ऐसे भवनों में किरायेदार/अध्यासी को गृहकर का भुगतान करना होगा।

25—करों में छूट—उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 140 (2) के अनुसार करों में छूट प्रदान की जायेगी।

(क) गृहकर की देयता वार्षिक होगी, 01 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य संबंधित वर्ष का कर जमा करना अनिवार्य होगा।

(ख) सम्बन्धित वर्ष में कर जमा नहीं करने की दशा में आगामी वित्तीय वर्ष में गृहकर पर 12 प्रतिशत की दर से सरचार्ज देय होगा।

26—संबन्धित संसूचना प्रपत्र (क) प्राप्ति के 15 दिवस के अन्दर नगर पंचायत कार्यालय में भरकर जमा करना अनिवार्य है। भवन के क्षेत्रफल एवं दरों के सम्बन्ध में कोई त्रुटि पूर्ण विवरण होने की दशा में स्वामी अध्यासी से सम्पत्ति की देयता में होने वाले अन्तर के चार गुने धनराशि शास्ति (जुर्माना) के रूप में ली जायेगी निर्धारित अवधि तक विवरण न जमा करने की दशा में 100 वर्ग मीटर, 200 वर्ग मीटर, 400 वर्ग मीटर तथा उससे अधिक भू-खण्ड पर क्रमशः रु0 100/500/1,000/2,000 तक शास्ति (जुर्माना) आरोपित करके वसूल किया जायेगा, तथा 30 दिन के विलम्ब की स्थिति में शास्ति (जुर्माना) का 5 प्रतिशत अतिरिक्त लिया जायेगा।

27—भवन किराये पर देने या रिक्त होने, भवन में निर्माण/पुनर्निर्माण होने से आच्छादित क्षेत्रफल (कारपेट एरिया) में वृद्धि होने पर तथा भवन के व्यावसायिक/औद्योगिक प्रयोग होने पर 60 दिनों के अन्दर प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण भवन स्वामी/अध्यासी द्वारा कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

28—जिन भवनों/भूमियों को नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर द्वारा भवन/भूमि की संज्ञा दी जा चुकी है उन्हें भी प्रपत्र क और ख पर उपरोक्तानुसार सूचना भरकर जमा करना अनिवार्य है तथा उसके भवन/भूमि पर यदि कोई पूर्व का बकाया है तो प्रपत्र क के अनुसार देय कर एवं पूर्व बकाया भी जमा करेंगे।

29—मकानों को दर्ज करने सम्बन्धी—

(क) कोई भी व्यक्ति किसी भी समय यदि किसी भी भवन या भूमि पर अपना नाम अध्यासी अथवा स्वामी के रूप में करदाता सूची में अंकित कराना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया से आवेदन करना होगा और यदि उसके नाम के सम्बन्ध में कोई आवेदन निरस्त करने हेतु विचाराधीन है तो उल्लेख लिखित रूप में किया जायेगा अन्यथा उसके बाद सूची में आवेदन के अनुसार नाम, कर निर्धारण सूची में अंकित कर दिया जायेगा। मकान/दुकान/प्लॉट इत्यादि दर्ज किये जाने हेतु प्रथम बार में शुल्क रु0 5,000/— प्रति सम्पत्ति देय होगा।

(ख) गृहकर पंजिका में दर्ज ऐसी भूमि/भवन जो पंचायत के स्वामित्व की भूमि है जो किसी कारणवश निजी उपयोग में लायी जा रही है तो वह गृहकर पंजिका में स्वतः निरस्त/करमुक्त मानी जायेगी।

30—मकानों का हस्तांतरण/नामान्तरण सम्बन्धी नियम—

(क) यदि किसी भवन या भूमि जिस पर कर आरोपित है स्वामित्व हस्तांतरित होता है तो स्वामित्व हस्तांतरित करने वाले व्यक्ति तथा संस्था अथवा स्वामित्व पाने वाला व्यक्ति ऐसे संस्था ऐसे हस्तांतरण के 03 माह के अन्दर उसकी सूचना नगर पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करके निर्धारित प्रपत्र पर अधिशासी अधिकारी को प्रेषित करना अनिवार्य होगा।

(ख) यदि किसी करदाता अथवा भवन/भूमि के स्वामी की मृत्यु हो जाती है तो उसके प्रत्येक वारिस को मृत्यु के दिनांक से 03 माह के अन्दर लिखित सूचना अधिशासी अधिकारी को देना होगा।

(ग) यदि किसी करदाता अथवा भवन का वारिस/उत्तराधिकारी 03 माह के अन्दर सूचना देने में असफल रहता है तो 03 माह के बाद प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते समय उसे नामान्तरण शुल्क के साथ

रु0 500.00 विलम्ब शुल्क भी देय होगा तभी प्रार्थना-पत्र पर कार्यवाही किया जायेगा। यही प्रक्रिया विक्रय-पत्र के आधार पर नामान्तरण को कार्यवाही पर भी लागू होगी।

(घ) विक्रय-पत्र/बैनामा/वसीयतनामा/हिबानामा/करारनामा/दान आदि के आधार पर आवेदक नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कराना चाहता है तो उसका निम्नलिखित जमा करने के बाद ही कार्यवाही शुरू की जायेगी:-

रु0 10 लाख तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क - रु0 5,000.00।

रु0 10 लाख से अधिक रु0 25 लाख तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क - रु0 10,000.00।

रु0 25 लाख से अधिक रु0 50 लाख तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क - रु0 15,000.00।

रु0 50 लाख से अधिक रु0 1 करोड़ तक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क - रु0 25,000.00।

रु0 1 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति का नामान्तरण शुल्क - रु0 50,000 प्रति पीढी देय होगा।

**नोट:-**भवनों, भूमियों, इत्यादि को दर्ज करने हस्तान्तरण/नामान्तरण करने हेतु स्थानीय स्तर पर प्रचलित अधिक प्रसार वाले राष्ट्रीय/दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशन कर 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के पश्चात् प्राप्त आपत्ति का निस्तारण होने के उपरान्त नामान्तरण/हस्तान्तरण करने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी समाचार-पत्र प्रकाशन का खर्च आवेदक से लिया जायेगा।

31-कर निर्धारण दर-गृहकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत देय होगा।

32-मुख्य मार्ग का तात्पर्य-मुख्य मार्ग में सभी सड़कें आयेंगी जिसकी चौड़ाई 24 फुट से अधिक होगी।

33-अन्य मार्ग का तात्पर्य-मुख्य मार्ग के अंदर के मार्ग व मोहल्ला/कालोनी में जाने वाली सड़क एवं समस्त गलियां अपने भागों में आयेंगी।

34-अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर द्वारा सत्यापित मासिक किराया प्रति वर्गफुट।

भवन की प्रकृति	पक्का भवन (RCC/RB छत)			अन्य पक्का भवन			कच्चा भवन	भूमि के सम्बन्ध में
1	2	3	4	5	6	7		11
फर्श की प्रकृति $\Rightarrow$	पत्थर/ टायल्स/ मुजाइक	पक्का फर्श	कच्चा	पत्थर/ टायल्स/ मुजाइक	पक्का फर्श	कच्चा	कच्चा	खाली प्लाट
सड़क की लम्बाई $\Downarrow$								
क-(24 फुट से अधिक चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	1.00	0.80	0.40	0.80	0.50	0.30	0.15	0.10
ख-(12 फुट से 24 फुट चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	0.80	0.60	0.30	0.60	0.40	0.20	0.10	0.05
ग-(12 फुट तक चौड़ी सड़क पर स्थित भवन )	0.60	0.40	0.20	0.50	0.30	0.10	0.10	0.05

35-अन्तिम निर्णय अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर में निहित होगा।

36-अन्य व्यावसायिक भवन/मिश्रित भवन जो मुख्य मार्ग पर स्थित न हो का कर निर्धारण निर्धारित आवासीय दर का दोगुना दर पर किया जायेगा।

37-(क) किसी भी स्वामी द्वारा अध्यासित आवासीय भवन जो 30 वर्ग मी0 के माप वाले या 15 वर्ग मी0 तक कारपेट क्षेत्रफल भू-खण्ड पर निर्मित हो उसके स्वामी के स्वामित्व में नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा के अंतर्गत कोई अन्य भवन/भू-खण्ड न हो पर वार्षिक मूल्य की गणना नहीं की जायेगी वो कर से मुक्त होंगे।

(ख) यदि आंशिक भाग का उपयोग व्यावसायिक/औद्योगिक के रूप में प्रयोग किया जा रहा है और आंशिक भाग पर निवासित है तो व्यावसायिक/औद्योगिक वाले भाग पर व्यावसायिक/औद्योगिक दर लागू होगा तथा निवासित भाग पर निवासित दर लागू होगा।

(ग) व्यावसायिक/औद्योगिक उपयोग वाले आवासों/आवासीय अंशों पर कर निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा।



श्रेणी	सम्पत्ति का विवरण	अनावासीय भवन की मासिक किरायें की दर
1.	प्रत्येक प्रकार के वाणिज्यिक काम्पलेक्स, दुकानें और अन्य प्रतिष्ठान बैंक, कार्यालय, होटल, कोचिंग व प्रशिक्षण संस्थान (राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त को छोड़कर) आवासीय सह दुकान की स्थिति में।	आवासीय दर का पांच गुना
2.	टावर और होर्डिंग वाले भवन, टी0बी0 टावर दूर संचार या कोई अन्य टावर जो भवन की सतह पर या शिखर पर या खुले स्थान पर प्रतिस्थापित किये जाते हैं।	आवासीय दर का चार गुना
3.	प्रत्येक प्रकार के क्लीनिक, पाली क्लीनिक डायग्नोस्टिक केन्द्र, प्रयोगशालायें, नर्सिंग होम, चिकित्सालय केन्द्र, मेडिकल स्टोर, स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र।	आवासीय दर का तीन गुना
4.	पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी, डिपो और गोदाम	आवासीय दर का तीन गुना
5.	सामुदायिक भवन, कल्याण मण्डप शादी/बारात घर, क्लब व इसी प्रकार के भवन	आवासीय दर का तीन गुना
6.	औद्योगिक इकाइयां सरकारी अर्धसरकारी एवं सार्वजनिक, उपक्रम कार्यालय	आवासीय दर का तीन गुना
7.	क्रीडा केन्द्र, जिम, शारीरिक स्वास्थ्य केन्द्र, थियेटर तथा सिनेमा घर	आवासीय दर का दो गुना
8.	अन्य प्रकार के अनावासिक भवन जो उपर्युक्त श्रेणियों में उल्लिखित नहीं हैं।	आवासीय दर का तीन गुना
9.	छात्रावास और शैक्षणिक संस्थान जो अधिनियम की धारा 129-क के खण्ड (ग) के अधीन आच्छादित नहीं हैं।	आवासीय दर के समान

38—अधिकांसी अधिकारी नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर द्वारा पंचायत सीमान्तर्गत स्थित भवनों/भूमियों का वार्षिक मूल्यांकन दरों पर निर्धारित किया जायेगा।

39—सम्बंधित बुकलेट रु0 50 शुल्क जमा कर नगर पंचायत लम्बुआ कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

40—मूल्य की गणना उप निबन्धक कार्यालय द्वारा निर्धारित दरों से की जायेगी।

41—करों/शुल्कों/जुर्माना निर्धारित समय सीमा पर न जमा करने पर इसकी वसूली भू-राजस्व की भांति की जायेगी।

### अर्थदण्ड

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर निश्चित करती है कि उपविधि के किसी भी नियम का उल्लंघन करना दण्डनीय अपराध होगा जो रु0 1,000/— एक हजार जुर्माना हो सकता है और निरन्तर बने रहने की दशा में अतिरिक्त अर्थदण्ड देय होगा जो सर्वप्रथम दोष सिद्ध के दिनांक या अधिकांसी अधिकारी द्वारा दिये गये नोटिस के दिनांक से प्रत्येक दिवस के लिये जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि जिसमें अपराधी अपराध करता है, रु0 25/— पच्चीस रुपये मात्र प्रतिदिन अर्थदण्ड लिया जायेगा।

अमित कुमार सिंह,  
अधिकांसी अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 206/न0प0ल0/यू0चा0 नियमावली/अधि0/2022-23—नगर क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिये नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर नगर पालिका अधिनियम, 1916 व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 में निहित प्राविधानों के अधीन निम्न प्रकार उपविधि बनाने के लिये सुझाव व आपत्ति प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर आपत्ति/सुझाव माँगे जा रहे हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 के अधीन नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु यह उपविधि बनती है। यह उपविधि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (प्रबंधन व हथालन) उपविधि, 2021 कहलायी जायेगी।

**नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर में एस0बी0एम0 के अन्तर्गत यूजर चार्ज नियमावली, 2022**

(अ) यह नियमावली ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपविधि, 2022 कहलायेगी।

(ब) यह उपविधि नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर सीमान्तर्गत लागू होगी।

(स) अधिनियम का तात्पर्य नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।

(द) इस नियमावली में अधिकांसी अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत के अधिकांसी अधिकारी से है।

प्राधिकारी का अर्थ—नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर के अधिशासी अधिकारी से होगा।

प्राधिकारी संस्था—नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर से है।

**क्षेत्र**—यह उपविधि नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर की सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में समान रूप से प्रभावशाली होगी।

1—समस्त निवासियों के लिये यह अनिवार्य होगा कि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में उल्लिखित नियमों के अनुसार अपने स्थल पर उत्सर्जित/उनके द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट को उद्गम स्थल पर तीन हिस्सों में गीला सूखा एवं परिसंकटमय अपशिष्टों में तीन क्रमशः हरा, नीला व लाल, सफेद ढक्कननुमा कचरा पात्र में भण्डारित करना होगा व दिन में एक बार ही नगर पंचायत लम्बुआ जनपद-सुलतानपुर द्वारा निर्धारित कूड़ा चुनने वाले अथवा डोर टू-डोर अपशिष्ट संग्रहकर्ता को निर्धारित मासिक शुल्क देकर निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। ताकि आम सड़कों मार्गों पर नगर पंचायत द्वारा स्वच्छ करने के पश्चात् किसी प्रकार की गंदगी कूड़ा-करकट नहीं फैले।

2—कोई व्यक्ति व संस्था निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट को पृथक् रूप से अपने परिसर में भंडारित करेगा एवं Construction and Demolition Waste Rule 2016 के अनुसार निपटान करेगा।

3—नगर में स्थित सभी को-आपरेटिव सोसाइटीज, एसोसिएशन आवासीय एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रबन्धन की यह जिम्मेदारी होगी कि वे आवश्यक घनत्व में उपर्युक्त स्थान पर आवश्यक संख्या में अपने स्वयं के कंटेनर (नीला व हरा रंग के) स्थापित करेंगे जिनमें दैनिक उत्सर्जित कचरे का पृथक्-2 भंडारण हो सके जिसका निस्तारण नगर पंचायत द्वारा निर्धारित देय यूजर-चार्ज देकर करायेगा।

4—कोई भी व्यक्ति/नागरिक अपशिष्ट को गली/मार्गों व खुले सार्वजनिक स्थानों नाली/नाला या जलाशयों में न फेंकेगा, न जलायेगा और न ही गाड़ेगा। उपविधि का पालन न करने की दशा में रु0 5,000.00 का जुर्माना वसूल किया जायेगा अथवा न्यायालय में अभियोग दायर किया जा सकेगा।

5—कोई भी व्यक्ति/नागरिक अपने आवास के समीप खाली स्थानों पर कूड़ा नहीं डालेगा न डालने देगा कूड़े के समीप निवासी को जिम्मेदार समझा जायेगा, जिसके लिये निकाय निर्धारित चालान करने में समर्थ होगा एवं अभियोग दायर किया जा सकेगा।

6—बूचड़ खानों, मांस-मछली बजारों, फल एवं सब्जी बाजारों के अपशिष्ट जो जैव निम्नकरणीय प्रवृत्ति का होता है का प्रबंध ऐसी रीति से किया जायेगा कि ऐसे अपशिष्ट को उपयोग में लाया जा सके ऐसे व्यवसायियों को इस प्रकार के अपशिष्ट को पृथक् से एकत्र करने एवं नगर पंचायत के कलेक्शन वाहन को प्रतिदिन हैण्ड ओवर करने का प्रबन्ध करते हुए नियमानुसार नगर पंचायत को मासिक यूजर चार्ज देकर निस्तारण सुनिश्चित कराना होगा।

7—अस्पतालों, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक, लैबोरेटरी आदि द्वारा जैव चिकित्सीय को नगरीय ठोस अपशिष्ट के साथ नहीं मिलाया जायेगा। अस्पतालों, नर्सिंग होम्स एवं क्लीनिक आदि के प्रबंधन द्वारा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट नियम, 2016 का अक्षरशः अनुपालन नगर पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज देते हुए नगर पंचायत के व्यवस्थानुसार कराया जायेगा।

8—कोई भी व्यक्ति/निवासी अपने परिसर से उत्पन्न कृषि उद्यान अपशिष्ट को अपने ही परिसर में पृथक् रूप से भण्डारित करेगा और समय-समय पर नगर निकाय द्वारा निर्धारित शुल्क (यूजर चार्ज) देकर निपटान करेगा।

9—कोई भी व्यक्ति/व्यवसायी निर्माण सामग्री को किसी दशा में सार्वजनिक स्थान पर नहीं डालेगा। अनाधिकृत रूप से निजी मलवा/सामग्री डालना अधिनियम व नियमों के तहत दण्डनीय अपराध होगा।

10—अपशिष्ट कूड़ा करकट सूखी पत्तियों को जलाया नहीं जायेगा।

11—कोई व्यक्ति अग्रिम रूप से कम से कम तीन दिवस पूर्व स्थानीय निकाय/नगर पंचायत को सूचित किये बगैर किसी गैर अनुज्ञप्ति वाले स्थान पर एक सौ व्यक्ति से अधिक का ऐसा कोई आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा और पृथक् अपशिष्ट को पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज जमा कर नियोजित अपशिष्ट संग्रहण अधिकरण को सौंपेगा।

12—मार्ग विक्रेता जिसके अन्तर्गत फेरीवाला, गली की लेन, सार्वजनिक पार्कों, सार्वजनिक स्थानों या प्राइवेट स्थानों पर अस्थाई निर्मित संरचना पट या घूम-2 कर व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को उनके द्वारा उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के निपटान हेतु ढक्कन युक्त कूड़ा पात्र रखना होगा।

13—कोई भी व्यक्ति नगर पंचायत द्वारा स्थापित अपशिष्ट कूड़ेदान के बाहर नहीं फेंकेगा। निर्धारित कूड़ेदान में निर्धारित अपशिष्ट डालेगा।

14-पशुओं को अपशिष्ट कूड़ादान स्थलों अथवा शहर के किसी अन्य स्थान के आस पास घूमने नहीं दिया जायेगा इसका अधिकृत क्षेत्र/स्थल पर ही प्रबन्ध करना होगा।

15-कोई भी व्यक्ति अपने भवन संस्थान व्यापारिक प्रतिष्ठान से गन्दा पानी, कीचड़ पानी, नाईट स्वाइल, गोबर, मलमूत्र, दूषित जल अपने परिसर में किसी प्रकार एकत्रित नहीं करेगा न सार्वजनिक मार्गों एवं नालियों में बहने देगा जिससे वातावरण दुर्गन्ध से प्रदूषित हो व जन स्वास्थ्य को हानि होने की संभावना हो अथवा आवागमन में बाधक हो अन्यथा उसके विरुद्ध जुर्माना वसूल किया जा सकेगा एवं न्यायालय में अभियोजन किया जा सकेगा।

16-कोई व्यक्ति किसी प्रकार का मृत मवेशी अथवा उसके अवशेष सार्वजनिक स्थानों इत्यादि पर नहीं डालेगा। नगर पंचायत को निर्धारित यूजर चार्ज देकर उसका निपटान करायेगा।

17-नगर पंचायत सीमा के अन्दर खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों से पाँच सौ रुपये एवं पेशाब करने वाले व्यक्तियों पर सौ रुपये जुर्माना वसूला जायेगा। जिसकी अदायगी व्यक्तियों को तुरन्त करनी होगी।

18-यह कि माननीय उच्च न्यायालय की सुनवाई दिनांक 09 नवम्बर, 2016 व नगर विकास अनुभाग-5 के आदेश संख्या 3595/नौ-5-2016-29/2014 दिनांक 08 नवम्बर, 2016 के अनुपालन में सड़क के किनारे भवन निर्माण अवशेष रखने पर रु0 50,000.00 का आर्थिक दण्ड वसूल किया जायेगा।

19-कोई भी व्यक्ति/निवासी सरकारी भवनों, चौराहों एवं दीवारों व गेटों पर निजी या व्यापारिक प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर व स्लोगन नहीं लिखायेगा।

घर-घर कचरा संग्रहण योजना के तहत घर-घर कचरा एकत्रित करने हेतु निम्नानुसार दरें तय की जाती हैं-

क्र० सं०	उपभोक्ता की श्रेणी	सहयोग राशि (उपभोक्ता द्वारा) प्रतिमाह नगर पंचायत लम्बुआ क्षेत्र/प्रतिमाह
1	2	3
		रु०
1	गेस्ट हाउस	500.00
2	हॉस्टल	400.00
3	व्यावसायिक कार्यालय, सरकारी कार्यालय, बैंक, बीमा कार्यालय, होटल रेस्टोरेंट।	500.00
4	नर्सिंग होम (50 बेड तक)	1,500.00
5	नर्सिंग होम (50 बेड से अधिक)	3,000.00
6	छोटे उद्योग (10 किलो कूड़ा प्रतिदिन)	500.00
7	गोदाम, कोल्ड स्टोर (कूड़ा)	1,000.00
8	बारातघर, धर्मशाला (3000 वर्ग मीटर तक)	1,500.00
9	बारातघर, धर्मशाला (3000 वर्ग मीटर से अधिक)	4,000.00
10	दो पहिया वाहन एजेन्सी	300.00
11	चार पहिया वाहन एजेन्सी	500.00
12	व्यावसायिक काम्पलेक्स अथवा मार्केट	1,000.00
13	माल	1,500.00
14	रिहायशी मकान (डोर टू-डोर कलेक्शन)	50.00
15	हलवाई, चाट, पकौड़ी, फास्ट फूड, आइसक्रीम, गन्ने का रस एवं अन्य जूस, सब्जी एवं फ्रूट आदि ठेला व्यवसायियों पर	100.00
16	निजी खाली प्लॉट पर पड़े कूड़े करकट की सफाई हेतु (3000 वर्गफीट) तक।	2,000.00

### नगर पंचायत की शक्ति

1-नगर पंचायत क्षेत्र में नगरीय ठोस अपशिष्टों या कूड़ा-करकट फैलाना प्रतिषेध होगा यदि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों, मार्गों, निजी खुले स्थानों, पार्कों, पानी के श्रोतों इत्यादि पर गंदगी कूड़ा, करकट फैलाते व रखते पाया जाता है, तो प्राधिकृत अधिकारी जो निरीक्षक के स्तर से कम का नहीं हो अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा

अधिकृत कर्मचारी संलग्न "अनुसूची-अ" में घोषित/समय पर निकाय द्वारा निर्धारित जुर्माना (केरिंग चार्ज) ऐसे दोषी व्याक्तियों से मौके पर ही वसूल करने में सक्षम होगा।

2-नियम को लागू कराने हेतु जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी द्वारा इसे सख्ती से लागू कराया जाएगा। लागू कराने में असक्षम/लापारवाही/असमर्थ कर्मचारी के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम, 1916 में उल्लेखित नियमों के अधीन सख्त कार्यवाही का अधिकार "प्राधिकारी" को होगा।

### "अनुसूची-अ"

#### उपविधियों के उल्लंघन में किये गये कृत्यों के लिए निर्धारित कैरिंग चार्ज

क्र० सं०	कृत्य	धनराशि प्रतिदिन
1	2	3
		रु०
1	रिहायशी भवनों के निवासियों	100.00
2	दुकानदारों द्वारा कचरा डालने पर	500.00
3	रेस्टोरेंट मालिकों द्वारा खुला कचरा डालने पर	1,000.00
4	होटल मालिकों द्वारा कचरा डालने पर	1,500.00
5	औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा कचरा डालने पर	5,000.00
6	हलवाई, चाट, पकौड़ी, फास्ट फूड, आइसक्रीम, गन्ने का रस एवं अन्य जूस, सब्जी एवं फ्रूट आदि ठेला व्यवसायियों पर	100.00
7	सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने वालों पर	100.00
8	गोबर सार्वजनिक स्थान पर डालने पर	500.00
9	निजी मकान, दुकान इत्यादि के निर्माण का मलबा, निर्माण सामग्री ईंट, सीमेन्ट लोहा, पत्थर सरकारी भूमि पर डालने पर।	1,000.00
10	निजी ट्रैक्टरों द्वारा बजरी, कचरा मलबा, गोबर इत्यादि परिवहन करते हुए नगर पंचायत की सड़कों पर अपनी सामग्री बिखेरने व गन्दगी फैलाने पर	2,000.00
11	सरकारी भवनों, चौराहों एवं दीवारों व उनके गेटों पर निजी वाणिज्य प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर चिपकाने, स्लोगन लिखकर सरकारी दीवारों ऐतिहासिक भवनों की सुन्दरता को खराब करने व बैनर्स लगाने पर उस संस्था के मालिक अथवा मौके पर पाये गये व्यक्ति से (प्रत्येक कृत्य पर)	2,000.00
12	बिना सक्षम स्वीकृति के रोडकट करने पर	5,000.00
13	अपने मकानों का गन्दे पानी का निकास आम सड़क पर करने पर	1,000.00
14	अपने मकान भवन का सीवरेज की गन्दगी आम नाली/नाले में बहाने पर	5,000.00
15	क्रमांक 02 से 06 तक वर्णित व्यवसायों द्वारा अपने व्यवसाय स्थल का कचरा एकत्रित रखने के निर्धारित ढक्कनदार कचरा पात्र आवश्यक क्षमता का नहीं रखने पर।	1,000.00
16	दुकान अथवा ठेला व्यवसायों द्वारा सड़क पर बैठकर स्कूटर व साईकिल रिपेरिंग कर आयल मिट्टी व पानी फैलाकर गन्दगी करने पर।	1,000.00
17	मीट की दुकानों के सामने दुकानदार द्वारा काटे गये जानवरों की हड्डियां, मलबा, मलीदा, खून, मुर्गे के पंख, अण्डों के छिलके इत्यादि सड़क पर व आम रास्ते/रास्तों में डालकर गन्दगी फैलाने पर।	2,000.00
18	आम रास्ता सड़क व मकान के सामने गाय, भैस, बकरी, कुत्तें, भेड़, ऊंट गधा, सुअर इत्यादि पालतू जानवरों से गन्दगी फैलाने पर।	500.00 जानवर
19	शादी/विवाह स्थलों के बाहर कचरा डालने पर।	2,500.00
20	आम रास्ता सड़क पर खुले में या टेन्ट लगाकर खुले आम मांस-मछली पकाने व अंश सड़क पर डालने व गंदगी फैलाने पर	2,000.00
21	सार्वजनिक स्थान, जमीन व सड़क के किनारे बैठकर सब्जियां बेचकर छिलके व अंश सड़क पर डालने व गन्दगी पर।	200.00

1	2	3
		रु0
22	हेयर कटिंग सैलून वालों द्वारा आम रास्ता व सड़क पर गन्दगी बाल इत्यादि डालने पर।	200.00
23	दुकानदारों अथवा व्यावसायिक द्वारा आम सड़क अथवा जमीन पर अतिक्रमण कर भवन सामग्री डालकर व्यवसाय करने पर।	5,000.00 उपविधियों का लगातार उल्लंघन करने पर अभियोजन भी चलाया जा सकेगा।
24	आम रास्ता सड़क फुटपाथ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय ढाबा चलाकर गन्दगी फैलाने पर।	1,000.00
25	प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम क्लीनिक जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय ढाबा चलाकर गन्दगी डालकर गन्दगी फैलाने पर।	2,000.00
26	खुले में शौच जाने पर	500.00

**नोट:**—करों/शुल्कों/जुर्माना निर्धारित समय सीमा पर न जमा करने पर इसकी वसूली भू-राजस्व की भांति की जायेगी।

अमित कुमार सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 207/न0प0ल0सुल0/2022-23—उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 128(1)(XIV-ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के नगर पंचायत लम्बुआ सीमा क्षेत्रान्तर्गत में अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखों पर कर लगाने हेतु जो नियमावली बनायी गयी है उसका प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 131(3) की अपेक्षानुसार सम्बन्ध व्यक्तियों की सूचना के लिये और उनके सम्बन्ध में आपत्तियों एवं सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित नियमों के सम्बन्ध में समस्त आपत्तियों एवं सुझाव उपजिलाधिकारी लम्बुआ/प्रशासक नगर पंचायत लम्बुआ को सम्बोधित करते हुये और लिखित रूप से प्रेषित किये जाने चाहिए केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जायेगा जो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर तक प्राप्त होगी।

#### नियमावली—

##### 1—संक्षिप्त शीर्ष नाम प्रारम्भ प्रवृत्ति—

(क) यह नियमावली नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखों पर कर नियमावली कहलायेगी।

(ख) यह उस दिनांक से प्रवृत्त होगी जब तक नगर के भीतर अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखों पर कर लगाया जाये।

(ग) यह नगर पंचायत लम्बुआ में स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के समस्त विलेखों पर प्रवृत्त होगी।

##### 2—परिभाषाएँ—विषय प्रसंग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस नियमावली में—

(क) अधिनियम का तात्पर्य नगर पंचायत अधिनियम, 1916 (यू0पी0 ऐक्ट संख्या-2 सन् 1916) से है।

(ख) नगर का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ से है।

(ग) शुल्क का तात्पर्य इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट, 1899 (ऐक्ट संख्या 2, 1899) के अधीन अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी विलेख पर लगाये गये शुल्क से है।

(घ) इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट का तात्पर्य उत्तर प्रदेश में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में यथा संशोधित इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट, 1899 (ऐक्ट संख्या 2, 1899) से है।

(ङ) नगर पंचायत का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर से है।

(च) अधिशाली अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ के अधिशाली अधिकारी से है।

(छ) कर का तात्पर्य अधिनियम की धारा 128 की उपधारा (1) के खण्ड (XIV-ख) के अधीन लगाये गये कर से है।

3—नगर पंचायत के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी विलेख पर इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट द्वारा लगाया गया शुल्क हस्तान्तरित सम्पत्ति के मूल्य पर अथवा भाग बन्धक की दशा में दस्तावेज द्वारा प्रतिभूत धनराशि पर 2 प्रतिशत के दर से बढ़ाकर किया जायेगा।

4-कर लगाने की प्रक्रिया-उक्त वृद्धि के फलस्वरूप उगाही गयी समस्त धनराशि प्रासांगिक व्ययों को, यदि कोई हो, काट लेने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा नगर पंचायत को निम्नलिखित रीति से अदा की जायेगी।

1-अब कभी नगर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण का कोई दस्तावेज निबन्धन के लिये प्रस्तुत किया जाये तो निबन्धन अधिकारी यह सुनिश्चित कर लेगा कि इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट की धारा-27 में निर्दिष्ट ब्यौरे-

निम्नलिखित के सम्बन्ध में पृथक्-पृथक् दिये गये हैं:-

(क) नगर के भीतर स्थित सम्पत्ति।

(ख) नगर के बाहर स्थित सम्पत्ति।

2-यदि ऐसे ब्यौरे दस्तावेज में पृथक्-पृथक् व दिये गये हो तो निबन्धन अधिकारी उसे कलेक्टर को अधिनियम की धारा 128क की उपधारा (4) धारा नगर पालिकाओं पर यथा प्रवृत्त इण्डियन स्टाम्प ऐक्ट की धारा 64 के अधीन आवश्यक कार्यवाही के लिखे भेजेगा।

5-करके लेखे रचना-निबन्धक अधिकारी लम्बुआ सुलतानपुर प्रत्येक दस्तावेज के सम्बन्ध पृथक्-पृथक् लेखे रखेगा, जिसमें शुल्क व कर दिखायेगा।

6-निबन्धन अधिकारी-जो दीवानी न्यायालय द्वारा दिये गये विक्रम के प्रमाण-पत्रों को प्रतिलिपियां प्राप्त कर और इण्डियन रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 1908 (ऐक्ट संख्या 16, 1998) 89 के अधीन उन्हे अपनी पुस्तक संख्या 1 में नत्थी करें तथा राजस्व अधिकारीगण शुल्क और कर का उसी प्रकार लेखा रखेगा।

7-निबन्धक अधिकारी जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में पृथक्-पृथक् तिमाही विवरण-पत्र तैयार करेगा जिसमें वह शुल्क और कर के रूप में वसूली की गयी धनराशि और उसे जिला निबन्धक को उक्त प्रत्येक महीने के पांचवें दिनांक तक प्रस्तुत करेगा।

1-निबन्धक महानिरीक्षक, उ0प्र0 इलाहाबाद।

2-कनिष्ठ सचिव, राजस्व परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद।

3-अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर।

4-महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद।

8-नगर पंचायत लम्बुआ की ओर से उगाही कर की धनराशि ऐसे प्रासंगिक व्ययों को जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये जायें, काट लेने के पश्चात् प्रत्येक तिमाही के अन्त में नगर पंचायत लम्बुआ को लौटा दी जायेगी प्रतिदिन की धनराशि प्राप्त करने के लिये अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर प्रत्येक तिमाही के कनिष्ठ सचिव, राजस्व परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद की फाइनैन्शियल हैण्ड बुक खण्ड-1 भाग-1 के प्रपत्र संख्या-19 में एक बिल प्रस्तुत करेगी। कनिष्ठ सचिव द्वारा बिल स्वीकृत किये जाने के पश्चात् उसकी एक प्रतिलिपि अधिशाली अधिकारी को लौटा दी जायेगी जो स्वीकृत बिल के प्रस्तुत किये जाने पर स्थानीय कोशागार से प्रतिदिन की धनराशि प्राप्त करेगी।

9-(1) नगर पंचायत की ओर से उगाही गयी कर की धनराशि ऐसे प्रासंगिक व्ययों जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये जायें काट लेने के पश्चात् प्रत्येक तिमाही के अन्त में नगर पंचायत को लौटा दी जायेगी, प्रतिवर्ष की धनराशि प्राप्त करने के लिये अधिशाली अधिकारी प्रत्येक तिमाही में कनिष्ठ सचिव, राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को फाइनैन्शियल हेड बुक खण्ड-5 भाग के प्रपत्र संख्या 19 में दो प्रतियों में एक बिल प्रस्तुत करेगा, कनिष्ठ सचिव द्वारा बिल स्वीकृत किये जाने के पश्चात् उसकी एक प्रतिलिपि अधिशाली अधिकारी को लौटा दी जायेगी जो स्वीकृत बिल के प्रस्तुत किये जाने पर स्थानीय कोशागार से प्रतिदिन का धनराशि प्राप्त करेगा।

(2) नगर पंचायत लम्बुआ निबन्धन और स्टाम्प विभाग के कर्मचारियों को ऐसा मासिक/परिश्रामिक का भुगतान भी करेगा, जो नगर पंचायत के पश्चात् के परामर्श से राज्य सरकार निर्धारित करें।

10-अभिलेखों का निरीक्षण-अधिशाली अधिकारी या उसके द्वारा तदर्थ उपविधि प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति किसी शुल्क का भुगतान किये बिना कर की उगाही और नगर पंचायत को उसकी वापसी के सम्बन्ध में निबन्धन कार्यालय के किसी अभिलेख का निरीक्षण कर सकता है।

अमित कुमार सिंह,  
अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।

20 अक्टूबर, 2022 ई0

सं0 208/न0पं0ल0/बायलॉज/2022-23-उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 (1) (2) सूची (1) खण्ड "ज" के भाग "ख" के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर ने अपनी बैठक दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में "वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली-2022" बनायी है, प्रस्तावित उपनियमावली पर यदि किसी सम्बन्धित को कोई भी आपत्ति हो, तो अपनी लिखित आपत्ति इस कार्यालय में 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह उपविधि गजट प्रकाशन के दिनांक से नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा में प्रभावित होगी।

### वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली, 2022

- 1-शीर्षक-यह उपविधि न0पं0 लम्बुआ सुलतानपुर वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क उपनियमावली, 2022 कहलायेगी।
- 2-प्रकृति-यह उपविधि उत्तर प्रदेश साधारण गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से नगर पंचायत समिति/विहित प्राधिकारी की स्वीकृति से सीमा में प्रभावी होगी।
- 3-परिभाषाएँ-विषय का प्रयोग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इन उपविधियों से है।
  - (क) "नगर पंचायत" से तात्पर्य नगर पंचायत, लम्बुआ जनपद सुलतानपुर से है।
  - (ख) "नगर पंचायत की सीमाओं" से तात्पर्य वर्तमान में निर्धारित सीमाएँ या भविष्य में बढ़ने से निर्धारित होकर प्रभावी होने वाली सीमा से है।
  - (ग) "अधिशाली अधिकारी" से तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के अधिशाली अधिकारी से है।
  - (घ) "अध्यक्ष" से तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ सुलतानपुर के उपजिलाधिकारी लम्बुआ/प्रशासक से है।
  - (ङ) "अधिनियम" से तात्पर्य उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।
  - (च) "वाहनों" से तात्पर्य नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा से गुजरने वाले भार से लदे/सवारी ढोने वाले वाहनों से है।
  - (छ) "कर्मचारी" का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर के कर्मचारी से है।
  - (ज) "नाका बैरियर" से तात्पर्य नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर के नाका बैरियर से है।
  - (झ) "सड़क/पटरियों" का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर की सीमा अन्तर्गत आने वाले मार्गों प्रान्तीय, गैर प्रान्तीय एवं नगर की सड़क पटरियों से है।
- 4-शुल्क का विवरण अधिरोपण एवं संग्रह-नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करते वाहनों ट्रक/ट्रैक्टर मय ट्राली, डी0सी0एम0 टयोटा जो व्यवहारिक दृष्टि से चलते हैं, मोटर लारी रोडवेज, स्टोर वाहन, टाटा सूमो, मार्शल, टैक्सी, मेटाडोर, जीप, भारी वाहन, बस/अन्य डीजल/पेट्रोल/गैस/इलेक्ट्रॉनिक/बैट्री से चलने वाले वाहनों जो व्यापारिक समान उतारने-चढ़ाने एवं सवारियां उतारने-चढ़ाने एवं ठहरने वाले वाहनों को नियन्त्रित करने हेतु उपविधि बनायी गई है, जिन पर यह शुल्क लागू होंगे।
- 5-नगर पंचायत, लम्बुआ, सुलतानपुर की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करने वाले वाहन चालक इन नियमों से अपने को नियन्त्रित समझेगा क्योंकि वह प्रान्तीय अथवा नगर पंचायत सड़कों एवं अन्य वाहनों जो नगर पंचायत की सीमा के अन्तर्गत प्रवेश करते हो की सड़कों एवं पटरियों का प्रयोग करते हों, वही वाहन चालक अपने वाहनों को तब तक नगर पंचायत, लम्बुआ की सीमा में प्रवेश नहीं करेगा जब तक देय शुल्क का भुगतान न कर दे। यह शुल्क मोहर्रि/नायब राजस्व मोहर्रि/ठेकेदार को दिया जायेगा। जहां पर नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर निश्चित करेगी।
- 6-प्रत्येक वाहन चालक अपने वाहन निर्धारित स्थान या नगर की सीमा में किसी स्थान पर माल उतारने, चढ़ाने एवं सवारियां उतारने-चढ़ाने एवं ठहरने वाले वाहनों से मोहर्रि/नायब राजस्व मोहर्रि/ठेकेदार जैसी स्थित हो उनसे शुल्क वसूल कर रसीद दे सके।
- 7-इस प्रकार की रसीद प्राप्त करने वाला व्यक्ति नगर पंचायत लम्बुआ के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशाली अधिकारी तथा उनके द्वारा अधिकृत कर्मचारी के द्वारा मांगे जाने पर रसीद दिखाने के लिए बाध्य होगा एवं दिखलायेगा जो जॉचोपरान्त उसे विधिवत वापस कर दिया जायेगा।
- 8-नगर पंचायत लम्बुआ उपजिलाधिकारी लम्बुआ/प्रशासक/अधिशाली अधिकारी को पूर्ण अधिकार होगा कि निर्धारित स्थान एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित करने परन्तु ऐसा करने के लिए उसे कम से कम 24 घण्टे पूर्व सूचना जारी करनी होगी।
- 9-यदि कोई वाहन बिना शुल्क अदा किये नगर पंचायत, लम्बुआ की सीमा के अन्दर पाया गया तो अधिशाली अधिकारी/उपजिलाधिकारी लम्बुआ/प्रशासक या उसके द्वारा अधिकृत जॉच अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह उस व्यक्ति से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त शुल्क का कम से कम चार गुना और अधिक से अधिक 20 गुना दण्ड के रूप में दण्ड वसूल कर रसीद देगा।
- 10-यदि कोई भी वाहन बगैर शुल्क अदा किये भाग जाने पर चालक का पूरा पता अथवा गाड़ी नम्बर जो भी हो उसके विरुद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत कानूनी कार्यवाही का अधिकार होगा।
- 11-यह कि नगर पंचायत चाहे तो वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क की वसूली का वार्षिक अथवा उसके किसी भाग का ठेका दे सकती है ऐसी स्थिति में ठेकेदार निर्धारित दरों पर शुल्क वसूल कर रसीद नियमानुसार जारी करेगा तथा पार्किंग शुल्क अवशेष होने पर पार्किंग शुल्क की वसूली भू0-राजस्व भांति की जा सकेगी।

**शुल्क से मुक्ति**

12—निम्न वाहन प्रवेश एवं पार्किंग शुल्क से मुक्त होंगे।

(क) मृत पार्टी ले जाने वाले समस्त वाहन या एम्बूलेंस।

(ख) सरकारी कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर उनका घरेलू सामान जो किसी भार वाहन पर हो किन्तु प्रतिबन्ध यह रहेगा कि सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जावे, जो मांगने पर दिया जावे।

(ग) अन्य सरकारी वाहन (रोडवेज को छोड़कर) जो सरकारी ड्यूटी पर हो किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जाये।

(घ) नगर सीमा के अन्दर बिना रुके सीधे जाने वाले वाहन।

**प्रतिबन्ध**

13—नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर की सीमा में प्रवेश करने वाले तिपहिया, बस, टैम्पो, टू सीटर एवं विक्रम नगर के अन्दर चलने वाले ऑटो रिक्शा एवं थ्री व्हीलर की निम्नलिखित स्थान पर खड़े होने एवं सवारी उतारने एवं चढ़ाने हेतु निर्धारित किये जाते हैं।

(क) चौकिया रोड।

(ख) दियरा रोड।

(ग) ब्लाक रोड।

(घ) बाईपास डकाही के पास।

14—कोई भी प्राइवेट बस, लारी, मिनीबस, जीप, टैक्सी, टैम्पो इत्यादि जो सवारियां ढोती है वह उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के बस स्टैंड से 1 किमी0 परिधि में सवारी उतारने व चढ़ाने हेतु न तो गाड़ी पार्किंग करेगा और न ही सवारी भरेगा। उल्लंघन की दशा में अर्थदण्ड का भागी होगा।

15—अध्यक्ष, नगर पंचायत, लम्बुआ सुलतानपुर को यह अधिकार होगा कि किसी भी विवाद के उल्लंघन होने पर उनका निर्णय अन्तिम होगा तथा उपनियम के किसी भी धारा में आवश्यक पड़ने पर संशोधन करने का अधिकारी होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि निर्धारित स्थान से आगे शहरी आवादी में प्रतिबन्धित गाड़ियों को अनुमति नहीं दी जायेगी।

**शुल्क का विवरण**

16—नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर की सीमा में प्रवेश एवं ठहरने वाले वाहनों से निम्न सारणी के अनुसार शुल्क वसूली करेगी।

1. प्रत्येक मोटर, मोटर लारी, बस (रोडवेज प्राइवेट बस), ट्रक तथा अन्य डीजल अथवा पेट्रोल से चलने वाले वाहन आदि	(परन्तु एक दिन के लिये रु0 100.00 प्रतिदिन)
2. ट्रैक्टर ट्राली	रु0 50.00 प्रति चक्कर रु0 20.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 50.00)
3. मिनी बस, छोटा ट्रक, मेटाडोर इत्यादि	रु0 30.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 70.00)
4. टैक्सी, मार्शल जीप, टैम्पो इत्यादि	रु0 25.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 60.00)
5. तांगा, ई-रिक्शा	रु0 5.00 प्रति चक्कर (प्रतिदिन रु0 20.00)

**शास्ति**

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299 (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत लम्बुआ, सुलतानपुर यह निर्देश देती है कि उपरोक्त नियमों के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड दिया जायेगा, जो रु0 1,000.00 तक हो सकता है। यदि निरन्तर जारी रहे तो प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि अपराध करता चला आ रहा है तो रु0 25.00 अर्थदण्ड प्रतिदिन उपरोक्त के अतिरिक्त किया जायेगा। अर्थदण्ड अदा न करने पर 6 मास का कारावास का दण्ड दिया जा सकेगा।

अमित कुमार सिंह,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत लम्बुआ,  
सुलतानपुर।



**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड तथा विभाग द्वारा निर्गत पहचान-पत्र में मेरा नाम अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र उमा शंकर पाण्डेय अंकित है जो कि सही है। परन्तु त्रुटिवश मेरी सेवा पुस्तिका में अनिल कुमार पाण्डेय के स्थान पर केवल अनिल कुमार अंकित हो गया है। उपरोक्त दोनों नाम मेरा ही है। अतः भविष्य में मुझे अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र उमा शंकर पाण्डेय के नाम से ही जाना व पहचाना जाय।

अनिल कुमार पाण्डेय,  
पुत्र उमा शंकर पाण्डेय,  
निवासी-ए, गुरुनानक नगर,  
नैनी, प्रयागराज, पिन-211008।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स मां विन्ध्यावासिनी इंडस्ट्रीज 15बी, राम नगर कालोनी, मोहददीपुर, जिला गोरखपुर, उ0प्र0 नामक फर्म में साझेदारी डीड दिनांक 07 सितम्बर, 2015 से श्री तुनाजी पाण्डेय व श्री बच्चा पाण्डेय एवं श्री धनन्जय पाण्डेय जी साझेदार थे। यह कि उक्त फर्म कार्यालय सहायक निबंधक फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स गोरखपुर में पत्रावली सं0 जी0-4438 पर पंजीकृत हैं। यह की उक्त फर्म के साझेदार श्री धनन्जय पाण्डेय जी की मृत्यु दिनांक 10 मई, 2021 को हो चुकी है तथा साझेदारी डीड दिनांक 01 नवम्बर, 2022 से श्रीमती अनीता देवी जी उक्त फर्म में साझेदार के रूप शामिल हुई हैं। अब उक्त फर्म में क्रमशः श्री तुनाजी पाण्डेय व श्री बच्चा पाण्डेय एवं श्रीमती अनीता देवी जी है। उक्त फर्म में किसी का कोई लेन-देन बकाया नहीं है।

तुनाजी पाण्डेय,  
साझेदार,  
मां विन्ध्यावासिनी इंडस्ट्रीज 15बी,  
राम नगर कालोनी, मोहददीपुर,  
जिला गोरखपुर, उ0प्र0।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी का घर का नाम नन्हें बाबू पुत्र स्व0 पुन्नूलाल है जो उसके आधार कार्ड, पैनकार्ड में अंकित है। प्रार्थी के शैक्षिक अभिलेखों, एल0आई0सी0 की पालिसी सं0-314562957 में प्रार्थी का नाम अनिल कुमार पुत्र पुन्नू लाल अंकित है उपरोक्त दोनों नाम मेरा ही है। भविष्य में मुझे नन्हें बाबू पुत्र स्व0 पुन्नू लाल के नाम से जाना व पहचाना जाय। नन्हें बाबू पुत्र स्व0 पुन्नूलाल पता-116 खटगिया जसरा, प्रयागराज, उ0प्र0-212107।

नन्हें बाबू

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम यादव रेखा शोभनाथ अंकित है। मेरे पैनकार्ड, आधार कार्ड में मेरा नाम रेखा सुभाष यादव अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है। भविष्य में मुझे यादव रेखा शोभनाथ पत्नी सुभाष ब्रह्मदेव यादव के नाम से जाना व पहचाना जाये। नाम यादव रेखा शोभनाथ पता 138, एल0आई0जी0 आवास विकास कालोनी, योजना-2 झूंसी, प्रयागराज।

यादव रेखा शोभनाथ।

**सूचना**

फर्म मे0 राधा रानी डवलपर्स श्यामकुटी मथुरा-वृन्दावन, राजपुर बांगर, राजपुर मथुरा, पत्रावली संख्या एमएटी-0012930 में दिनांक 05 अक्टूबर, 2022 को श्री जवाला पुत्र श्री दाताराम उर्फ पेनाव निवासी-सेलाखेड़ा, तहसील महावन, जिला मथुरा, श्री पन्ना लाल पुत्र श्री सामरे निवासी-गांव नगौरा, तहसील महावन जिला मथुरा, रामवीर सिंह पुत्र श्री दौजीराम निवासी-किनारई लोहबन, मथुरा, श्री राजवीर सिंह पुत्र श्री वेदराम निवासी-अहबरनपुर हाथरस, श्री रमेश चन्द पुत्र चीगुटिया निवासी-पटलौनी मथुरा, श्री खिलौनी पुत्र श्री बनवारी निवासी-नगौरा मथुरा, सतीश पुत्र श्री बनवारी लाल निवासी-नगौरा महावन मथुरा, राजवीर सिंह पुत्र श्री लीलाराम निवासी-बी-324 गली नं0 10 ज्ञान मन्दिर जतीपुर एक्सटेंशन पार्ट 01 बदरपुर साउथ देहली, श्री रूप किशोर पुत्र श्री बनवारी लाल निवासी-नगौरा महावन मथुरा, श्री रामगोपाल पुत्र श्री मोतीराम निवासी-नगौरा महावन मथुरा, श्री रनवीर सिंह पुत्र श्री गनेश लाल निवासी-नगला नत्थू ओन्दूआ मेन्दू हाथरस, श्री धर्मपाल पुत्र श्री नेकसे लाल निवासी-ओन्दूआ मेन्दू हाथरस, श्रीमती हरप्यारी पत्नी श्री दयाराम नगला कुंवरजी जोगिया हाथरस, श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री सोहनलाल श्याम नगर टेडी बगिया आगरा, श्री जहारिया पुत्र श्री श्यामा निवासी-गुडरा महावन मथुरा, श्री बनवारी लाल पुत्र श्री सोनपाल निवासी-गुडरा महावन मथुरा फर्म की भागीदारी में सम्मिलित हुये वर्तमान फर्म में भागीदारी श्री सियाराम दास, श्री धर्मपाल सिंह, श्री यमुना चौधरी, श्री जवाला, श्री पन्ना लाल, श्री रामवीर सिंह, श्री राजवीर सिंह, श्री रमेश चन्द्र, श्री खिलौनी, श्री सतीश, श्री राजवीर, श्री रूप किशोर, श्री रामगोपाल, श्री रनवीर सिंह, श्री धर्मपाल, श्रीमती हरप्यारी, श्री अर्जुन सिंह, श्री जहारिया, श्री बनवारी लाल है।

सियाराम दास,  
साझेदार,  
मे0 राधा रानी डवलपर्स,  
श्यामकुटी मथुरा वृन्दावन, राजपुर बांगर,  
राजपुर मथुरा।

**सूचना**

फर्म मे0 रियल इण्डस्ट्रीज, 198 श्री नगर जलेसर रोड फिरोजाबाद, पत्रावली संख्या एफ0आई0आर0-0008858 में दिनांक 01 अप्रैल, 2022 को श्रीमती कृष्णा राजपूत पत्नी श्री मनीष कुमार, निवासी-28/522, कंस गेट, गोकुल पुरा, आगरा फर्म की साझेदारी से अपनी स्वेच्छा से पृथक् हुई, वर्तमान में साझेदार श्री रामनरेश, श्री सुगम सिंघल, श्री राजकुमार, श्रीमती संतोष कुमारी, श्री जय किशन वर्मा, श्री प्रदीप कुमार वर्मा हैं।

रामनरेश,  
साझेदार,  
मे0 रियल इण्डस्ट्रीज,  
198, श्री नगर जलेसर रोड,  
फिरोजाबाद।

**सूचना**

फर्म मे0 शिवा फाईनेन्सियल, मौ0 ऊँचान अतरौली, जिला अलीगढ़ पत्रावली संख्या ए0एल0आई0-0001697 में दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को श्रीमती शिवाली गोयल पत्नी श्री सौरभ गोयल, निवासी-ऊँचान अतरौली, जिला अलीगढ़ को उक्त फर्म की साझेदारी में सम्मिलित कर लिया गया है। तददिनांक को श्री गौरव कुमार पुत्र श्री महेश कुमार, निवासी-हसियागंज डिवाई, बुलन्दशहर अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से पृथक् हुये, वर्तमान फर्म में भागीदार श्री सौरभ गोयल, श्रीमती शिवाली गोयल हैं।

सौरभ गोयल,  
साझेदार,  
मे0 शिवा फाईनेन्सियल,  
मौ0 ऊँचान अतरौली,  
जिला अलीगढ़।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स संकट मोचन ग्रेनाइट, विलेज बघवा कबरई, जिला-महोबा (उत्तर प्रदेश) वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है :-

1-राज करन सोनी, 2-मुन्नी लाल विश्वकर्मा, 3-अरि मर्दन, 4-राम रतन जिसमें दिनांक 10 नवम्बर, 2022 को अरि मर्दन अपनी स्वेच्छा से पृथक् हो गये हैं। एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

राजकरन सोनी,  
साझेदार,  
मेसर्स संकट मोचन ग्रेनाइट,  
विलेज बघवा कबरई,  
जिला महोबा (उ0प्र0) 210424।

**सूचना**

फर्म मे0 श्री जी0डी0 इंजीनियर्स एण्ड एसोसियेट्स मोहनकृपा कुंज एफ-1 इण्डस्ट्रीयल एरिया साईट बी, मथुरा-281001 पत्रावली संख्या एमएटी 0012328 में दिनांक 15 जून, 2022 को माधव दास अग्रवाल पुत्र श्री धनश्याम दास अग्रवाल, निवासी-64/225, घनश्याम विला अपोजिट किसान भवन, डैम्पीयर नगर, मथुरा, श्रीमती हेमलता गर्ग पत्नी श्री माधव दास अग्रवाल निवासी-64/225, घनश्याम विला अपोटिव किसान भवन, डैम्पीयर नगर, मथुरा अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से पृथक् हुये, वर्तमान फर्म में भागीदार श्री संजय कुमार अग्रवाल, श्रीमती आभा गर्ग हैं।

संजय कुमार अग्रवाल,  
साझेदार,  
मे0 श्री जी0 डी0 इंजीनियर्स एण्ड एसोसियेट्स,  
मोहनकृपा कुंज एफ-1 इण्डस्ट्रीयल एरिया,  
साईट बी, मथुरा-281001।